पीएनबी प्रतिभा
PNB Pratibha

अंक 65–03 | पंजाब नैशनल बैंक की तिमाही गृह पत्रिका | अक्टूबर–दिसंबर 2024

"धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा"

पीएनबी स्टाफ जर्नल
PNB staff journal

एनआरआई ग्राहक सेवा केंद्र का शुभारंभ

भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली स्थित कार्यालय में नवनिर्मित एनआरआई ग्राहक सेवा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर बैंक के संस्थापक लाला लाजपत राय की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरान्त श्री एम. नागराजू, सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्री पंकज शर्मा, संयुक्त सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र, एवं श्री प्रवीन गोयल, अंचल प्रबंधक, दिल्ली।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

प्रधान कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजन के अवसर पर दृष्टव्य हैं श्री के.जी. अनंतकृष्णन, गैर–कार्यपालक चेयरमैन, श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशकगण, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र, श्री पंकज शर्मा, निदेशक, श्रीमती उमा शंकर, निदेशक, श्री पंकज जोशी, अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक, श्री संजीव कुमार सिंघल, अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक, श्री जतिंदर सिंह बजाज, शेयरधारक निदेशक, श्री अम्बरीष ओझा, शेयरधारक निदेशक तथा श्री राघवेन्द्र कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी।

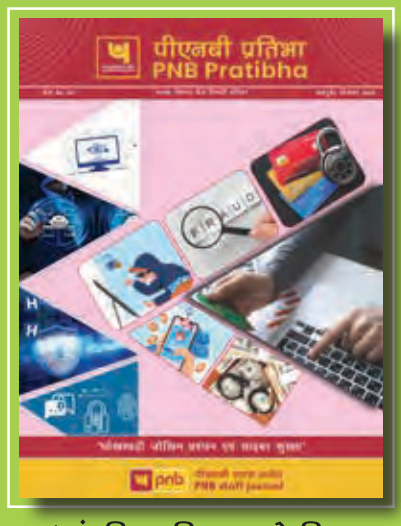

(आंतरिक परिचालन के लिए)

पंजाब नैशनल बैंक की तिमाही गृह पत्रिका

मुख्य संरक्षक:

अतुल कुमार गोयल
(प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी)

संरक्षक:

कल्याण कुमार
(कार्यपालक निदेशक)

बिनोद कुमार
(कार्यपालक निदेशक)

एम. परमशिवम
(कार्यपालक निदेशक)

बी. पी. महापात्र
(कार्यपालक निदेशक)

विशेष सहयोग:

अमरेश प्रसाद
(मुख्य महाप्रबंधक, लेन–देन निगरानी प्रभाग)

राजेश कुमार
(महाप्रबंधक, लेन–देन निगरानी प्रभाग)

पूर्ण चन्द्र बेहरा
(महाप्रबंधक, लेन–देन निगरानी प्रभाग)

प्रबंधकीय संपादक:

देवार्चन साहू
(महाप्रबंधक–राजभाषा)

संपादक:

मनीषा शर्मा
(सहायक महाप्रबंधक–राजभाषा)

सह संपादक:

आशीष शर्मा
(मुख्य प्रबंधक–राजभाषा)

राजीव शर्मा
(वरिष्ठ प्रबंधक–राजभाषा)

हृदय कुमार
(राजभाषा अधिकारी)

श्री देवार्चन साहू, महाप्रबंधक (राजभाषा) द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित
श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) द्वारा संपादित।
पंजाब नैशनल बैंक, राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय,
सेक्टर–10, द्वारका, नई दिल्ली

मुद्रण:

इनफिनिटी एडवर्टाइजिंग सर्विसेस, प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद

पीएनबी प्रतिभा में लेखकों/रचयिताओं द्वारा व्यक्त राय एवं विचार लेखकों के व्यक्तिगत हैं। बैंक प्रबंधन का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

पीएनबी प्रतिभा

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश	2
कार्यपालक निदेशक का संदेश	3
महाप्रबंधक (राजभाषा) का संदेश	4
संपादकीय	5
बैंकिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)/हौंसलों की उड़ान	6–7
बैंक को पुरस्कार/नववर्ष	8–9
विविध गतिविधियां	10
अंचल प्रबंधक एवं मंडल प्रमुख व्यवसाय सम्मेलन/स्वच्छता जागरूकता सप्ताह	11
एनआरआई ग्राहकों हेतु 24X7 ग्राहक सेवा केंद्र का शुभारंभ	12
भारतीय साइबर सुरक्षा की चुनौतियां: खतरे और समाधान रणनीतियां	13–20
उद्घाटन/जीवन का अर्थ	21–22
बैंकिंग क्षेत्र में धोखाधड़ी प्रबंधन और एआई की भूमिका	23–25
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के दौरे	26
कार्यपालक निदेशकों के दौरे	27
साइबर अपराधियों पर भारी, भारत सरकार हमारी	28–30
बैंक ने किया सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन	31
अंचल कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह की झलकियां/समझौता ज्ञापन	32–33
साइबर सुरक्षा: हर स्तर पर सतर्कता/आंसुओं की झड़ी	34–36
बैंक और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन/मेरी माँ जादू जानती है	37–40
प्रधान कार्यालय में राजभाषा समारोह का भव्य आयोजन/पेरिस ओलंपिक 2024 में उत्कृष्ट योगदान देने वाले हॉकी खिलाड़ियों का सम्मान	41–43
अंचल कार्यालयों में राजभाषा समारोह की झलकियाँ	44–45
कठिनाइयां और सफलता	46–47
जोखिम प्रबंधन	48–49
नराकास दिल्ली (बैंक) का वार्षिक समारोह/कला दीर्घा	50
संसदीय समिति के दौरे	51
राजभाषा गतिविधियाँ	52–53
यात्रा वृतांत: हिमाचल प्रदेश	54–55
सीएसआर गतिविधियाँ/जिन्दगी क्या है?	56–57
ऑटोमोटिव हैकिंग	58
बैंक धोखाधड़ी: उद्योग के लिए एक खतरा	59
हमें गर्व है	60
पुस्तक समीक्षा: माई जर्नी कार्ट टू एरोप्लेन–लाइफ एज ए प्रोफेशनल बैंकर	61
कहानी–स्वाभिमान	62
हर तस्वीर कुछ कहती है–उत्कृष्ट प्रविष्टियाँ	63
स्वाभिमान और गर्व की भाषा है हिंदी/मेरा बैंकिंग सफर	64–65
साइबर धोखाधड़ी के नए तरीके	66
साइबर सुरक्षा के विविध आयाम/अंगदान	67–69
प्रादेशिक भाषा की रचना	70
ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024: भविष्य की वित्तीय दुनिया का मार्गदर्शक	71–72
मानवता की मिसाल	73
विमोचन/हर तस्वीर कुछ कहती है	74
आपके पत्र	75
श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ की सेवानिवृत्ति	76

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

हमारी गृह पत्रिका पीएनबी प्रतिभा के "धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा" विशेषांक के माध्यम से आप सभी को पुनः संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

आज का युग डिजिटल बैंकिंग का युग है। डिजिटल बैंकिंग वित्तीय सेवाओं और बैंकिंग गतिविधियों का एक एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म है जहाँ ग्राहक इंटरनेट और मोबाइल के माध्यम से कहीं भी बैठ कर अपने बैंकिंग कार्यों को आसानी से पूरा कर सकते हैं। हमारे बैंक का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों के वित्तीय लेन–देन को सुरक्षित और सुगम बनाना है। इसके लिए बैंक द्वारा समय–समय पर ईमेल, फोन व सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों को वित्तीय धोखाधड़ी के प्रति जागरूक किया जाता है।

चेक जालसाजी, नकदी के गबन, जैसे पारंपरिक तरीके अब परिष्कृत साइबर खतरों में परिवर्तित हो गए हैं। आज, अपराधी डिजिटल सिस्टम में कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए फिशिंग, रैंसमवेयर, कार्ड स्किमिंग, डिजिटल अरेस्ट, जैसी रणनीति अपनाते हैं, इसलिए वित्तीय लेनदेन के लिए सुरक्षा उपायों में निरंतर प्रगति की आवश्यकता होती है।

वेब/मोबाइल एप्लिकेशन/साइबर धोखाधड़ी के माध्यम से की जाने वाली धोखाधड़ी की घटनाओं को रोकने के लिए बैंक अपनी साइबर धोखाधड़ी संबंधी नीति को समय–समय पर अद्यतन करता रहता है। संदिग्ध गतिविधियों पर नियंत्रण करने के लिए लेन–देन की सीमा तय करने का विकल्प भी ग्राहकों को दिया गया है, जिससे वह अपने खाते में अनधिकृत बड़े लेन–देन को रोक सकते हैं। धोखाधड़ी से प्रभावित खातों को तुरंत ब्लॉक करना तथा जांच पूरी होने पर पुनर्स्थापित करने जैसी तमाम सुविधाएं ग्राहकों को दी जा रही हैं।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल गृह मंत्रालय (एमएचए), भारत सरकार की एक पहल है, जिसके माध्यम से पीड़ित अपने साथ घटित साइबर अपराध की शिकायत को दर्ज कर सकते हैं। पीएनबी, साइबर अपराध के रियल–टाइम समाधान के लिए एनसीसीआरपी (राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल) के साथ एपीआई एकीकरण (API Integration) लागू करने वाला पहला बैंक है। इस पहल के कारण शिकायत के समाधान का औसतन प्रतिक्रिया समय 4 घंटे से घटकर 2 मिनट से भी कम हो गया है। सिस्टम पीएनबी खाते में शेष राशि मौजूद होने पर ग्रहणाधिकार को चिन्हित करके पोर्टल पर प्राप्त शिकायत को रियल–टाइम बेसिस पर स्वचालित रूप से हल करता है अन्यथा शिकायत को अगले चरण के व्यापारी/बैंक को अग्रेषित करता है। तत्काल ग्रहणाधिकार/खाते को फ्रीज करने के माध्यम से ग्राहक के खाते को सुरक्षित रखने का शीघ्र समाधान मिलता है।

बैंक ने मौजूदा ईएफआरएम समाधान (EFRM Solution) में भी सुधार किया है, जो ग्राहक आईडी, खातों, पंजीकृत मोबाइल नंबर इत्यादि जैसे विभिन्न अस्तित्व के आधार पर रियल–टाइम में डेबिट और क्रेडिट लेनदेन की निगरानी करेगा एवं अनधिकृत लेनदेन पर रोक लगाएगा। नए ईएफआरएम समाधान के साथ, प्रतिक्रियाशील "पता लगाएं और सही करें" दृष्टिकोण से सक्रिय "भविष्यवाणी करें और रोकें" रणनीति में बदलाव आएगा।

बैंक द्वारा दिए गए इनपुट के आधार पर एआई/एमएल का प्रयोग करते हुए म्यूल खातों की पहचान करने हेतु एक समाधान विकसित करने के लिए आरबीआई–आईएचः आरबीआई इनोवेशन हब (RBI-Innovation Hub) के साथ भी बैंक ने साझेदारी की शुरुआत की है।

बैंकिंग धोखाधड़ी के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में निरंतर जागरूकता और प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। सामान्य धोखाधड़ी कार्य–प्रणाली एवं सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं पर स्पष्ट जानकारी प्रदान करके और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत रिपोर्ट करने के महत्व पर जोर देकर, बैंक एक सतर्क उपयोगकर्ता आधार बना सकता है। निष्कर्षतः, बैंकिंग धोखाधड़ी के गतिशील परिदृश्य के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। निरंतर स्टाफ प्रशिक्षण और मजबूत ग्राहक जागरूकता, पारंपरिक और आधुनिक दोनों खतरों के खिलाफ रक्षा की नींव बनाएगा।

मैं पीएनबी प्रतिभा के इस अंक से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से जुड़े प्रत्येक स्टाफ सदस्य का आभार व्यक्त करता हूँ और पत्रिका के इस सुंदर और ज्ञानवर्धक अंक के लिए बधाई देता हूँ। यह पत्रिका पीएनबी परिवार के स्टाफ सदस्यों को, रचनाओं के रूप में, अपने विचार व्यक्त करने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है।

अंत में मैं सभी पीएनबी स्टाफ सदस्यों व विजेता कार्यालयों को राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई देता हूँ। ये हम सभी के लिए गौरव का विषय है और मुझे आशा है कि भविष्य में भी हम सभी इसी प्रकार मेहनत कर राजभाषा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे और बैंक को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित।

अतुल कुमार गोयल
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

कार्यपालक निदेशक का संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि पीएनबी प्रतिभा का यह अंक "धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा" विशेषांक के रूप में प्रकाशित हो रहा है।

आज के इस युग में हमारा देश डिजिटल बैंकिंग और अन्य तकनीकों को अपनाते हुए नई ऊँचाइयों पर पहुँच रहा है।

डिजिटलीकरण मानवीय हस्तक्षेप को कम करता है जिससे त्रुटि की संभावना कम हो जाती है और ग्राहक निष्ठा का निर्माण होता है। डिजिटलीकरण के माध्यम से, हम दुनिया के हर कोने में अपनी बैंकिंग ग्राहकों तक पहुंचाने में सक्षम हैं।

बैंकिंग प्रक्रिया को तेज, सरल, प्रभावी और कैशलेस बनाने के लिए ग्राहकों को डिजिटल उत्पाद पेश किए जा रहे हैं। डिजिटल बैंकिंग में इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध प्रत्येक बैंकिंग सुविधा शामिल है जैसे विभिन्न योजनाओं के तहत खाते खोलना, सावधि जमा बनाना, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई क्यूआर कोड, भीम आधार और बिक्री बिंदु आदि के माध्यम से लेनदेन करना, जो चौबीसों घंटे उपलब्ध है।

एक ओर जहां हम डिजिटल भुगतान के माध्यम से तेजी से आगे बढ़ रहे हैं; डिजिटल धोखाधड़ी भी उतनी ही तेजी से बढ़ रही है। हमारे चारों ओर घूम रहे धोखेबाज विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके हमारी वित्तीय गतिविधियों पर पैनी नजर रखते हैं। इन्टरनेट की उपलब्धता का दुरूपयोग कर धोखेबाजों द्वारा लोगों को ठगा जा रहा है, जिनमें से कुछ तरीके फिशिंग, विशिंग, स्मिशिंग, स्किमिंग, जूस जैकिंग, रिमोट असिस्टेंस, डिजिटल अरैस्ट इत्यादि हैं। कोई भी व्यवसाय, संस्था या व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी के खतरे से मुक्त नहीं है।

जैसे हर सिक्के के दो पहलू होते हैं, डिजिटल बैंकिंग के भी अपने फायदे और नुकसान हैं। लाभप्रद होने के बावजूद, यह संभावित खतरों के साथ आती है क्योंकि कोई भी नई तकनीक निश्चित रूप से जोखिम भरी हो सकती है।

जोखिम को कम करने के लिए, धोखेबाजों को आपके खाते तक पहुँचने से रोकने के लिए कई सुरक्षा सुविधाओं से युक्त सर्वोत्तम तकनीक का उपयोग किया जाता है। डिजिटल बैंकिंग प्रदाताओं के पास ग्राहक के पैसे और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा के लिए सुरक्षित प्रणालियाँ हैं जिनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं:

i. कार्ड क्लोनिंग से बचने के लिए हमारे बैंक के सभी एटीएम को ईएमवी अनुरूप बनाया गया है और बैंक के सभी एटीएम में एंटी स्किमिंग डिवाइस लगाए गए हैं।

ii. आईबीएस (इंटरनेट बैंकिंग सेवा) और एमबीएस (पीएनबी वन) के माध्यम से लेनदेन करते समय उपयोगकर्ता को लेनदेन पासवर्ड और ओटीपी दर्ज करना आवश्यक है।

iii. जहां भी लाभार्थी की आवश्यकता हो, लाभार्थी को जोड़ने/संशोधित करने के बाद आईबीएस (इंटरनेट बैंकिंग सेवाएं) और एमबीएस (पीएनबी वन) में लेनदेन करने के लिए 2 घंटे की कूलिंग अवधि रहेगी।

iv. बैंक ने इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं में एक सुरक्षा सुविधा IBS शील्ड लागू की है, जिसमें पहले लॉगिन के दौरान, (i) वाक्यांश और छवि का चयन किया जाता है जो किसी विशेष उपयोगकर्ता के लिए अद्वितीय होता है और (ii) प्रमाणीकरण के लिए 40 प्रश्नों में से 7 सुरक्षा प्रश्न चुने जाते हैं। जिनके ग्राहक द्वारा उत्तर दिए जाते हैं।

v. बैंक ने रिटेल आईबीएस ग्राहकों के लिए पीएनबी सेफ्टी रिंग पेश की है। यह ऑनलाइन माध्यम से समय से पहले टीडी (टर्म डिपॉजिट) बंद करने पर या निर्धारित सीमा राशि तक टीडी पर ओडी सुविधा का लाभ उठाने के लिए दैनिक लेनदेन सीमा निर्धारित करने की एक अतिरिक्त सुविधा प्रदान करता है।

vi. आईबीएस ग्राहकों को अपना लॉगिन समय निर्धारित करने की सुविधा भी दी गयी है।

vii. बैंक ने पंजीकृत मोबाइल नंबर से प्राप्त लेनदेन एसएमएस को अग्रेषित करके अनधिकृत लेनदेन की रिपोर्ट करने और संबंधित चैनल आईबीएस/एमबीएस/डेबिट कार्ड को ब्लॉक करने की सुविधा शुरू की है।

viii. ग्राहक सभी चैनलों (आईबीएस/एमबीएस/यूपीआई/आईवीआरएस) के माध्यम से लेनदेन को प्रतिबंधित करने के लिए अपने ऑपरेटिव खाते को फ्रीज कर सकते हैं।

सतर्कता और सावधानी खुद को धोखेबाजों का शिकार बनने से बचाने की कुंजी है।

पीएनबी प्रतिभा का यह अंक पाठकों के लिए बहुत ही ज्ञानवर्धक होने वाला है। किसी भी संस्था की पत्रिका वहाँ के स्टाफ सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने का एक मजबूत मंच प्रदान करती है। हमारे बैंक की पत्रिका 'पीएनबी प्रतिभा' भी वही कार्य बैंक स्टाफ सदस्यों के लिए कर रही है। हमारे बैंक की पत्रिका अपने नाम के अनुरूप ही स्टाफ सदस्यों की प्रतिभा को सभी के सामने लाने से लेकर प्रतिभा को निखारने तक का कार्य बखूबी कर रही है। इसके लिए मैं प्रधान कार्यालय की राजभाषा टीम को साधुवाद देता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

बिनोद कुमार
कार्यपालक निदेशक

महाप्रबंधक (राजभाषा) का संदेश

प्रिय पीएनबीएंस,

बैंक की गृह पत्रिका 'पीएनबी प्रतिभा' के **''धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा''** विशेषांक के माध्यम से एक बार फिर आपसे संवाद करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। हम सभी जानते हैं कि बैंकिंग क्षेत्र में वित्तीय धोखाधड़ी एक गंभीर समस्या है। धोखाधड़ी से न केवल बैंक को बल्कि हमारे ग्राहकों को भी नुकसान होता है। आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है। तकनीक ने हमारे जीवन को आसान तो बनाया है, लेकिन नई चुनौतियां भी पैदा की हैं। बैंकिंग क्षेत्र में भी डिजिटल परिवर्तन तेजी से हो रहा है। ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और डिजिटल भुगतान ने ग्राहकों को कई सुविधाएं प्रदान की हैं। लेकिन, इसके साथ ही साइबर अपराध और धोखाधड़ी के खतरे भी बहुत बढ़ गए हैं। इसलिए धोखाधड़ी को रोकना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन और साइबर सुरक्षा केवल एक तकनीकी पहलू नहीं है, बल्कि हमारे बैंक के अस्तित्व, ग्राहक विश्वास और भविष्य की सफलता का एक अभिन्न अंग भी है। हमारा बैंक इस क्षेत्र में सतर्कता और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है।

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में वित्तीय जोखिम एक चुनौती है। आजकल धोखाधड़ी के प्रकार भी लगातार बदल रहे हैं और धोखेबाज नए–नए तरीके खोज रहे हैं। जैसे डिजिटल अरेस्ट, फिशिंग, ई–कॉमर्स धोखाधड़ी, स्पूफिंग, स्कीमिंग, नकली दस्तावेजों का उपयोग आदि। इसके अलावा, बढ़ती तकनीकी जटिलता भी धोखाधड़ी को रोकने में एक बड़ी चुनौती है। इसलिए, ऐसे खतरों से निपटने के लिए हमें एक मजबूत नीतिगत ढांचे की आवश्यकता है और हर कर्मचारी का जागरूक और सतर्क रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

धोखाधड़ी से निपटने के लिए बैंक ने एक मजबूत साइबर सुरक्षा प्रणाली अपनाई है तथा अपने ग्राहकों तथा बैंक के डेटा को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक उपाय किए हैं। इसमें हमारे डेटा को एन्क्रिप्ट करना, मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना, सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट करना और फायरवॉल का इस्तेमाल करना आदि शामिल है।

शाखा में कार्यरत कर्मचारी धोखाधड़ी को रोकने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शाखा के स्टाफ ग्राहकों के सीधे संपर्क में होते हैं और धोखाधड़ी के संकेतों को सबसे पहले पहचानते हैं। इसलिए, शाखा कर्मचारियों को धोखाधड़ी के बारे में जागरूक होना चाहिए और संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करनी चाहिए और इस संबंध में हमारे बैंक द्वारा बनाई गई नीति का पालन करना चाहिए।

इस तरह की धोखाधड़ियों से ग्राहकों के बचाव हेतु हमारा यह कर्तव्य है कि हम अपने ग्राहकों को जागरूक करें जिसके लिए बैंक द्वारा हमें अपने ग्राहकों को धोखाधड़ी के नवीनतम तरीकों, साइबर सुरक्षा के सर्वोत्तम तरीकों और आपातकालीन स्थितियों से संबंधित जागरूकता के बारे में विभिन्न प्रचार माध्यमों जैसे पोस्टर, ईमेल और एसएमएस आदि के द्वारा जागरूक किया जाता है।

हम सभी अपने बैंक की साइबर सुरक्षा और धोखाधड़ी रोकथाम प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए हम मिलकर इस तरह की धोखाधड़ी को रोक सकते हैं। मैं आप सभी से अपील करता हूँ कि –

- किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करें।
- नवीनतम साइबर सुरक्षा संबंधी दिशा–निर्देशों का पालन करें।
- धोखाधड़ी और साइबर सुरक्षा जागरूकता के संबंधित कार्यक्रमों में भाग लें।
- काम के दौरान सतर्क रहें और गोपनीयता बनाए रखें।

सुरक्षित रहें, सतर्क रहें और अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभाएं।

साथियों, हमारा ध्येय इस अंक के माध्यम से धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन और साइबर सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालना है। इस अंक के द्वारा पाठकों को धोखाधड़ी जोखिमों से बचाने और साइबर सुरक्षा के बारे में नवीनतम जानकारी से अवगत कराने का प्रयास किया गया है।

मुझे आशा है कि धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा का यह विशेषांक आप सभी सम्मानित पाठकों के लिए ज्ञानवर्धक व रुचिकर साबित होगा। मैं उन सभी स्टाफ सदस्यों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपने उत्कृष्ट लेखों से इस पत्रिका को और भी अधिक आकर्षक बनाया है।

नव वर्ष की शुभकामनाओं सहित।

देवार्चन साहू
महाप्रबंधक (राजभाषा)

संपादकीय

सुधी पाठकों,

पीएनबी प्रतिभा के इस नवीन अंक के माध्यम से आप सभी सुधी पाठकों से एक बार पुनः संवाद करते हुए मुझे प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। आप सभी को सर्वप्रथम नववर्ष 2025 की ढेर सारी शुभकामनाएं तथा बधाई। नववर्ष में हम सभी अपने समाज और जीवन को बेहतर बनाने के लिए नए संकल्प लेते हैं और उसे पूरा करने का प्रयास करते हैं। इसके साथ ही 10 जनवरी, विश्व हिंदी दिवस की भी आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में आगे बढ़ने के लिए हम अपने ज्ञान में निरंतर वृद्धि करते हैं तथा स्वयं का नवीन जानकारियों और कौशल से सदैव अद्यतन करते रहते हैं। समय की मांग के अनुरूप पीएनबी प्रतिभा के इस नवीन अंक को **'धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा''** विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

आज पूरे विश्व में तकनीकी विकास और डिजिटलीकरण का दौर है। हालांकि तकनीकी विकास ने आधुनिक जीवन शैली को बदल दिया है। समय के साथ इंटरनेट का प्रयोग आम जीवन में बढ़ता जा रहा है जिसके कई लाभ हैं जैसे विभिन्न विषयों की जानकारी प्राप्त करने, बैंकिंग लेनदेन करने, ऑनलाइन सेवाओं और उत्पादों का लाभ उठाने, नौकरी खोजने, ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने, दोस्तों के साथ बातचीत करने, यहाँ तक कि पूरा व्यवसाय चलाने के लिए भी इंटरनेट उपयोगी है। स्मरण रहे हर सिक्के के जैसे दो पहलू होते हैं वैसे ही हर उत्पाद और सेवा के भी दो पहलू हैं अच्छा और बुरा अर्थात उसमें कुछ लाभ हैं तो कुछ हानियां भी हैं। गत वर्षों में वित्तीय लेनदेनों के दौरान धोखाधड़ी के अनेकों मामले बड़ी तेजी से बढ़े हैं जिससे लेनदेन के सभी स्तरों पर धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन की आवश्यकता अनुभव की गई है।

वर्तमान समय में हैकर्स, स्पैमर्स और साइबर अपराधी नियमित रूप से इंटरनेट पर हमला कर रहे हैं। हमारी छोटी सी चूक साइबर अपराधियों के लिए डेटा चोरी के द्वार खोल सकती है। साइबर अपराधी हमारे जीवन भर की कमाई चुराकर हमें वित्तीय और प्रतिष्ठा की हानि पहुंचा सकते हैं। अधिकांश साइबर अपराध मानवीय लापरवाही और अज्ञानता के कारण होते हैं, इसलिए साइबर सुरक्षा जागरुकता महत्वपूर्ण है। एआई तकनीक के प्रयोग से धोखाधड़ी गतिविधियों का पता लगाने और इसे रोकने में बैंकों की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्नत कृत्रिम बुद्धिमता एल्गोरिदम और मशीन लर्निंग तकनीकों के कारण बैंकों का समग्र जोखिम प्रबंधन बेहतर होता जा रहा है।

एआई तकनीक की सहायता से भविष्य के बैंक अपने बढ़ते ग्राहक आधार की बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच भी पूर्णतया सुरक्षित और सुखद सेवाएं देने में सक्षम हो पाएंगे। बैंकिंग कारोबार में दैनिक निगरानी प्रणाली, संदिग्ध लेनदेनों की रिपोर्टिंग तथा अन्य सुरक्षा उपायों के माध्यम से धोखाधड़ी जोखिम और साइबर अपराधों पर नियंत्रण पाने के दिन–रात प्रयास किये जा रहे हैं।

हमारा सदैव यह प्रयास रहता है कि अधिकाधिक बैंकिंग विषयक और नवीन जानकारियों से युक्त लेखों और जानकारियों को पत्रिका में समाहित किया जाए। स्टाफ सदस्यों तथा पाठकवर्ग की जानकारी हेतु पत्रिका में धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित विविध बैंकिंग लेखों के अलावा बैंक को प्राप्त पुरस्कार, कॉरपोरेट गतिविधियों के स्थायी स्तंभों, कविता, कहानी, यात्रा वृतांत, हर तस्वीर कुछ कहती है, कला दीर्घा, प्रादेशिक भाषा की रचना आदि को भी प्रकाशित किया गया है।

मुझे पूर्ण आशा और विश्वास है कि पत्रिका का यह अंक सभी सुधी पाठकों को अवश्य ही ज्ञानवर्धक और रुचिकर लगेगा। पत्रिका के पूर्व अंकों पर आपकी प्रतिक्रियाएं हमारा उत्साहवर्धन और मार्गदर्शन करती रही हैं, अतः मेरा यह विश्वास है कि आगामी अंकों के प्रकाशन हेतु भी आपका स्नेह और मार्गदर्शन हमें मिलता रहेगा। एक बार पुनः आप सभी को नववर्ष की अनेक–अनेक शुभकामनायें और हार्दिक बधाई।

शुभकामनाओं सहित !

मनीषा शर्मा
(सहायक महाप्रबंधक–राजभाषा)

बैंकिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)

परमेश कुमार, अंचल प्रबंधक, लुधियाना

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ बैंकिंग क्षेत्र तेजी से बदल रहा है। एआई से बैंकों की ग्राहक सेवा में निरंतर सुधार हो रहा है, परिचालन दक्षता बढ़ रही है और जोखिम प्रबंधन बेहतर होता जा रहा है जिससे बैंकों के ग्राहक आधार और लाभप्रदता में वृद्धि हो रही है। वित्तीय उद्योग में चैटबॉट, रोबो–एडवाइजर, फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम और क्रेडिट स्कोरिंग मॉडल जैसी एआई एप्लीकेशन की सरलता, उपयोगिता एवं व्यापकता लगातार बढ़ रही है।

बैंकिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक प्रमुख लाभ यह है कि इसकी सहायता से बड़े पैमाने पर निजीकृत और सुविधाजनक ग्राहक सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। एआई द्वारा संचालित चैटबॉट, ग्राहक संपर्क एवं उनकी समस्याओं के समाधान के लिए 24x7 उपलब्ध हैं जो ग्राहकों के सभी बैंकिंग लेनदेन निष्पादित करने, उनके प्रश्नों का उत्तर देने, उन्हें सूचना प्रदान करने और ग्राहक की अपेक्षाओं, आवश्यकताओं, आय एवं क्रय आदतों आदि के अनुसार उन्हें सर्वोत्तम उत्पाद सुझाने में सक्षम हैं। रोबो–एडवाइजर ग्राहक के लक्ष्यों, प्राथमिकताओं और जोखिम प्रोफाइल के आधार पर स्वचालित वित्तीय सलाह और पोर्टफोलियो प्रबंधन सुविधा प्रदान कर सकते हैं। चैटबॉट और रोबो–एडवाइजर जैसे साधन मानव श्रम की लागत को कम करते हुए ग्राहक–संतुष्टि एवं ग्राहक–निष्ठा को बढ़ाते हैं और बैंकों के लिए आय के नए स्रोत उत्पन्न करते हैं।

बैंकिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक अन्य लाभ यह है कि यह बार–बार दोहराए जाने वाले रूटीन कार्यों और अन्य कठिन कार्यों को स्वचालित कर बैंक की परिचालनात्मक दक्षता और उत्पादकता में सुधार करती है। एआई बहुत बड़ी मात्रा में डेटा, दस्तावेजों और लेनदेनों को मनुष्यों की तुलना में अधिक तेजी और सटीकता के साथ संसाधित कर सकती है। एआई कार्यप्रवाह को अनुकूलतम बना सकती है, संसाधनों का आबंटन कर सकती है और निर्णय प्रक्रिया को तेज, कुशल एवं बेहतर बना सकती है। इस प्रकार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बैंक के संसाधन, समय और पूँजी बचते हैं, गुणवत्ता और अनुपालन बेहतर बनते हैं और प्रतिस्पर्धात्मक नवाचार को बढ़ावा मिलता है।

बैंकिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का तीसरा प्रमुख लाभ यह है कि यह धोखाधड़ियों, साइबर हमलों, मनी लॉन्ड्रिंग एवं अन्य वित्तीय अपराधों का पता लगाकर उन्हें रोक सकती है और इस प्रकार बैंक के जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ बनाकर ग्राहकों की जमापूंजी को सुरक्षित रखने में सहायता करती है। एआई वित्तीय लेनदेनों की संरचनाओं, व्यवहार और विसंगतियों का विश्लेषण रियल टाइम में कर सकती है और संदिग्ध गतिविधियों को चिह्नित कर बैंक को पूर्व सूचना देते हुए सचेत कर सकती है। एआई द्वारा ऋण पात्रता का आकलन भी किया जा सकता है। यह ऋण के डिफॉल्ट की संभावनाओं का पूर्वानुमान लगा सकती है। एआई बैंकिंग सेवाओं के लिए इष्टतम मूल्य निर्धारित करने एवं उचित ऋण रणनीतियां बनाने में भी बैंकों की सहायता करती है।

इस प्रकार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से बैंकों का आर्थिक नुकसान कम हो जाता है और बैंक विनियामक के नियमों का बेहतर अनुपालन कर अपने प्रति ग्राहकों के विश्वास और अपनी ब्रांड प्रतिष्ठा को बढ़ा सकते हैं।

बैंकिंग क्षेत्र में विशेष रूप से हमारे बैंक के लिए एआई के कुछ सर्वोत्तम प्रयोग एवं संभावनाएं इस प्रकार हैं:

- ✓ ग्राहक की आवश्यकताओं, अपेक्षाओं और मूल्यों को पूरा करने वाली एआई एप्लीकेशनों के माध्यम से ग्राहक और मानव को केंद्र में रखते हुए बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना।

- ✓ एआई अपनाने के लिए बैंक के मिशन, संस्कृति और उद्देश्यों के अनुरूप एक स्पष्ट दृष्टिकोण, रणनीति और सुव्यवस्था स्थापित करना।
- ✓ एआई की सफलता के लिए डेटा की गुणवत्ता, उपलब्धता, पहुंच एवं सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक सुदृढ़ डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर और इकोसिस्टम विकसित करना।
- ✓ एआई एप्लीकेशनों के विकास, परीक्षण और पर्यवेक्षण के लिए विविधता एवं विशेषज्ञता युक्त हितधारकों की टीम का लाभ उठाना।
- ✓ ग्राहकों और नियामकों को एआई की क्रियाविधि एवं निर्णय प्रक्रिया, डेटा एवं अधिकारों की सुरक्षा, नियमों की अनुपालना अदि के बारे में भली–भांति अवगत कराते हुए पारदर्शिता युक्त एवं विश्वसनीय बैंकिंग की छवि बनाए रखना।
- ✓ एआई नवाचारों में निरंतर निवेश के माध्यम से इस तकनीक के विकास को अपने बैंक के लिए अवसरों में बदलना।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बैंकिंग क्षेत्र का शक्तिशाली अस्त्र बन चुका है जो बैंकों के साथ–साथ ग्राहकों, समाज, सरकार और अन्य विभिन्न हितधारकों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। एआई की सहायता से बैंक अपने व्यापक ग्राहक आधार को बड़े पैमाने पर निजीकृत और सुविधाजनक सेवाएं 24x7 आधार पर प्रदान कर सकते हैं और ग्राहक–संतुष्टि एवं ग्राहक–निष्ठा सुनिश्चित कर सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रूटीन कार्यों के स्वचालन से बैंकिंग की परिचालन दक्षता और उत्पादकता को भी बढ़ाती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बैंक के संसाधन, समय और पूँजी बचते हैं, गुणवत्ता और अनुपालन बेहतर बनते हैं। साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से बैंकों की आर्थिक हानि कम होती है और बैंक विनियामक नियमों एवं दिशा–निर्देशों का बेहतर अनुपालन कर ग्राहकों के भरोसे और अपनी ब्रांड प्रतिष्ठा को बढ़ा सकते हैं। हालाँकि, इसके नैतिक, नियामक, व्यावसायिक और तकनीकी पहलुओं पर भी पूरी सावधानी के साथ विचार करना जरुरी है। यह आवश्यक है कि बैंकिंग में एआई का कार्यान्वयन उचित योजना और पूरी सावधानी के साथ किया जाए और इसका निरंतर मूल्यांकन भी किया जाए जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि एआई के लाभ इसकी चुनौतियों और जोखिमों से अधिक रहें। एआई के सर्वोत्तम प्रयोगों, प्रथाओं और भावी संभावनाओं को अपनाकर एवं इसकी क्षमताओं के बेहतर उपयोग से हमारा बैंक अपने कारोबार में स्थिरता एवं संवृद्धि को बढ़ाते हुए अन्य बैंकों से बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।

हौसलों की उड़ान

किसी भी मंजिल को पाने को निकलोगे,
तो ऊपर वाला इम्तिहान जरूर लेगा।

हर कदम पर नए सवाल खड़े होंगे,
जोश की परख भी वो बार–बार करेगा।

रास्ता कभी आसान नहीं होता,
हर मोड़ पर एक नई चुनौती होती है।

हिम्मत और हौंसला रखना,
क्योंकि यही तो सच्ची परीक्षा होती है।

जब थकान से बोझिल होंगे कदम,
और दिल में हल्की सी घबराहट होगी।

तो याद रखना वो ऊपर वाला,
हर मुश्किल में तुम्हारा साथ देगा।

आँधियों से डरकर अगर रुके तो,
मंजिल की रौशनी धुंधली पड़ जाएगी।

लेकिन जो डटकर सामना करोगे,
तो वो रौशनी राह तकते मुस्कुराएगी।

कभी–कभी लगेगा कि सब कुछ खो गया,
और सफर का अंत अब करीब है।

पर वही वक्त होता है, जब इम्तिहान खत्म होता है,
और मंजिल का चेहरा करीब है।

तो चलो, उस सफर को जारी रखो,
हर चुनौती को अपनाओ और पार करो।

किसी भी मंजिल को पाने को निकले हो,
तो ऊपर वाला तुम्हारी मेहनत का फल जरूर देगा।

सपना वर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक–सूचना प्रौद्योगिकी
क्षेत्रीय लेखा कार्यालय, लखनऊ

बैंक को पुरस्कार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गांधीनगर के महात्मा मंदिर में वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशकों की बैठक और एक्सपो (चौथा Reinvest की स्थिति में नवीकरणीय स्रोतों से महत्वाकांक्षी 200 गीगावाट ऊर्जा उत्पादन में योगदान के लिए मंत्रालय द्वारा पंजाब नैशनल बैंक को सम्मानित किया गया। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, भारत सरकार, श्री प्रह्लाद जोशी और आंध्र प्रदेश राज्य के मुख्यमंत्री, श्री चंद्रबाबू नायडू, से पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री बिनोद कुमार, कार्यपालक निदेशक तथा श्री दीपंकर महापात्र, अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद।

पंजाब नैशनल बैंक को सोसाइटी ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएचआरएम) द्वारा पीएसई श्रेणी के तहत समावेशन इक्विटी और विविधता के क्षेत्र में एसएचआरएम एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार के साथ पहले रनर अप पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में श्री ए.आर.घनश्याम, यूएस स्टार्ट अप की भारतीय सब्सिडरी के अध्यक्ष तथा इन्डियन डिप्लोमेटिक कॉर्प्स के पूर्व सदस्य से पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री सुमेश कुमार, महाप्रबंधक।

पंजाब नैशनल बैंक को वर्ष 2024 हेतु ग्रीन बैंकिंग इनिशिएटिव ऑफ द ईयर श्रेणी में ग्रीन रिबन चैम्पियन का पुरस्कार दिया गया। बैंक की ओर से पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री डी. साहू, महाप्रबंधक और श्री मनीष अग्रवाल, महाप्रबंधक।

पीएनबी को बीएफएसआई श्रेणी के तहत Analytical Nodel Based Derived Cash Retention Limit of ATM'S के लिए 100वें स्कॉच (Skoch) शिखर सम्मेलन के दौरान प्राप्त स्कॉच (Skoch) पुरस्कार श्री समीर कोचर, अध्यक्ष स्कॉच ग्रुप तथा गुरशरण धनजन, उपाध्यक्ष, स्कॉच ग्रुप से ग्रहण करते हुए मुख्य डेटा एनालिटिक्स अधिकारी (सीडीएओ) और एसीओई प्रभाग के उप महाप्रबंधक, श्री रजनीश पांडे

बैंक को पुरस्कार

श्री दिलीप कुमार जैन, मुख्य महाप्रबंधक एवं सीएफओ को दलाल स्ट्रीट जर्नल द्वारा वर्ष 2024 के लिए बेस्ट सीएफओ ऑफ इंडिया –बैंक (लार्ज कैप केटेगरी) चयनित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें श्री फरीद खान, निदेशक–सेल्स एंड मार्केटिंग (दलाल स्ट्रीट इन्वेस्टमेंट जर्नल) द्वारा प्रदान किया गया।

वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान पीएम स्वनिधि में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु पंजाब नैशनल बैंक को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। श्री अशोक सिंघल, आवास एवं शहरी मामले और सिंचाई मंत्री, असम सरकार से पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्रीमती शर्मिष्ठा भट्टाचार्जी, सहायक महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, गुवाहाटी।

पंजाब नैशनल बैंक को कृषि एवं कल्याण मंत्रालय द्वारा कृषि अवसंरचना निधि के तहत रैपिड अभियान के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।

दीन दयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023–24 हेतु एसएचजी लिंकेज में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु पीएनबी को सम्मानित किया गया।

नववर्ष

नूतन वर्ष में कुछ नया करने का प्रयास हो
जीवन में कुछ अच्छा करने की हम में आस हो
सबका दिन प्रतिदिन कुछ न कुछ विकास हो
आगामी समय हम सभी के लिए अच्छा और खास हो

पाएंगे मंजिल को एक दिन खुद पर इतना विश्वास हो
हर कोई मुश्किल वक्त में अपनों के हमेशा ही पास हो
सभी के हृदय में नई आशा और ऊर्जा का सदा वास हो
सभी सदा प्रसन्नता से रहें जग में कोई भी न उदास हो

नव वर्ष हर किसी के लिए खुशनुमा मधुमास हो
हर जगह बुराइयों का पल–पल पतन और नाश हो
सबके मन में बस मानवता,अपनेपन का ही निवास हो
स्वर्ग से सुन्दर और शान्तिमय हर किसी का आवास हो

निशांत कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक
पीएफ एवं पेंशन प्रभाग, प्रधान कार्यालय

विविध गतिविधियां

राष्ट्रीय संविधान दिवस

राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर प्रधान कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उच्चाधिकारियों को संविधान की शपथ दिलाते हुए श्री के.जी. अनंतकृष्णन, गैर–कार्यपालक चेयरमैन तथा श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकगण तथा महाप्रबंधकगण।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर प्रधान कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीफ स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ दिल्ली को सहायता राशि प्रदान करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र तथा श्री राघवेन्द्र कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी।

बैंक के संस्थापक लाला लाजपत राय की 96वीं पुण्यतिथि

बैंक के संस्थापक तथा महान स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय लाला लाजपत राय की 96वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रधान कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरान्त कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार तथा श्री एम. परमशिवम।

राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 3.0

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय तथा पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के सहयोग से शाखा कार्यालय, मुख्य शाखा फाउंटेन चौक, गुरुग्राम में आयोजित राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 3.0 के अवसर पर संबोधित करते हुए श्री परवेन्द्र कुमार, मंडल प्रमुख, गुरूग्राम। दृष्टव्य हैं श्री ध्रुवज्योति सेनगुप्ता, संयुक्त सचिव (डीओपीपीडब्ल्यू), श्री रविकिरण उबाले, निदेशक (डीओपीपीडब्ल्यू), श्री संजय वार्ष्णेय, मुख्य महाप्रबंधक तथा श्री अजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक।

अंचल प्रबंधक एवं मंडल प्रमुख व्यवसाय सम्मेलन

दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय अंचल प्रबंधक एवं मंडल प्रमुख व्यवसाय सम्मेलन के अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी. दृष्टव्य हैं कार्यपालक निदेशकगण, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

स्वच्छता जागरूकता सप्ताह

स्वच्छता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर प्रधान कार्यालय, द्वारका में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान श्रमदान करने के उपरान्त साफ–सफाई संबंधी सामग्री वितरित करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, श्री बी. पी. महापात्र।

एनआरआई ग्राहकों हेतु 24x7 ग्राहक सेवा केंद्र का शुभारंभ

भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली स्थित कार्यालय में एनआरआई ग्राहक सेवा केंद्र का उद्घाटन करते हुए श्री एम. नागराजू, सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्री पंकज शर्मा, संयुक्त सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र।

पंजाब नैशनल बैंक के भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली स्थित कार्यालय में एनआरआई ग्राहकों हेतु 24x7 ग्राहक सेवा केंद्र का शुभारंभ श्री एम. नागराजू, सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्री पंकज शर्मा, संयुक्त सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर अनिवासी भारतीय ग्राहकों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए नई वित्तीय सेवाओं का एक व्यापक सेट भी लॉन्च किया गया। इस सेट में 7 देशों में अनिवासी भारतीय ग्राहकों के लिए पीएनबी द्वारा विस्तारित टोल–फ्री नंबर, डोरस्टेप डॉक्यूमेंट पिकअप सुविधा, एनआरआई ग्राहकों के लिए व्हाट्सएप बैंकिंग, एफसी एनआर–(बी) फॉरवर्ड लिंक्ड प्रीमियम डिपॉजिट स्कीम, 50 विशेष एनआरआई सेवाएं, एनआरआई नेविगेटर–एफएक्यू के साथ एक व्यापक गाइड और एनआरआई ग्राहकों की सुविधा के लिए नई वेबसाइट जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली स्थित कार्यालय में एनआरआई ग्राहकों हेतु 7 नई सेवाओं का सेट लॉन्च करते हुए श्री एम. नागराजू, सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्री पंकज शर्मा, संयुक्त सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र, श्री प्रभात रंजन प्रधान, महाप्रबंधक, अन्तरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग, प्रधान कार्यालय एवं श्री प्रवीन गोयल, अंचल प्रबंधक, दिल्ली।

भारतीय साइबर सुरक्षा की चुनौतियां: खतरे और समाधान रणनीतियां

सतीश रल्हान, सहायक महाप्रबंधक, बीएआरएम प्रभाग, प्रधान कार्यालय

आज की दुनिया पर नज़र डालें, तो आप पाएंगे कि रोजमर्रा की जिन्दगी पहले से कहीं ज्यादा तकनीक पर निर्भर है। इस प्रवृत्ति के फायदे इंटरनेट पर जानकारी तक लगभग तुरंत पहुँच से लेकर स्मार्ट होम ऑटोमेशन तकनीक और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी अवधारणाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली आधुनिक सुविधाओं तक हैं।

प्रौद्योगिकी से इतनी सारी अच्छी चीजें सामने आने के बाद, यह मानना मुश्किल हो सकता है कि हर डिवाइस और प्लेटफॉर्म के पीछे संभावित खतरे छिपे हुए हैं। फिर भी, आधुनिक प्रगति के बारे में समाज की सकारात्मक धारणा के बावजूद, आधुनिक तकनीक द्वारा प्रस्तुत साइबर सुरक्षा खतरा एक वास्तविक खतरा है।

साइबर अपराध में लगातार वृद्धि उन उपकरणों और सेवाओं में खामियों को उजागर करती है जिन पर हम निर्भर हो गए हैं। यह चिंता हमें यह पूछने पर मजबूर करती है कि साइबर सुरक्षा क्या है, यह क्यों जरूरी है और इसके बारे में क्या सीखना चाहिए।

साइबर क्राइम एक शब्द है जिसका उपयोग कंप्यूटर या कंप्यूटर नेटवर्क से जुड़ी आपराधिक गतिविधियों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। इसमें अवैध गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जैसे इलेक्ट्रॉनिक हैकिंग, सेवा हमलों से इंकार, फिशिंग, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, बैंक डकैती, अवैध डाउनलोडिंग, बाल अश्लीलता, घोटाले, साइबर आतंकवाद और हानिकारक वायरस और स्पैम का निर्माण या वितरण। ये अपराध व्यक्तियों, संगठनों या यहां तक कि सरकारों को भी निशाना बना सकते हैं। इन्हें तीन मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

- व्यक्तियों के विरुद्ध अपराध (जैसे यौन, नसली या धार्मिक उद्देश्यों पर आधारित साइबर उत्पीड़न)
- संपत्ति के विरुद्ध अपराध (जैसे दूसरों के कंप्यूटर डेटा को नष्ट करना, हानिकारक प्रोग्राम फैलाना, या कंप्यूटर जानकारी तक अनाधिकृत पहुंच)
- सरकार के विरुद्ध अपराध, जिसे साइबर आतंकवाद के रूप में जाना जाता है।

मार्च 2024 तक, भारत में 954.40 मिलियन इंटरनेट प्रयोगकर्ता थे, जो 2014 से 14.26% चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) है। भारत में इंटरनेट कनेक्शनों की संख्या 2015 से अब तक तीन गुना से अधिक हो गई है। चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑनलाइन बाज़ार है।

- भारत तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था है, जहाँ स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, वित्त, खुदरा और कृषि जैसे क्षेत्र ऑनलाइन प्लेटफॉर्म एवं सेवाओं पर निर्भरता रखते हैं।

जैसे–जैसे दुनिया डिजिटलीकरण के क्षेत्र में आगे बढ़ रही है, साइबर हमलों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। अक्टूबर 2023 में अमेरिकी कंपनी 'रिसिक्योरिटी' (Resecurity) ने उजागर किया कि भारतीयों के निजी डेटा डार्क वेब (dark web) पर उपलब्ध हैं। ख़बरों की भीड़ में इसे नज़रअंदाज करना आसान होता, लेकिन डेटा के आकार और संवेदनशीलता ने तुरंत इस ओर ध्यान आकर्षित किया। इस डेटा सेट का विक्रेता 55% भारतीय आबादी (लगभग 81.5 करोड़ भारतीय नागरिक) की सत्यापन योग्य, संवेदनशील सूचना प्रदान करने का दावा कर रहा था।

इन सूचनाओं में लोगों के नाम, फोन नंबर, आधार नंबर, पासपोर्ट नंबर और पता जैसी व्यक्तिगत पहचान–योग्य जानकारी शामिल थी। मात्र 80,000 अमेरिकी डॉलर पर इस डेटा की बिक्री की जा रही थी। सक्रिय हुई दिल्ली पुलिस ने 18 दिसंबर 2023 को इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया।

सीआईए ट्रायड

किसी भी संगठन की सुरक्षा तीन सिद्धांतों से शुरू होती है: गोपनीयता, अखंडता, उपलब्धता। इसे सीआईए कहा जाता है, जो पहले मेनफ्रेम के समय से कंप्यूटर सुरक्षा के लिए उद्योग मानक के रूप में काम करता है।

- **गोपनीयता:** गोपनीयता का सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि केवल अधिकृत पक्ष ही संवेदनशील जानकारी और कार्यों तक पहुँच सकते हैं। उदाहरण के लिए सैन्य रहस्य।

- **अखण्डता:** सत्यनिष्ठा का सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि केवल अधिकृत लोग और साधन ही संवेदनशील जानकारी और कार्यों को बदल सकते हैं, जोड़ सकते हैं या हटा सकते हैं। उदाहरण के लिए कोई उपयोगकर्ता डेटाबेस में गलत डेटा दर्ज करता है।

- **उपलब्धता:** उपलब्धता का सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि प्रणालियां, कार्य और डेटा सेवा के स्तर के आधार पर सहमत मापदंडों के अनुसार मांग पर उपलब्ध होना चाहिए।

साइबर क्राइम के प्रकार

सरल शब्दों में, साइबर अपराध उन आपराधिक गतिविधियों को संदर्भित करता है जिनमें कंप्यूटर, कंप्यूटर नेटवर्क या इंटरनेट शामिल होता है। इसके विभिन्न प्रकार हैं जिन्हें तीन मुख्य समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है: व्यक्तियों के विरुद्ध अपराध, संपत्ति के विरुद्ध अपराध, और सरकार के विरुद्ध अपराध।

व्यक्तियों के विरुद्ध अपराधों में साइबर–स्टॉकिंग, चाइल्ड पोर्नोग्राफ़ी जैसी अश्लील सामग्री का प्रसार, हैकिंग के माध्यम से मानहानि और व्यक्तियों को धमकाने या परेशान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना शामिल है।

संपत्ति के खिलाफ अपराधों में सॉफ्टवेयर चोरी, साइबर स्क्वैटिंग (समान डोमेन नामों का दावा करना), साइबर vandalism (डेटा को नष्ट करना या नेटवर्क सेवाओं को बाधित करना), कंप्यूटर सिस्टम को हैक करना, वायरस प्रसारित करना, साइबर अतिक्रमण (कंप्यूटर तक अनधिकृत पहुंच), और इंटरनेट समय की चोरी जैसे बौद्धिक संपदा उल्लंघन शामिल हैं।

सरकार के खिलाफ अपराधों में साइबर आतंकवाद (इंटरनेट हमलों के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा), साइबर युद्ध (राजनीति से प्रेरित हैकिंग और जासूसी), पायरेटेड सॉफ्टवेयर का वितरण और अनधिकृत जानकारी का कब्जा शामिल है।

भारत साइबर अपराध के प्रति संवेदनशील क्यों है?

भारत कई कारकों के कारण साइबर अपराधों के प्रति संवेदनशील है:

तीव्र डिजिटलीकरण: भारत ने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण डिजिटल परिवर्तन का अनुभव किया है, जिसमें व्यक्तियों और व्यवसायों की बढ़ती संख्या इंटरनेट और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर निर्भर है। बढ़ती कनेक्टिविटी और प्रौद्योगिकी पर निर्भरता साइबर अपराधियों के लिए कमजोरियों का फायदा उठाने के अधिक अवसर पैदा करती है।

विशाल इंटरनेट उपयोगकर्ता आधार: भारत के पास विश्व स्तर पर सबसे बड़े इंटरनेट उपयोगकर्ता आधारों में से एक है। इंटरनेट का उपयोग करने वाली एक बड़ी आबादी के साथ, साइबर अपराधियों के लिए अधिक संभावित लक्ष्य हैं, जिससे यह साइबर हमलों के लिए एक आकर्षक बाजार बन गया है।

जागरूकता की कमी: भारत में बहुत से लोग इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों के उपयोग से जुड़े जोखिमों के बारे में पूरी तरह से जागरूक नहीं हैं। साइबर खतरों और सर्वोत्तम साइबर सुरक्षा प्रथाओं के बारे में जागरूकता की कमी के कारण व्यक्ति और व्यवसाय हमलों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।

अपर्याप्त साइबर सुरक्षा अवसंरचना: भारत में साइबर सुरक्षा अवसंरचना अभी भी विकसित हो रही है। कई संगठनों, विशेष रूप से छोटे व्यवसायों के पास मजबूत साइबर सुरक्षा उपाय नहीं हो सकते हैं, जिससे वे साइबर अपराधियों के लिए आसान लक्ष्य बन जाते हैं।

कमज़ोर कानूनी ढाँचा: हालाँकि भारत में इन मुद्दों के समाधान के लिए कानून और नियम हैं, लेकिन कानूनी ढाँचा लगातार विकसित हो रहा है, और कई बार इसे लागू करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इससे साइबर अपराधियों पर प्रभावी ढंग से मुकदमा चलाने में देरी हो सकती है।

तकनीकी प्रगति: जैसे–जैसे प्रौद्योगिकी आगे बढ़ती है, वैसे–वैसे साइबर खतरे भी बढ़ते हैं। साइबर अपराधी सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और नेटवर्क सिस्टम में कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए लगातार नए तरीके ढूंढते रहते हैं।

अंदरूनी खतरे: अंदरूनी खतरे, जहां संवेदनशील जानकारी तक पहुंच रखने वाले कर्मचारी या व्यक्ति दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए इसका दुरुपयोग करते हैं, भारत में, विशेष रूप से कॉरपोरेट क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है।

भुगतान प्रणाली भेद्यता: डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन लेनदेन के बढ़ने के साथ, फिशिंग, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी और ऑनलाइन घोटाले जैसे वित्तीय अपराधों का खतरा बढ़ गया है।

सीमा पार चुनौतियां: साइबर अपराधी दुनिया में कहीं से भी

काम कर सकते हैं, जिससे उन्हें पकड़ना और उन पर मुकदमा चलाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है, खासकर यदि वे कमजोर साइबर सुरक्षा कानूनों वाले क्षेत्राधिकार में स्थित हों।

बिजनेस स्टैण्डर्ड रिपोर्ट

जनवरी और अप्रैल 2024 के बीच, भारतीय नागरिकों को साइबर आपराधिक गतिविधियों के कारण 1,750 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। यह राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज 740,000 से अधिक शिकायतों के माध्यम से बताया गया था, जिसे गृह मंत्रालय द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) ने बताया कि मई 2024 में, प्रतिदिन औसतन 7,000 साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज की गईं, जो 2021 और 2023 के बीच की अवधि की तुलना में 113.7 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि और 2022 की तुलना में 60.9 प्रतिशत की वृद्धि है। (इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 तक)। इसके अतिरिक्त, इनमें से 85 प्रतिशत शिकायतें वित्तीय ऑनलाइन धोखाधड़ी से संबंधित थीं।

गृह मंत्रालय द्वारा स्थापित I4C, साइबर अपराध से निपटने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक ढांचे के रूप में कार्य करता है। 2019 से 2024 तक रिपोर्ट किए गए मामलों में महत्वपूर्ण वृद्धि स्पष्ट है, 2019 में 26,049 शिकायतें दर्ज की गईं, 2020 में 257,777, 2021 में 452,414, 2022 में 966,790, 2023 में 1,556,218 और अकेले 2024 के पहले चार महीनों में 740,957 शिकायतें दर्ज की गईं।

अधिकांश पीड़ित ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी, गेमिंग ऐप्स, एल्गोरिदम हेरफेर, अवैध ऋण देने वाले ऐप्स, सेक्सटॉर्शन और ओटीपी घोटालों के शिकार हुए। 2023 में, I4C ने 100,000 से अधिक निवेश धोखाधड़ी की घटनाओं की सूचना दी। डिजिटल गिरफ्तारियों के कारण 2024 के शुरुआती चार महीनों में 4,599 मामलों में 120 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। ट्रेडिंग घोटालों में 20,043 मामले शामिल थे, जिससे इसी अवधि के दौरान साइबर अपराधियों के कारण 1,420 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

I4C के आंकड़ों के अनुसार, निवेश घोटालों के कारण 62,687 शिकायतों में 222 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जबकि डेटिंग ऐप्स के कारण 1,725 शिकायतों में 13.23 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। जनवरी से अप्रैल 2024 तक भारतीयों पर साइबर अपराधियों द्वारा लगाया गया कुल वित्तीय नुकसान 176 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

I4C ने साइबर अपराधियों द्वारा लचर खातों और दूरसंचार बुनियादी ढांचे के दुरुपयोग से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक और फिनटेक कंपनियों जैसे नियामक निकायों के साथ अपने चल रहे सहयोग की सूचना दी। इसके अतिरिक्त, यह स्काइप खातों, Google और मेटा विज्ञापनों, एसएमएस हेडर, सिम कार्ड और बैंक खातों को अवरुद्ध करने सहित साइबर अपराध संचालन की निगरानी और बाधित करना जारी रखता है।

भारत पर साइबर हमलों से उत्पन्न चुनौतियाँ कौन–सी हैं?

महत्त्वपूर्ण अवसंरचना की भेद्यता/संवेदनशीलता: भारत की महत्त्वपूर्ण अवसंरचना, जैसे कि पॉवर ग्रिड, परिवहन प्रणालियाँ एवं संचार नेटवर्क, साइबर हमलों के प्रति संवेदनशील हैं जो आवश्यक सेवाओं को बाधित कर सकते हैं और सार्वजनिक संरक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं।

उदाहरण के लिये, अक्टूबर 2019 में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर साइबर हमले का प्रयास किया गया था।

वित्तीय क्षेत्र को खतरा: भारत में वित्तीय क्षेत्र को उन साइबर अपराधियों की ओर से साइबर हमलों के उच्च जोखिम का सामना करना पड़ता है जो चोरी या जबरन वसूली से लाभ कमाना चाहते हैं। बैंकों, वित्तीय संस्थानों और ऑनलाइन भुगतान प्रणालियों पर साइबर हमलों से वित्तीय हानि, पहचान की चोरी और वित्तीय प्रणाली के प्रति भरोसे की कमी जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

उदाहरण के लिये, मार्च 2020 में सिटी यूनियन बैंक के स्विफ्ट सिस्टम (SWIFT System) पर एक मैलवेयर हमले के कारण 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनाधिकृत लेनदेन हुआ।

डेटा उल्लंघन और गोपनीयता संबंधी चिंताएँ: जैसे–जैसे भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर आगे बढ़ रहा है, ऑनलाइन संग्रहीत व्यक्तिगत एवं सरकारी डेटा की मात्रा भी बढ़ रही है। इससे डेटा उल्लंघनों का खतरा भी बढ़ गया है, जहाँ हैकर्स संवेदनशील जानकारी तक पहुँच बनाते हैं और उसे लीक करते हैं। डेटा उल्लंघनों से व्यक्तियों और संगठनों की गोपनीयता एवं सुरक्षा के लिये गंभीर परिणाम उत्पन्न हो सकते हैं।

उदाहरण के लिये, मई 2021 में कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT) 2020 (जिसका उपयोग IIMs में आवेदकों के चयन के लिये किया जाता है) के 190,000 उम्मीदवारों की व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी (PII) एवं परीक्षा परिणाम को लीक कर दिया गया और साइबर क्राइम फोरम पर बिक्री के लिये उपलब्ध करा दिया गया।

साइबर जासूसी (Cyber Espionage): साइबर जासूसी अन्य देशों या संस्थाओं की जासूसी करने या उनके हितों को नुकसान पहुँचाने के लिये साइबर हमलों का उपयोग करने की प्रक्रिया है। अन्य देशों की तरह भारत भी साइबर जासूसी गतिविधियों के निशाने पर है, जो गोपनीय जानकारी चुराने और रणनीतिक बढ़त हासिल करने का उद्देश्य रखती है। साइबर जासूसी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकती है।

उदाहरण के लिये, वर्ष 2020 में एक पाकिस्तानी थ्रेट एक्टर (threat actor) ऑपरेशन साइडकॉपी (Operation SideCopy) नामक साइबर जासूसी अभियान का पर्दाफाश हुआ जिसने मैलवेयर और फिशिंग ईमेल के साथ भारतीय सैन्य एवं राजनयिक कर्मियों को लक्षित किया था।

एडवांस्ड–परसिस्टेंट थ्रेट्स (Advanced Persistent Threats-APTs): APTs जटिल एवं दीर्घकालिक साइबर हमले हैं, जो आमतौर पर संसाधन–संपन्न और कुशल समूहों द्वारा अंजाम दिये जाते हैं। ये हमले लक्ष्य के नेटवर्क में घुसपैठ करने और लंबे समय तक छिपे रहने के लिये डिजाइन किये गए होते हैं, जिससे उन्हें डेटा चोरी करने या हेरफेर करने या क्षति पहुँचाने का अवसर मिलता है।

APTs का पता लगाना और उनका मुकाबला करना कठिन है, क्योंकि वे सुरक्षा उपायों से बचने के लिये उन्नत तकनीकों और उपकरणों का उपयोग करते हैं।

उदाहरण के लिये, फरवरी 2021 में RedEcho नामक साइबर सुरक्षा फर्म ने खुलासा किया कि चीन से जुड़े APT समूह ने भारत के बिजली क्षेत्र में 10 संस्थाओं को मैलवेयर से निशाना बनाया था, जो संभावित रूप से भारत में पॉवर आउटेज का कारण बन सकते थे।

आपूर्ति श्रृंखला की भेद्यताएं: आपूर्ति श्रृंखला संबंधी भेद्यताएं उन सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर घटकों में मौजूद कमजोरियों को संदर्भित करती हैं जिनका उपयोग सरकार और व्यवसायों द्वारा अपने संचालन के लिये किया जाता है। साइबर हमलावर इन घटकों पर निर्भर सिस्टम और सेवाओं को प्रभावित करने के लिये इन कमजोरियों का फायदा उठा सकते हैं और व्यापक क्षति पहुँचा सकते हैं।

उदाहरण के लिये, दिसंबर 2020 में नेटवर्क प्रबंधन उपकरण प्रदान करने वाली अमेरिका अवस्थित सॉफ्टवेयर कंपनी SolarWinds पर एक वैश्विक साइबर हमले ने कई भारतीय संगठनों को प्रभावित किया जिनमें राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) आदि शामिल थे।

साइबर सुरक्षा को लेकर कौन–सी प्रमुख पहलें की गई हैं?

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति (National Cyber Security Policy): इस नीति का लक्ष्य नागरिकों, व्यवसायों और सरकार के लिये एक सुरक्षित एवं प्रत्यक्ष साइबर स्पेस का निर्माण करना है। यह साइबरस्पेस सूचना एवं अवसंरचना की रक्षा करने, साइबर हमलों को रोकने एवं जवाबी कार्रवाई के लिये क्षमताओं का निर्माण करने और संस्थागत संरचनाओं, व्यक्तियों, प्रक्रियाओं एवं प्रौद्योगिकी के समन्वित प्रयासों के माध्यम से क्षति को न्यूनतम करने के लिये विभिन्न उद्देश्यों एवं रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करता है।

'साइबर सुरक्षित भारत' पहल: यह पहल साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सभी सरकारी विभागों में मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों (CISOs) एवं अग्रिम पंक्ति के आईटी कर्मचारियों के लिये सुरक्षा उपाय का सृजन करने के लिये शुरू की गई थी।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (Indian Cyber Crime Coordination Centre - I4C): इस केंद्र की स्थापना कानून प्रवर्तन एजेंसियों को व्यापक एवं समन्वित तरीके से साइबर अपराधों से निपटने के लिये एक रूपरेखा एवं तंत्र प्रदान करने के लिये की गई थी। इसके सात घटक हैं:

नेशनल साइबरक्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट
(National Cybercrime Threat Analytics Unit)

नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल
(National Cyber Crime Reporting Portal)

संयुक्त साइबर अपराध जाँच दल के लिये मंच
(Platform for Joint Cyber Crime Investigation Team)

राष्ट्रीय साइबर अपराध फोरेंसिक प्रयोगशाला पारिस्थितिकी तंत्र
(National Cyber Crime Forensic Laboratory Ecosystem)

राष्ट्रीय साइबर क्राइम प्रशिक्षण केंद्र
(National Cyber Crime Training Centre)

साइबर क्राइम इकोसिस्टम मैनेजमेंट यूनिट
(Cyber Crime Ecosystem Management Unit)

राष्ट्रीय साइबर अनुसंधान और नवाचार केंद्र
(National Cyber Research and Innovation Centre.)

साइबर स्वच्छता केंद्र (Botnet Cleaning and Malware Analysis Centre): इस केंद्र को भारत में बॉटनेट संक्रमणों का पता लगाकर एक सुरक्षित साइबरस्पेस का निर्माण करने और आगे के संक्रमण को रोकने के लिये अंतिम उपयोगकर्ताओं को सूचित करने तथा बॉटनेट शोधन एवं सुरक्षा प्रणालियों को सक्षम करने के लिये लॉन्च किया गया था।

कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम – इंडिया (CERT-In): यह MeitY का एक संगठन है जो साइबर घटनाओं पर सूचना का संग्रहण, विश्लेषण एवं प्रसारण करता है और साइबर सुरक्षा घटनाओं पर अलर्ट भी जारी करता है।

महत्त्वपूर्ण सूचना अवसंरचना (Critical information infrastructure - CII): इसे एक कंप्यूटर संसाधन के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसके नष्ट होने से राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, सार्वजनिक स्वास्थ्य या सुरक्षा पर अस्थिरताकारी प्रभाव पड़ेगा।

सरकार ने बिजली, बैंकिंग, दूरसंचार, परिवहन, शासन और रणनीतिक उद्यमों जैसे विभिन्न क्षेत्रों के CII की सुरक्षा के लिये राष्ट्रीय महत्त्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र (National Critical Information Infrastructure Protection Centre - NCIIPC) की स्थापना की है।

रक्षा साइबर एजेंसी (Defence Cyber Agency - DCyA): DCyA भारतीय सशस्त्र बलों की एक त्रि–सेवा कमान है जो साइबर सुरक्षा खतरों से निपटने के लिये जिम्मेदार है। इसमें विभिन्न साइबर थ्रेट एक्टर्स के विरुद्ध हैकिंग, सर्विलेंस, डेटा रिकवरी, एन्क्रिप्शन और जवाबी कार्रवाई जैसे साइबर ऑपरेशन संचालित करने की क्षमता है।

साइबर सुरक्षा क्या है?

साइबर सुरक्षा एक ऐसा अनुशासन है जो हैकर्स, स्पैमर्स और साइबर अपराधियों जैसे नापाक अभिनेताओं द्वारा इलेक्ट्रॉनिक हमलों से उपकरणों और सेवाओं की रक्षा करने के तरीकों को शामिल करता है। जबकि साइबर सुरक्षा के कुछ घटक पहले हमला करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, आज के अधिकांश पेशेवर कंप्यूटर और स्मार्टफोन से लेकर नेटवर्क और डेटाबेस तक सभी संपत्तियों को हमलों से बचाने का सबसे अच्छा तरीका निर्धारित करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

साइबर सुरक्षा का इस्तेमाल मीडिया में पहचान की चोरी से लेकर अंतरराष्ट्रीय डिजिटल हथियारों तक, साइबर अपराध के हर रूप से सुरक्षा की प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए एक व्यापक शब्द के रूप में किया गया है। ये लेबल मान्य हैं, लेकिन वे कंप्यूटर विज्ञान की डिग्री या डिजिटल उद्योग में अनुभव के बिना उन लोगों के लिए साइबर सुरक्षा की वास्तविक प्रकृति को पकड़ने में विफल रहते हैं।

नेटवर्किंग, क्लाउड और सुरक्षा में विशेषज्ञता रखने वाली तकनीकी कंपनी सिस्को सिस्टम्स साइबर सुरक्षा को इस तरह परिभाषित करती है, सिस्टम, नेटवर्क और प्रोग्राम को डिजिटल हमलों से बचाने का अभ्यास। ये साइबर हमले आमतौर पर संवेदनशील जानकारी तक पहुँचने, बदलने या नष्ट करने, उपयोगकर्ताओं से पैसे ऐंठने, या सामान्य व्यावसायिक प्रक्रियाओं को बाधित करने के उद्देश्य से होते हैं।"

साइबर खतरों के प्रकार

- **साइबर आतंकवाद**: यह खतरा कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी पर एक राजनीति आधारित हमला है जिसका उद्देश्य नुकसान पहुंचाना और व्यापक सामाजिक विघटन पैदा करना है।
- **मैलवेयर**: इस खतरे में रैनसमवेयर, स्पाईवेयर, वायरस और वर्म्स शामिल हैं। यह हानिकारक सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर सकता है, आपके कंप्यूटर संसाधनों तक पहुँच को अवरुद्ध कर सकता है, सिस्टम को बाधित कर सकता है, या आपके डेटा स्टोरेज से गुप्त रूप से जानकारी प्रसारित कर सकता है ।
- **ट्रोजन**: पौराणिक कथाओं के प्रसिद्ध ट्रोजन हॉर्स की तरह, यह हमला उपयोगकर्ताओं को यह सोचने पर मजबूर करता है कि वे एक हानिरहित फाइल खोल रहे हैं। इसके बजाय, एक बार ट्रोजन के स्थापित हो जाने पर, यह सिस्टम पर हमला करता है, आमतौर पर एक बैकडोर स्थापित करता है जो साइबर अपराधियों को पहुँच प्रदान करता है।
- **बॉटनेट**: इस विशेष रूप से भयानक हमले में दूर से नियंत्रित मैलवेयर–संक्रमित उपकरणों द्वारा किए गए बड़े पैमाने पर साइबर हमले शामिल हैं। इसे एक समन्वयकारी साइबर अपराधी के नियंत्रण में कंप्यूटरों की एक श्रृंखला के रूप में सोचें। इससे भी बुरी बात यह है कि समझौता किए गए कंप्यूटर बॉटनेट सिस्टम का हिस्सा बन जाते हैं।

- **एडवेयर:** यह खतरा मैलवेयर का एक रूप है। इसे अक्सर विज्ञापन–समर्थित सॉफ्टवेयर कहा जाता है। एडवेयर वायरस एक संभावित अवांछित प्रोग्राम (PUP) है जो आपकी अनुमति के बिना इंस्टॉल किया जाता है और स्वचालित रूप से अवांछित ऑनलाइन विज्ञापन उत्पन्न करता है।
- **संरचित क्वेरी भाषा (SQL) इंजेक्शन:** संरचित क्वेरी भाषा हमला SQL का उपयोग करने वाले सर्वर में दुर्भावनापूर्ण कोड प्रविष्ट करता है।
- **फिशिंग:** हैकर्स झूठे संचार, खास तौर पर ई–मेल का इस्तेमाल करते हैं, ताकि प्राप्तकर्ता को ईमेल खोलने और निर्देशों का पालन करने के लिए मजबूर किया जा सके, जिसमें आम तौर पर व्यक्तिगत जानकारी मांगी जाती है। कुछ फिशिंग हमले मैलवेयर भी इंस्टॉल करते हैं।
- **मैन–इन–द–मिडल अटैक:** MITM अटैक में हैकर्स दो लोगों के ऑनलाइन ट्रांजैक्शन में खुद को शामिल कर लेते हैं। एक बार अंदर जाने के बाद, हैकर्स मनचाहा डेटा फिल्टर करके चुरा सकते हैं। MITM अटैक अक्सर असुरक्षित सार्वजनिक वाई–फाई नेटवर्क पर होते हैं।
- **सेवा अस्वीकार:** यह एक साइबर हमला है जो किसी नेटवर्क या कंप्यूटर को अत्यधिक मात्रा में "हैंडशेक" प्रक्रियाओं से भर देता है, जिससे सिस्टम पर अत्यधिक भार पड़ जाता है और वह उपयोगकर्ता के अनुरोधों का जवाब देने में असमर्थ हो जाता है।

जैसे–जैसे डेटा उल्लंघन, हैकिंग और साइबर अपराध नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं, कंपनियां संभावित खतरों की पहचान करने और मूल्यवान डेटा की सुरक्षा के लिए साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों पर तेजी से भरोसा कर रही हैं। इसलिए यह समझ में आता है कि साइबर सुरक्षा बाजार 2021 में $217 बिलियन से बढ़कर 2026 तक $345 बिलियन हो जाने की उम्मीद है, जो 2021 से 2026 तक 9.7% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) दर्ज करेगा।

साइबर हमलों से बचने के लिये भारत को आगे क्या करना चाहिये?

मौजूदा विधिक ढाँचे को सुदृढ़ करना: सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000, साइबर अपराधों को नियंत्रित करने वाला भारत का प्राथमिक कानून है, जिसे नई चुनौतियों और खतरों से निपटने के लिये कई बार संशोधित किया गया है।

हालाँकि, आईटी अधिनियम में अभी भी कुछ कमियाँ और सीमाएँ मौजूद हैं, जैसे विभिन्न साइबर अपराधों के लिये स्पष्ट परिभाषाओं, प्रक्रियाओं एवं दंडों की कमी और साइबर अपराधियों की निम्न दोष सिद्धि दर (conviction rate)।

भारत को व्यापक और अद्यतन कानून बनाने की आवश्यकता है जो साइबर सुरक्षा के सभी पहलुओं, जैसे साइबर आतंकवाद, साइबर युद्ध, साइबर जासूसी और साइबर धोखाधड़ी को दायरे में लेकर आएं।

साइबर सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाना: साइबर सुरक्षा परिदृश्य में सुधार के लिये भारत में कई पहलें और नीतियां अपनाई गई हैं, जैसे राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति, साइबर सेल एवं साइबर अपराध जांच इकाइयां, साइबर क्राइम रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म और क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम।

हालाँकि, ये प्रयास अभी भी अपर्याप्त और खंडित हैं, क्योंकि भारत को तकनीकी कर्मचारियों, साइबर फोरेंसिक सुविधाओं, साइबर सुरक्षा मानकों और विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

भारत को अपने मानव एवं तकनीकी संसाधनों को विकसित करने, साइबर सुरक्षा के उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने, सर्वोत्तम अभ्यासों एवं मानकों को अपनाने और विभिन्न एजेंसियों एवं क्षेत्रों के बीच सहयोग एवं सूचना साझेदारी को बढ़ावा देने में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है।

एक साइबर सुरक्षा बोर्ड की स्थापना करना: भारत को सरकारी और निजी क्षेत्र के प्रतिभागियों के साथ एक साइबर सुरक्षा बोर्ड की स्थापना करनी चाहिये, जिसके पास किसी महत्त्वपूर्ण साइबर घटना के बाद उसका विश्लेषण करने और साइबर सुरक्षा में सुधार के लिये ठोस अनुशंसाएं करने के लिये बैठक करने का अधिकार हो।

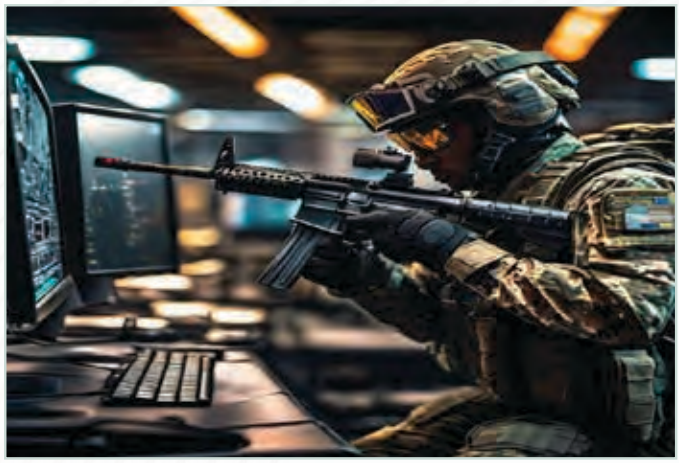

एक जीरो–ट्रस्ट आर्किटेक्चर (zero-trust architecture) अपनाया जाए और साइबर सुरक्षा संबंधी भेद्यताओं एवं घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने के लिये एक मानकीकृत 'प्लेबुक' (playbook) को अनिवार्य किया जाए। राज्य नेटवर्क की रक्षा एवं आधुनिकीकरण और इसकी घटना प्रतिक्रिया नीति (incident response policy) को अद्यतन करने के लिये तत्काल एक योजना को क्रियान्वित किया जाए।

अन्तरराष्ट्रीय सहयोग का विस्तारः भारत अकेला देश नहीं है जो साइबर सुरक्षा की चुनौतियों का सामना कर रहा है, क्योंकि साइबर हमले राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं हैं और पूरे वैश्विक समुदाय को प्रभावित कर रहे हैं।

भारत को अन्य देशों और संयुक्त राष्ट्र, अन्तरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ, इंटरपोल एवं साइबर विशेषज्ञता पर वैश्विक मंच (Global Forum on Cyber Expertise) जैसे अन्तरराष्ट्रीय संगठनों के साथ और अधिक संलग्न होने की जरूरत है ताकि सर्वोत्तम अभ्यासों के लेनदेन, खुफिया सूचनाओं की साझेदारी, साइबर कानूनों एवं मानकों के सामंजस्य और साइबर अन्वेषण एवं अभियोजन में सहयोग का लाभ प्राप्त हो सके।

भारत को आसियान क्षेत्रीय फोरम, ब्रिक्स (BRICS) एवं भारत–अमेरिका साइबर सुरक्षा फोरम जैसे क्षेत्रीय और द्विपक्षीय संवादों एवं पहलों में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने की जरूरत है ताकि विश्वास एवं भरोसे का निर्माण किया जा सके और साझा साइबर सुरक्षा मुद्दों एवं हितों को संबोधित किया जा सके।

सार्वजनिक जागरूकताः आम जनता, व्यवसायों और संगठनों को साइबर सुरक्षा खतरों और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में शिक्षित करें। सुरक्षित इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देने और आम साइबर खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सत्र आयोजित करें।

मोबाइल सुरक्षा

आज के समय में मोबाइल सुरक्षा एक बड़ी बात है क्योंकि ज्यादातर लोग मोबाइल डिवाइस पर निर्भर हैं। यह सब–डोमेन टैबलेट, सेल फोन और लैपटॉप जैसे मोबाइल डिवाइस पर संग्रहीत संगठनात्मक और व्यक्तिगत जानकारी को अनाधिकृत पहुंच, डिवाइस का खो जाना या चोरी होना, मैलवेयर, वायरस आदि जैसे विभिन्न खतरों से बचाता है। इसके अलावा, मोबाइल सुरक्षा को बढ़ाने में मदद करने के लिए प्रमाणीकरण और शिक्षा का उपयोग करती है।

नेटवर्क सुरक्षा

नेटवर्क सुरक्षा में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर तंत्र शामिल होते हैं जो नेटवर्क और बुनियादी ढांचे को व्यवधानों, अनाधिकृत पहुँच और अन्य दुर्व्यवहारों से बचाते हैं। प्रभावी नेटवर्क सुरक्षा संगठन की परिसंपत्तियों को संगठन के भीतर या बाहर से आने वाले खतरों की एक विस्तृत श्रृंखला से बचाती है।

क्लाउड सुरक्षा

क्लाउड सुरक्षा का संबंध उन कंपनियों के लिए सुरक्षित क्लाउड आर्किटेक्चर और एप्लिकेशन बनाने से है जो क्लाउड सेवा प्रदाताओं जैसे कि अमेजन वेब सर्विसेज, गूगल, एज्योर, रैकस्पेस आदि का उपयोग करते हैं।

पहचान प्रबंधन और डेटा सुरक्षा

यह उप डोमेन उन गतिविधियों, रूपरेखाओं और प्रक्रियाओं को कवर करता है जो किसी संगठन की सूचना प्रणालियों के लिए वैध व्यक्तियों के प्राधिकरण और प्रमाणीकरण को सक्षम करते हैं। इन उपायों में शक्तिशाली सूचना भंडारण तंत्र को लागू करना शामिल है जो डेटा को सुरक्षित करता है, चाहे वह संक्रमण में हो या सर्वर या कंप्यूटर पर रहता हो। इसके अलावा, यह उप–डोमेन प्रमाणीकरण प्रोटोकॉल का अधिक उपयोग करता है, चाहे वह दो–कारक हो या बहु–कारक।

यहां सर्वोत्तम प्रथाओं की सूची दी गई है जिनका पालन किया जाना चाहिएः

- अपने कनेक्शन को निजीकृत करने के लिए VPN का उपयोग करें।
- लिंक पर क्लिक करने से पहले लिंक की जांच करें।
- अपने पासवर्ड के प्रति लापरवाह न बनें।
- बाहरी डिवाइस को वायरस के लिए स्कैन करें।
- संवेदनशील जानकारी को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- दो–कारक प्रमाणीकरण सक्षम करें।
- वेबसाइटों पर HTTPS की दोबारा जांच करें।

- कंप्यूटर से एडवेयर हटाएँ।
- जब आप ब्लूटूथ कनेक्शन का उपयोग नहीं कर रहे हों तो उसे अक्षम कर दें।
- सार्वजनिक नेटवर्क का उपयोग करने से बचें।
- सुरक्षा उन्नयन में निवेश करें।
- व्हाइट हैट हैकर को नियुक्त करें।

निष्कर्ष

इंटरनेट का उपयोग करने वाले लोगों की आबादी हर दिन बढ़ रही है। दूसरी ओर, साइबर स्पेस में अपराध भी बहुत तेज़ी से बढ़ रहे हैं। साइबर कमज़ोरियों को दूर करने के लिए सरकार, व्यवसाय, शैक्षणिक संस्थान और व्यक्तियों सहित विभिन्न हितधारकों के सम्मिलित प्रयास की आवश्यकता है।

भारत में इन अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए साइबर सुरक्षा के बुनियादी ढांचे को मज़बूत करना, जागरूकता बढ़ाना, प्रभावी साइबर सुरक्षा उपायों को लागू करना और सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना जरूरी है।

इन रणनीतियों को लागू करके और एक सक्रिय और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाकर, भारत ऑनलाइन अपराधों को काफी हद तक कम कर सकता है और अपने नागरिकों और व्यवसायों के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण बना सकता है।

साइबर सुरक्षा युक्तियों की एक सूची दी गई है:

- सॉफ्टवेयर को अद्यतन रखें।
- संदिग्ध ईमेल खोलने से बचें।
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर एंटीवायरस और एंटी मैलवेयर सॉफ्टवेयर का उपयोग करें।
- डेटा एन्क्रिप्ट करने के लिए सुरक्षा फाइल–साझाकरण समाधान का उपयोग करें।
- मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें।
- अपने डेटा का बैकअप लें।
- फिशिंग घोटालों से सावधान रहें।
- पासवर्ड मैनेजर का उपयोग करें।
- दो–कारक प्रमाणीकरण का उपयोग करें।
- पासवर्ड का पुनः उपयोग न करें।

तुम सिर्फ अपने जैसे हो

अपनी समानता किसी से
ना आज ना कल किया करो
तुम सिर्फ अपने जैसे हो
तुम खुद पर नाज किया करो।।

कोई तुम्हें छोड़ कर जो चला गया
दिल तोड़ कर जो चला गया
प्यारी सी इन आँखों को
आंसुओं में बरबाद न किया करो
तुम सिर्फ अपने जैसे हो
तुम खुद पर नाज किया करो।।

जब वक्त तुम्हें अकेले चलना सिखाए
तुम्हारी कमियाँ कोई जब तुम्हें गिनाए
लोग करें या ना करें
तुम जैसे हो वैसे खुद को स्वीकार किया करो
तुम सिर्फ अपने जैसे हो तुम खुद पर नाज किया करो।।

किसी की याद आए ही क्यों?
तुम खुद से इतना प्यार करो
अपनी जिंदगी में रंग भरने के लिए
किसी का इंतजार ही क्यों करो
कोई करे न या न करे
तुम खुद से बात हजार करो
तुम सिर्फ अपने जैसे हो
तुम खुद पर नाज किया करो।।

बातें भी लाख बनाएं कोई
तुम चुप्पी को दोस्त बनाएं रखना
कोई और करे न करे
तुम खुद पर भरोसा बनाएं रखना

लोगों की बात समझ न आए
तुम अपने उसूलों पर जिंदगी को बनाएं रखना
तुम सिर्फ अपने जैसे हो
तुम खुद पर नाज किया करो।।

मंजू मलिक
उप प्रबंधक
सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग, प्रधान कार्यालय

उद्घाटन

अहमदाबाद में शेला शाखा का उद्घाटन करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं श्री दीपंकर महापात्र, अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्री कृष्ण कुमार, उप अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्रीमती अभिलाषा बोलिया, मण्डल प्रमुख, अहमदाबाद एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

अहमदाबाद में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मानसा, जसदन और खंभालिया शाखाओं का उद्घाटन करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं श्री दीपंकर महापात्र, अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्रीमती अभिलाषा बोलिया, मण्डल प्रमुख, अहमदाबाद।

गुजरात में वड़ोदरा मंडल की नई शाखा मकरपुरा रोड का उद्घाटन करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्री दीपंकर महापात्र, उप अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्री कृष्ण कुमार, श्री बिजेंद्र सिंह, मंडल प्रमुख, वड़ोदरा।

श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी वड़ोदरा मंडल की दो नवीन शाखाओं–कठलाल और संतरामपुर शाखा का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करते हुए। दृष्टव्य हैं श्री दीपंकर महापात्र, अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्री कृष्ण कुमार, उप अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्री बिजेंद्र सिंह, मंडल प्रमुख, वड़ोदरा।

पुणे में नन्हे आंबेगांव स्थित एटीएम का उद्घाटन करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बाएं से श्री फिरोज हसनैन अंचल प्रबंधक, मुंबई अंचल, श्री देवेन्द्र सिंह, मंडल प्रमुख, पुणे मंडल, श्री मनोज पंडित, शाखा प्रबंधक, शाखा नन्हे आंबेगांव, श्री मनोज गजभीये, उप मंडल प्रमुख, पुणे मंडल, और सुश्री निहारिका, शाखा स्टाफ, शाखा नन्हे आंबेगांव।

पुणे मंडल की शाखा उरूली कांचन का उद्घाटन करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। साथ में दृष्टव्य हैं श्री फिरोज हसनैन, अंचल प्रबंधक, मुंबई अंचल और श्री देवेन्द्र सिंह, मंडल प्रमुख, पुणे मंडल तथा अन्य उच्चाधिकारीगण।

उद्घाटन

श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक एवं अन्य उच्चाधिकारी बीकेसी, मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में "पीएनबी पलाश" और "पीएनबी अन्तः दृष्टि" डेबिट कार्ड का उद्घाटन करते हुए।

अमृतसर अंचल के दौरे के अवसर पर अंचल प्रांगण में व्यायामशाला का उद्घाटन करते हुए श्री बी.पी. महापात्र, कार्यपालक निदेशक, श्री राकेश ग्रोवर, मुख्य महाप्रबंधक एवं श्री अमृताभ आनंद, अंचल प्रबंधक, अमृतसर।

श्री के. बी. मिश्र, उप अंचल प्रबंधक भुवनेश्वर तथा डॉ आलोक रंजन सेनापति, मंडल प्रमुख, ब्रह्मपुर लबन्यागढ़ शाखा के स्थानांतरित नवीन परिसर का उद्घाटन करते हुए। दृष्टव्य हैं अन्य स्टाफ सदस्यगण।

जीवन का अर्थ

कुछ वक्त निकालिए इस जिंदगी के लिए,
सिर्फ सांस लेना जीना तो नही।

आगे बढ़ने की चाह में, रिश्ते हैं पीछे छूटे,
आज अपनों ने खुद अपनों के घर हैं लूटे।

इन शीश महलों के दरवाजे तो खोलिए,
सुबह से राहों में सूरज खड़ा है।

"बदलाव नियम है"—ये कहती है प्रकृति,
हर एक को धुत्कार रहे हैं,अब तो बदलिए अपनी प्रवृति।

हम हाथ तो मिला रहे हैं बेशक दिल नहीं मिलते,
शहद से मीठे हँसे तो लगे है सच्चाई से है मुंह चुराते

पलट कर देखो वक्त के पन्ने, चंचल बचपन कितना खुश था,
फिर आज का बनावटी जीवन किस मिथ्या में पड़ा है?
नैतिकता को भुलाए, हर शख्स गुमराह सा दिखा है।

जब जब रात ने फैलाया है अपना काला साया,
हर तारा है उसमें डूबता नजर आया।
फिर क्यों न इस जिंदगी को आसान बनाएं
आओ उतार दें ये मुखौटे और हर सांस को जिन्दा होने का अर्थ समझाएं।

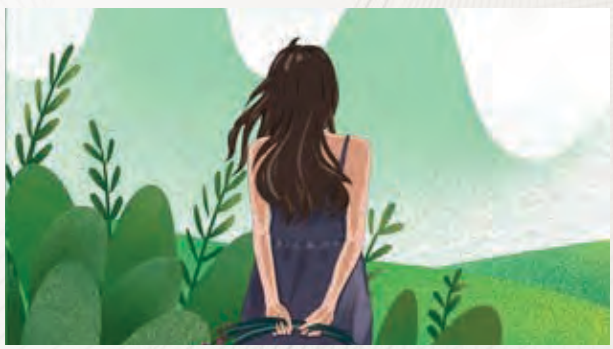

नेहा सिंह "वाणी"
प्रबन्धक
डिजिटल बैंकिंग प्रभाग,
प्रधान कार्यालय

बैंकिंग क्षेत्र में धोखाधड़ी प्रबंधन और एआई की भूमिका

रवि कान्त कौशिक, सहायक महाप्रबंधक, अंचल सस्त्रा, लुधियाना

बैंकिंग क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ है जो आर्थिक स्थिरता और वित्तीय समावेशन को गति एवं दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश की अर्थव्यवस्था 2.2% से अधिक की दर से बढ़ी है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका उल्लेखनीय रही है। वित्त वर्ष 2023–24 में डिजिटल लेनदेन की कुल संख्या 185 अरब रही और सितंबर 2024 में यूपीआई द्वारा 15.04 अरब लेनदेन हुए जो अभी तक की सर्वाधिक लेनदेन संख्या का आंकड़ा है। भुगतान प्रणाली के भी वर्ष 2030 तक $100 ट्रिलियन की लेनदेन मात्रा तक पहुंचने की आशा है।

इस उल्लेखनीय उन्नति के सापेक्ष, बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े अपराधों में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है। वित्तीय संस्थान वर्ष दर वर्ष बढ़ती धोखाधड़ी, विशेष रूप से व्यापक स्तर के वित्तीय अपराधों का शिकार होते आए हैं जिससे इनकी साख तो खराब हुई ही है, जनता का भरोसा भी डगमगाया है। बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ निरंतर बढ़ती हुई बैंकिंग धोखाधड़ी घटनाएं बढ़ती हुई चिंता का विषय हैं। साइबर हमलों से जुड़ी घटनाओं की संख्या के मामले में भारत वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023–24 में बैंकिंग धोखाधड़ी की संख्या बढ़कर 36075 तक पहुंच गई। हालांकि, इन धोखाधड़ियों में शामिल कुल राशि में 46.70% घटकर ₹13930 करोड़ रही। एनसीआरपी (गृह मंत्रालय) के पोर्टल पर वर्ष 2023 में 15.56 लाख और वर्ष 2022 में 9.66 लाख शिकायतें प्राप्त हुई थीं जबकि वर्ष 2024 के पहले चार महीनों में ही लगभग 740000 सूचित साइबर अपराध घटनाओं के कारण भारतीयों को लगभग ₹ 1750 करोड़ से अधिक नुकसान हो चुका है। इसमें से सर्वाधिक हानि, लगभग ₹ 1420.48 करोड़, ट्रेडिंग घोटालों के कारण हुई है। 'मन की बात' के हालिया एपिसोड में आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा उल्लिखित डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के कारण लोगों को ₹ 120.30 करोड़ का नुकसान हुआ। इस प्रकार, 2024 की पहली तिमाही में ही साइबर हमलों में 76% की वृद्धि दर्ज की गई और भारत वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक प्रभावित देशों में से एक रहा। अनुमान है कि वर्ष 2033 तक भारत को प्रति वर्ष लगभग 1 ट्रिलियन साइबर हमलों का सामना करना पड़ेगा जो वर्ष 2047 तक 17 ट्रिलियन प्रति वर्ष हो सकते हैं।

इससे स्पष्ट है कि धोखाधड़ी और साइबर हमले आने वाले समय में राष्ट्र की अर्थव्यवस्था और विकास के सामने सबसे बड़ा संकट होंगे। ऐसी घटनाओं पर अंकुश केवल धोखाधड़ी करने वालों (कौन), धोखाधड़ी की विधियों (कैसे) और धोखाधड़ी के प्रेरक कारणों (क्यों) को भलीभांति समझ कर ही लगाया जा सकता है। आइए, इनके बारे में कुछ चर्चा कर लेते हैं।

धोखाधड़ी–कौन और कैसे?

बैंकिंग क्षेत्र में धोखाधड़ी करने वालों को सामान्य रूप से आंतरिक या बाहरी व्यक्तियों अथवा संगठित समूहों में वर्गीकृत किया जाता है।

1. **आंतरिकः** आंतरिक धोखाधड़ी में बैंक कर्मचारियों या अधिकारियों की मिलीभगत शामिल होती है जो धोखाधड़ी करने के लिए अपने पद एवं अधिकारों का दुरूपयोग करते हैं। ऐसे अपराधों में सामान्य कार्यप्रणाली इस प्रकार रहती हैः

(i) **पद एवं परिसंपत्तियों का दुरुपयोगः** आधिकारिक पद एवं बैंक की संपत्तियों का दुरुपयोग निजी लाभ के लिए किया जाता है।

(ii) **जालसाजीः** अनाधिकृत लेनदेन को अधिकृत बनाने के लिए जाली दस्तावेजों और हस्ताक्षरों का प्रयोग किया जाता है।

(iii) **उपेक्षाः** अवैध गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए स्थापित प्रक्रियाओं, प्रणालियों एवं आंतरिक नियंत्रणों को दरकिनार किया जाता है।

2. **बाह्यः** बाहरी धोखाधड़ी में अक्सर ग्राहक, थर्ड पार्टी, अन्य बाहरी लोग या पेशेवर समूह शामिल होते हैं। सामान्य कार्यप्रणाली में शामिल हैं:

(i) **पहचान की चोरीः** अनाधिकृत रूप से चुराई गई व्यक्तिगत जानकारी का उपयोग वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किया जाता है।

(ii) **कार्ड धोखाधड़ीः** नकली डेबिट/क्रेडिट कार्ड बनाकर अनाधिकृत धन–निकासी अथवा खरीद आदि का कार्य किया जाता है।

(iii) **फिशिंग एवं साइबर हमलेः** धोखाधड़ीयुक्त संचार के माध्यम से संवेदनशील बैंकिंग जानकारी तक पहुंच प्राप्त की जाती है।

धोखाधड़ी – क्यों?

भारत में होने वाली बैंकिंग धोखाधड़ी घटनाओं में कई घटक योगदान देते हैं, जिनमें से उल्लेखनीय हैं:

1. **लालच और अवसरः** स्वार्थी लोगों का व्यक्तिगत लालच और कमजोर प्रणालियों में मौजूद प्रचुर अवसर धोखाधड़ी घटनाओं का महत्वपूर्ण घटक हैं।
2. **प्रणालीगत कमजोरियाँः** पुरानी प्रौद्योगिकी एवं प्रणालियां, कमजोर आंतरिक नियंत्रण और अपर्याप्त जोखिम प्रबंधन संरचना धोखाधड़ी के लिए अनुकूल वातावरण पैदा करते हैं।
3. **नियामक खामियांः** सतर्कता का अभाव, विनियामक के स्तर पर कार्यवाही करने अथवा सूचना साझा करने में विलंब, और कड़े अनुपालन तंत्र की कमी धोखाधड़ी एवं अपराधों में योगदान करती है।
4. **तकनीकी प्रगतिः** यद्यपि तकनीकी प्रगति ने बैंकिंग प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित बनाया है, लेकिन उन्नत होती तकनीक साइबर अपराधियों को डिजिटल अवसंरचना की कमजोरियों का फायदा उठाने के अधिक उन्नत साधन भी उपलब्ध करा रही है।

बैंकिंग धोखाधड़ी रोकने के उपाय

बैंकिंग धोखाधड़ी को कम करने के लिए तकनीकी नवाचार, सख्त नीतिगत फ्रेमवर्क और सतर्कता एवं सत्यनिष्ठा की संस्कृति का सुमेल आवश्यक है। आइए, धोखाधड़ी के प्रमुख प्रेरकों का विश्लेषण करने के बाद हम इसकी रोकथाम के उपायों पर बात करते हैं। कुछ प्रभावी उपाय हैं:

1. **आंतरिक नियंत्रण की सुदृढ़ताः** नियमित लेखापरीक्षा, कर्मचारियों के कार्यों एवं अधिकारों का पृथक्करण, उनकी पृष्ठभूमि एवं लेनदेनों की आवधिक जांच आदि उपाय आंतरिक नियंत्रण को मजबूत कर धोखाधड़ी के अवसरों को कम कर देते हैं।
2. **उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रयोगः** ब्लॉकचेन तकनीक एवं एआई–आधारित धोखाधड़ी पहचान प्रणालियों जैसे उन्नत साइबर सुरक्षा उपायों के प्रयोग से साइबर हमलों से बचा जा सकता है। साथ ही, लेनदेनों की रियल–टाइम मॉनिटरिंग और पूर्वानुमानात्मक विश्लेषिकी से भी विसंगतियों का तुरंत पता लगाने में सहायता मिलती है।
3. **विनियामकों का योगदानः** बैंकिंग विनियामक उभरते साइबर जोखिमों के लिए केवाईसी, एएमएल, साइबर सुरक्षा आदि के संबंध में अद्यतन रूपरेखा अपना कर धोखाधड़ी की रोकथाम कर सकते हैं।
4. **कर्मचारियों की जागरुकताः** नैतिक आचरण, धोखाधड़ी और अनुपालना जैसे विषयों पर सतत स्टाफ प्रशिक्षण कार्यक्रम सतर्कता की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं और बैंकिंग अपराधों में कमी लाते हैं।
5. **ग्राहकों की शिक्षाः** धोखाधड़ी की रोकथाम के उपायों और निजी जानकारी की सुरक्षा के महत्व के बारे में ग्राहकों को शिक्षित करने से धोखाधड़ी की घटनाओं में कमी आती है।
6. **"सबका सहयोग–सबकी सुरक्षाः"** धोखाधड़ी की प्रवृत्तियों और इससे बचने की सर्वोत्तम प्रथाओं पर जानकारी साझा करने के लिए बैंकों, नियामकों और एलईए के बीच सार्वजनिक–निजी भागीदारी को मजबूत करने से धोखाधड़ी को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है।

धोखाधड़ी प्रबंधन में एआई की भूमिका

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या एआई बहुसंख्य लेनदेनों से संबंधित डेटा का वास्तविक समय में विश्लेषण कर धोखाधड़ी का पता लगाने में सहायता करती है। एआई की गति और सटीकता अद्वितीय है जिससे बैंक अपराधियों से एक कदम आगे रहकर अपने और अपने ग्राहकों की मूल्यवान संपत्ति एवं अमूल्य प्रतिष्ठा की रक्षा कर पाते हैं। धोखेबाजों को रोकने और संभावित नुकसान को कम करने के लिए तेजी से पता लगाना महत्वपूर्ण है। लेनदेन की 24x7x365 निगरानी करने की एआई की क्षमता सुनिश्चित करती है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि के घटित होते ही उसका पता लग जाए, जिससे तत्काल कार्रवाई की जा सके।

एआई का लाभ उठाकर बैंक धोखाधड़ी की पहचान करने और उसे रोकने के लिए विशाल डेटा सेट का वास्तविक समय में विश्लेषण कर सकते हैं, जिससे उपचार के उपाय प्रतिक्रियात्मक न रहकर अग्रसक्रिय हो जाते हैं। इससे न केवल ग्राहकों की सुरक्षा होती है, बल्कि वित्तीय लेनदेन की अखंडता भी सुरक्षित रहती है, जो वित्तीय क्षेत्र में नवाचार और डेटा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एआई–संचालित वीडियो एनालिटिक्स संदिग्ध व्यवहार का पता लगा कर बैंक/सुरक्षा कर्मियों को वास्तविक समय में सचेत कर सकता है जिससे अपराध की संभावित वारदात से बचा जा सकता है। एआई प्रणालियां उपयोगकर्ता के व्यवहार और लेनदेन के पैटर्न का विश्लेषण कर पहचान की चोरी और फिशिंग जैसी ऑनलाइन धोखाधड़ी का पता लगाती हैं तथा विसंगतियों को भी चिह्नित कर लेती हैं। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम बड़ी मात्रा में लेनदेन डेटा का वास्तविक समय में विश्लेषण कर ऐसे पैटर्न और विसंगतियों की पहचान कर सकते हैं जो ग्राहक के सामान्य व्यवहार से अलग हैं। इससे संदिग्ध गतिविधियों को चिह्नित कर तत्काल रोका जा सकता है। इसके अतिरिक्त, मशीन लर्निंग एल्गोरिदम कर्मचारियों की गतिविधियों पर नज़र रखकर आपराधिक मिलीभगत या अनैतिक प्रथाओं का संकेत देने वाले असामान्य पैटर्न की पहचान करते हैं और 'मेकर–चेकर' रूपी सुरक्षात्मक अवधारणा का अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। उदाहरण के लिए, यदि दो कर्मचारी विधिवत जांच के बिना एक–दूसरे के लेन–देन को हमेशा जल्दी से मंजूरी देते हैं, तो सिस्टम इसे संदिग्ध गतिविधि के रूप में चिह्नित कर सकता है। इस तरह, बैंक संभावित धोखाधड़ी से भी बच जाते हैं। धोखाधड़ी का पता लगाने में एआई का उपयोग ग्राहकों के लिए उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के साथ–साथ बैंकिंग को भी अधिक तेज, सटीक और प्रभावी बनाता है।

बैंकिंग में एआई के अनगिनत लाभ हैं जिनमें से कुछ मुख्य लाभ इस प्रकार हैं:

1. **वास्तविक समय निगरानी:** एआई एल्गोरिदम के उपयोग से बैंक लेनदेन की निगरानी वास्तविक समय में कर सकते हैं, जिससे धोखाधड़ी या संदिग्ध गतिविधियों की शीघ्र पहचान करना और उन्हें रोकना संभव हो जाता है।

2. **सटीकता और सुधार:** एआई विशाल डेटा का विश्लेषण करने और उनमें मौजूद प्रवृत्तियों, विसंगतियों, संकेतों एवं असामान्यताओं की पहचान करने में सक्षम है जिन्हें समझना मनुष्यों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। एआई की सबसे बड़ी खूबी है कि यह उपलब्ध डेटा से सीखकर खुद को समय के साथ विकसित करता है और अपनी सटीकता को बेहतर बनाता रहता है।

3. **दक्षता में वृद्धि:** एआई प्रणालियां लेनदेन का विश्लेषण या पहचान की पुष्टि करने जैसे बार–बार किए जाने वाले कार्यों को स्वचालित बना सकती हैं, जिससे मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता और त्रुटियों अथवा धोखाधड़ी की संभावना कम हो जाती है।

4. **लागत में कटौती:** धोखाधड़ी घटनाएं बैंक के कारोबार, लाभप्रदता और प्रतिष्ठा पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। एआई ऐसे मामलों की संख्या को कम करके बैंकों की बहुमूल्य निधियों को बचाने और उनकी प्रतिष्ठा को बनाए रखने में सहायता करती है।

5. **झूठी चेतावनियों से बचाव:** अनर्गल अलर्ट धोखाधड़ी का पता लगाने और उन्हें रोकने के रास्ते में सबसे बड़ी चुनौती हैं जो वैध लेनदेन को भी गलत तरीके से धोखाधड़ी बताकर बैंक के संसाधनों और समय का अनावश्यक क्षय करते हैं। एआई की स्वयं से सीखते रहने की क्षमता बैंक को ऐसी झूठी चेतावनियों से बचाती है।

निष्कर्ष

बैंकिंग धोखाधड़ी भारत में एक बड़ी चुनौती है जिसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। धोखाधड़ी करने वालों की प्रोफाइल और उनकी कार्यप्रणाली को समझकर, बैंक अधिक प्रभावी सुरक्षा उपाय लागू कर सकते हैं। अत्याधुनिक तकनीक, सुदृढ़ विनियामक संरचना और सतर्कता की संस्कृति से सज्ज भारतीय बैंकिंग क्षेत्र धोखाधड़ी की घटनाओं को काफी हद तक कम कर सकता है, जिससे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र पर भरोसा भी मजबूत होगा। साथ ही, धोखाधड़ी का पता लगाने और जोखिम आकलन में एआई का उपयोग बैंक के कारोबार, परिचालन और वित्तीय एवं प्रतिष्ठात्मक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बन गया है। एआई के प्रयोग से धोखाधड़ी गतिविधियों का पता लगाने और उन्हें रोकने की बैंकों की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्नत एआई एल्गोरिदम और मशीन लर्निंग तकनीकों के कारण बैंकों का समग्र जोखिम प्रबंधन बेहतर होता जा रहा है। एआई तकनीक में निरंतर होती उन्नति की सहायता से भविष्य के बैंक अपने बढ़ते ग्राहक आधार को बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच भी पूर्णतया सुरक्षित और सुखद सेवाएं देने में सक्षम हो पाएंगे।

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के दौरे

मंडल कार्यालय, बड़ोदरा में आयोजित ग्राहक संवाद कार्यक्रम में श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्राहकों से चर्चा करते हुए। दृष्टव्य हैं श्री दीपंकर महापात्र अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्री कृष्ण कुमार, उप अंचल प्रमुख, अहमदाबाद, श्री बिजेंद्र सिंह, मंडल प्रमुख, बड़ोदरा एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

अहमदाबाद, अंचल दौरे के अवसर पर अहमदाबाद में आयोजित कस्टमर मीट में ग्राहकों को संबोधित करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं श्री दीपंकर महापात्र, अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद।

अहमदाबाद अंचल दौरे के अवसर पर आयोजित टाउन हॉल बैठक में सहभागिता करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं श्री दीपंकर महापात्र, अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद।

लुधियाना अंचल में माननीय वित्त मंत्री एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रीय एमएसएमई क्लस्टर आउटरीच कार्यक्रम की वीडियो परिचर्चा में हिस्सा लेते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं श्री सुनील कुमार चुघ, मुख्य महाप्रबंधक, श्री परमेश कुमार, अंचल प्रबंधक, लुधियाना एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

अंचल कार्यालय, लुधियाना के दौरे के अवसर पर उच्चाधिकारियों को संबोधित करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं श्री परमेश कुमार, अंचल प्रबंधक, लुधियाना एवं श्री किशोर चिलाना, सहायक महाप्रबंधक।

ईटानगर में माननीय वित्त मंत्री, द्वारा की गई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की समीक्षा बैठक में पधारे श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का अभिवादन करते हुए श्री चित्तरंजन प्रूष्टि, अंचल प्रबंधक, गुवाहाटी तथा श्री मनोज कुमार भारद्वाज, मंडल प्रमुख, डिब्रूगढ़।

कार्यपालक निदेशकों के दौरे

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (पंजाब) की 170वीं बैठक में सहभागिता करते हुए श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक एवं श्री परमेश कुमार, अंचल प्रबंधक, लुधियाना। इस बैठक में श्री अजय कुमार सिन्हा (मुख्य सचिव–वित्त, पंजाब सरकार), डॉ बसंत गर्ग (सचिव–वित्त, पंजाब सरकार), श्री विवेक श्रीवास्तव (क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई), श्री रघुनाथ बी. (मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड) एवं अन्य उच्चाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुंबई अंचल के दौरे के अवसर पर श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक, बीकेसी, मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में बैंक के फिनटेक उत्पादों की जानकारी देते हुए।

त्रिपुरा सरकार के मुख्य सचिव श्री जितेन्द्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित त्रिपुरा राज्य स्तरीय बैंक समिति की बैठक में सहभागिता करते हुए श्री एम. परमशिवम, कार्यपालक निदेशक, श्री पी. रोज कुमार, उप अंचल प्रबंधक, गुवाहाटी, श्री ऋतु राज कृष्णा, मंडल प्रमुख, अगरतला एवं अन्य बैंकों के अधिकारीगण।

अमृतसर अंचल दौरे के अवसर पर आयोजित ऋण मुक्ति शिविर में उच्चाधिकारियों को संबोधित करते हुए श्री बिभु प्रसाद महापात्र, कार्यपालक निदेशक। दृष्टव्य हैं श्री राकेश ग्रोवर, मुख्य महाप्रबंधक–सस्त्रा, श्री अमृताभ आनंद, अंचल प्रबंधक, अमृतसर, श्री तरुण कुमार वाधवा, उप अंचल प्रमुख एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

अंचल कार्यालय, लुधियाना में आयोजित समीक्षा बैठक में उच्चाधिकारियों को संबोधित करते हुए श्री बिभु प्रसाद महापात्र, कार्यपालक निदेशक। दृष्टव्य हैं श्री राकेश ग्रोवर, मुख्य महाप्रबंधक, सस्त्रा एवं श्री परमेश कुमार, अंचल प्रबंधक, लुधियाना एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

साइबर अपराधियों पर भारी, भारत सरकार हमारी

अटल बाजपेयी, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), अंचल कार्यालय, लुधियाना

भारत का निरंतर सुदृढ़ और व्यापक होता वित्तीय उद्योग राष्ट्र की आर्थिक स्वतंत्रता और वित्तीय समावेशन की आधारशिला रहा है जो पूरे विश्व के लिए अनुकरणीय हैं। निरंतर विकसित होती अर्थव्यवस्था और सुदृढ़ होती डिजिटल अवसंरचना के साथ भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा वित्तीय बाजार बन गया है।

"डिजिटल इंडिया" और "कैशलेस इंडिया" जैसी सोच को व्यापक रूप से अपनाए जाने के कारण हमारे देश की आर्थिक वृद्धि 2.2% से अधिक बढ़ी है। डिजिटल भुगतान अवसंरचना 17 करोड़ टचपॉइंट से 34% बढ़कर 36 करोड़ टचपॉइंट तक पहुँच गई है। 87% की प्रभावशाली वृद्धि दर के साथ, जो वैश्विक औसत 64% से काफी अधिक है, भारत फिनटेक समावेशन में अग्रणी है। यूपीआई प्लेटफॉर्म पर किए गए लेनदेनों का कुल मूल्य वित्त वर्ष 2017 के ₹ 0.07 लाख करोड़ से हजारों गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में ₹ 200 लाख करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023–24 में डिजिटल लेनदेन की कुल संख्या 185 अरब रही। सितंबर 2024 में तो यूपीआई ने अब तक की सर्वाधिक लेनदेन संख्या का आंकड़ा 15.04 अरब दर्ज किया। वर्ष 2025 तक यूपीआई प्लेटफॉर्म पर प्रतिदिन होने वाले लेनदेन की संख्या 1 अरब तक पहुँच सकती है। भारतीय भुगतान प्रणाली के भी वर्ष 2030 तक $100 ट्रिलियन की लेनदेन मात्रा और $50 बिलियन के राजस्व तक पहुँचने की आशा है।

भारतीय वित्तीय जगत की यह उल्लेखनीय वृद्धि और भविष्य की महत्वाकांक्षी अपेक्षाएं कई कारकों से प्रेरित हैं जिनमें डिजिटल भारत अभियान, जनधन–आधार–मोबाइल (जेएएम), यूपीआई, एईपीएस, भारत क्यूआर, ई–केवाईसी, डिजी लॉकर, अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क, ओएनडीसी एवं भारत सरकार की विभिन्न अन्य पहलों से मिली सुदृढ़ आधारशिला शामिल हैं। कोरोना महामारी भी डिजिटल वित्तीय सेवाओं की व्यापक स्वीकृति और ज्यादा से ज्यादा जनता को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने का कारक रही है। डीबीटी कवरेज का विस्तार, डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहन और फीचर–फोन आधारित भुगतान प्रणाली (यूपीआई 123/यूपीआई लाइट) जैसी नई पहलों के साथ भारत सरकार संपूर्ण वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

भारत सरकार की अन्य महत्वपूर्ण नीतियों एवं कदमों ने भी हमारी वित्तीय प्रणाली में हुई इस उल्लेखनीय वृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आइए इनमें से कुछ पर संक्षेप में चर्चा कर लेते हैं।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी)

गिफ्ट सिटी में बनाया गया आईएफएससी भविष्य में फिनटेक गतिविधियों का केंद्र बनेगा और भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के साथ एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह केंद्र वैश्विक पूंजी प्रवाह को भारतीय हितों के अनुसार दिशा देते हुए भारत–केंद्रित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा व्यवसाय को प्रोत्साहित करेगा। भारत सरकार की नवीनतम बजट घोषणाएं, जैसे कि पंजीकरण के लिए एकल खिड़की आईटी प्रणाली बनाना और आईएफएससी अधिनियम एवं एसईजेड (SEZ) अधिनियम के तहत अलग–अलग शक्तियां प्रत्यायोजित करना वित्त और व्यापार को और भी आसान बनाएगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

कम परिचालन लागत और अत्यधिक कुशल एआई एवं बिग डेटा जानकारों के कारण भारत एआई निवेश के लिए बहुत ही आकर्षक देश है। इसका कारण सरकार द्वारा एआई सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करने और देश के युवाओं को एआई से जोड़ने के लिए आरंभ की गई 'फ्यूचर स्किल्स प्राइम', 'युवएआईः एआई से उन्नति और विकास के लिए युवा' जैसी विभिन्न पहलें हैं। भारत के एआई अभियान के लिए वर्ष 2024 के बजट में ₹ 10300 करोड़ का प्रावधान एआई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है।

डेटा सेंटर और क्लाउड कंप्यूटिंग

डेटा सेंटर, क्लाउड स्टोरेज, क्रिप्टो माइनिंग और एआई सुविधाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। वर्तमान में, भारत में

लगभग 25800 वर्चुअल मशीनें जीआई क्लाउड (मेघराज) पर चल रही हैं जिनका उपयोग विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा किया जा रहा है। मेघराज पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने घरेलू और अतरराष्ट्रीय क्लाउड सेवाप्रदाताओं (सीएसपी) को भी सूचीबद्ध किया है। वर्तमान में, ऐसे 22 सीएसपी सूचीबद्ध हैं और 250 से अधिक केंद्रीय एवं अन्य विभाग इनकी क्लाउड सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि सरकार की प्रोत्साहन नीतियों और उन्नत तकनीकी नवाचारों के कारण वित्तीय सेवा क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। लेकिन जैसे–जैसे वित्तीय क्षेत्र बढ़ रहा है, इस क्षेत्र में होने वाले अपराधों की संख्या भी निरंतर बढ़ती जा रही है। इसलिए सरकार और नियामकों के लिए राष्ट्र के विकास और लोगों की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना और अपने नागरिकों को वित्तीय धोखाधड़ी एवं साइबर अपराधों से बचाना आवश्यक हो गया है। इस आवश्यकता को अंगीकार करते हुए और अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए भारत सरकार साइबर धोखाधड़ी और धोखेबाजों से निपटने के लिए निरंतर नए नवोन्मेषी कदम उठा रही है जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- **राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति:** 2013 में स्थापित यह नीति राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना की सुरक्षा और साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करती है।
- **सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000:** 2008 में संशोधित यह अधिनियम साइबर अपराध एवं ई–कॉमर्स के संबंध में महत्वपूर्ण कानूनी ढांचा प्रदान करता है।
- **राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र:** एनसीआईआईपीसी की स्थापना बैंकिंग एवं वित्त सहित विभिन्न अन्य क्षेत्रों की महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना की सुरक्षा के उद्देश्य से की गई है।
- **डिजिटल निजी डेटा संरक्षण अधिनियम 2023:** डीपीडीपी अधिनियम डिजिटल निजी डेटा की इस प्रकार प्रोसेसिंग का प्रावधान करता है जिससे निजी डेटा की सुरक्षा के जनाधिकार का उल्लंघन न हो।
- **आरबीआई साइबर सुरक्षा रूपरेखा:** भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्तीय संस्थानों के स्तर पर साइबर सुरक्षा स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए जो सूचना प्रौद्योगिकी प्रशासन, जोखिम, नियंत्रण आदि पर केंद्रित हैं।
- **भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र:** आई4सी साइबर अपराधों से समग्र, सुव्यवस्थित एवं समन्वित रूप से निपटने के लिए विधि प्रवर्तन एजेंसियों को गृह मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराया गया सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र है।
- **साइबर दोस्त:** @CyberDost गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित साइबर सुरक्षा एवं जागरुकता सोशल मीडिया हैंडल है।
- **साइबर स्वच्छता केंद्र:** बॉटनेट स्वच्छता एवं मैलवेयर विश्लेषण केंद्र जो नागरिकों और संगठनों के सिस्टम को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें निःशुल्क साधन प्रदान करता है।

- **'साइबर सुरक्षित भारत' पहल:** इस कार्यक्रम का आरंभ मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों (सीआईएसओ) एवं आईटी समुदाय को साइबर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने हेतु शिक्षित एवं सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया गया है।
- **सर्ट–इन:** भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल कंप्यूटर सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए राष्ट्रीय एजेंसी है। यह देश के बाहर उत्पन्न होने वाली साइबर घटनाओं पर अन्य देशों में अपनी समकक्ष एजेंसियों के साथ समन्वय करती है।
- **सर्ट–फिन:** 2017 में आरंभ वित्तीय क्षेत्र के लिए आपातकालीन कंप्यूटर प्रतिक्रिया दल नामक यह विशेष इकाई वित्तीय क्षेत्र में साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।
- **सूचना सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम:** इलेक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय आईएसईए कार्यक्रम के माध्यम से उपयोगकर्ताओं द्वारा इंटरनेट का उपयोग करते समय डिजिटल सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरुक कर रहा है। सूचना सुरक्षा जागरुकता के लिए एक समर्पित वेबसाइट https://www.infosecawareness.in बनाई गई है जो प्रासंगिक जागरूकता सामग्री प्रदान करती है।

हमारे सुधि पाठकों के त्वरित संदर्भ हेतु भारत सरकार की दो प्रमुख जन–केंद्रित साइबर सुरक्षा पहलों पर नीचे सविस्तार चर्चा की गई है।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी):

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (https://cybercrime.

gov.in/) भारत सरकार की एक पहल है जो साइबर अपराध के शिकार पीड़ितों को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सुविधा प्रदान करती है। इस पोर्टल पर मोबाइल अपराध, ऑनलाइन अपराध, सोशल मीडिया अपराध, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, रैनसमवेयर, हैकिंग, क्रिप्टोकरेंसी अपराध सहित सभी प्रकार के साइबर अपराध की घटनाओं को कहीं से भी और कभी भी रिपोर्ट एवं ट्रैक किया जा सकता है। यह पोर्टल दिनांक 30.08.2019 को आरंभ किया गया था जिसे दिनांक 20.01.2020 को माननीय गृह मंत्री जी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था। नागरिक एनसीआरपी हेल्पलाइन नंबर 1930 के माध्यम से कॉल द्वारा भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए शिकायत दर्ज करते समय सही एवं सटीक विवरण देना अनिवार्य है। डिजिटल बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई आदि के उपयोग के कारण होने वाली जटिल वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के लिए पोर्टल पर "नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली (सीएफसीएफआरएमएस)" नामक एक नया मॉड्यूल भी विकसित किया गया है जो लगभग 85 बैंकों/भुगतान मध्यस्थों और वॉलेट्स, आरबीआई, एनपीसीआई, विधि प्रवर्तन एजेंसियों (एलईए) आदि को आपस में जोड़ता है। इससे वित्तीय धोखाधड़ी की त्वरित रिपोर्टिंग और ऐसी शिकायतों का प्रभावी अविलंब समाधान संभव हुआ है।

संचार साथी पोर्टल की चक्षु सुविधा:

चक्षु दूरसंचार विभाग, भारत सरकार की जन–केंद्रित पहल है जो नागरिकों को केवाईसी एक्सपायरी/अपडेशन/डीएक्टिवेशन/बैंक खाते/भुगतान वॉलेट/सिम/गैस/बिजली कनेक्शन, यौन उत्पीड़न, पैसे भेजने के लिए सरकारी अधिकारी/रिश्तेदार के रूप में संपर्क करने, फर्जी ग्राहक सेवा हेल्पलाइन/ऑनलाइन उपहार/लॉटरी/लोन/नौकरी के ऑफर/मोबाइल टॉवर की स्थापना/सेवाओं का विच्छेदन/दुर्भावनापूर्ण लिंक/वेबसाइट या किसी

भी अन्य प्रकार की धोखाधड़ी के इरादे से वॉयस कॉल, एसएमएस, व्हाट्सऐप संदेश या व्हाट्सऐप कॉल पर प्राप्त अवांछित अथवा संदिग्ध धोखाधड़ी संचार की अग्रसक्रिय रूप से सूचना देने की सुविधा प्रदान करती है। इस पर आप पिछले 30 दिनों के भीतर प्राप्त किसी भी संदिग्ध धोखाधड़ी संचार की सूचना दे सकते हैं। सूचना देने के लिए:

- संचार साथी (चक्षु) पोर्टल https://sancharsathi.gov.in/sfc/ पर जाएं।
- संदिग्ध धोखाधड़ी संचार का माध्यम और श्रेणी चुनें।
- विवरण दें। यहाँ प्राप्त संचार का स्क्रीनशॉट भी अपलोड (वैकल्पिक) किया जा सकता है।
- ओटीपी द्वारा अपना मोबाइल नंबर सत्यापित करें एवं अपना नाम दर्ज करें।
- अनुरोध सबमिट करने के लिए सबमिट बटन पर क्लिक करें।

कृपया ध्यान रखें कि 'चक्षु' सुविधा वित्तीय धोखाधड़ी या साइबर–अपराध मामलों की सूचना/निपटान हेतु नहीं है। यदि आप वित्तीय धोखाधड़ी के कारण पहले ही अपनी धनराशि गंवा चुके हैं अथवा साइबर अपराध का शिकार हैं, तो कृपया इसकी सूचना साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 या वेबसाइट https://www.cybercrime.gov.in पर ही दें।

उपरोक्त तथ्यों से यह स्पष्ट है कि जैसे–जैसे साइबर अपराध नया रूप ले रहे हैं, हमारी सरकार भी नए–नए कदम उठाते हुए अपने नागरिकों की साइबर सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है।

"साथ आना एक शुरूआत है, साथ बने रहना उन्नति है और साथ मिलकर काम करना सफलता है।"

बैंक ने किया सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सतर्कता जागरूकता की शपथ लेते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं कार्यपालक निदेशक श्री बिनोद कुमार, श्री बी.पी. महापात्र, श्री प्रवीन गोयल, अंचल प्रबंधक, दिल्ली तथा अन्य उच्चाधिकारीगण। इस अवसर पर मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री राघवेन्द्र कुमार द्वारा सतर्कता शपथ दिलाई गई।

प्रधान कार्यालय द्वारका में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ।

अंचल कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह की झलकियाँ

अंचल कार्यालय, आगरा

अंचल कार्यालय, मुंबई

अंचल कार्यालय, लुधियाना

अंचल कार्यालय, हैदराबाद

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़

अंचल कार्यालय, रायपुर

अंचल कार्यालय, अमृतसर

अंचल कार्यालय, लखनऊ

अंचल कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह की झलकियाँ

अंचल कार्यालय, वाराणसी

अंचल कार्यालय, दुर्गापुर

समझौता ज्ञापन

कृषि अवसंरचना और कोल्ड चेन विकास को बढ़ावा देने के लिए फेडरेशन ऑफ कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन्स ऑफ इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान प्रदान करते हुए एमडी एवं सीईओ, श्री अतुल कुमार गोयल (पीएनबी) तथा श्री मुकेश अग्रवाल, अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन्स ऑफ इंडिया, दृष्टव्य हैं श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक, श्री सुनील कुमार चुघ, मुख्य महाप्रबंधक, श्री के.एस. राणा, महाप्रबंधक (कृषि)।

बैंक ने देश भर में कृषि अवसंरचना और कोल्ड चेन विकास को प्रोत्साहित करने के लिए फेडरेशन ऑफ कोल्ड स्टोरेज एसो. सिएशन्स ऑफ इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एमओयू का आदान–प्रदान किया गया, जो भारत में फसल कटने के बाद होने वाले नुकसान को कम करने और कृषि मूल्य श्रृंखला को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

इस समझौता ज्ञापन पर एमडी एवं सीईओ, श्री अतुल कुमार गोयल, कार्यपालक निदेशक, श्री कल्याण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक श्री सुनील कुमार चुघ, महाप्रबंधक (कृषि), श्री के.एस. राणा के साथ फेडरेशन ऑफ कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री मुकेश अग्रवाल और बैंक तथा फेडरेशन के अन्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

साइबर सुरक्षा: हर स्तर पर सतर्कता

इंदुमती झा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), मंडल कार्यालय, मुम्बई शहर

आज इंटरनेट हमारे दैनिक जीवन के अधिकांश पहलुओं को प्रभावित कर रहा है। यह हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2025 तक भारत में 900 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हो जाएंगे। भारत में इंटरनेट उपयोग बढ़ने के साथ ही साइबर खतरों में भी चिंताजनक रूप से वृद्धि होती जा रही है। डिजिटल प्रौद्योगिकी के साथ ही साइबर अपराध भी बढ़ते जा रहे हैं। अतः यह अनिवार्य है कि भारत अपने साइबर स्पेस में मौजूद खामियों को दूर करने पर गहन विचार करे और एक अधिक व्यापक सुरक्षा नीति बनाए।

साइबर सुरक्षा क्या है:– साइबर सुरक्षा का मतलब है नेटवर्क प्रोग्राम और अन्य सूचनाओं को अनधिकृत या अप्राप्य पहुंच, विनाश या परिवर्तन से बचाना। कंप्यूटर, नेटवर्क, प्रोग्राम और डेटा को अनधिकृत पहुँच या हमलों से बचाने के लिए कुछ कम्पनियां सॉफ्टवेयर या तकनीकें विकसित कर रही हैं जो सॉफ्टवेयर डेटा की सुरक्षा करता है। साइबर सुरक्षा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गयी है क्योंकि साइबर हमले तेजी से बढ़ रहे हैं।

साइबर खतरों के प्रकार:–

साइबर सुरक्षा द्वारा सामना किए जाने वाले खतरे 3 प्रकार के हैं:–

1. **साइबर अपराध:–** इसमें एकल व्यक्ति या समूह द्वारा वित्तीय लाभ के लिए या व्यवधान उत्पन्न करने के लिए सिस्टम को लक्ष्य बनाना शामिल है।
2. **साइबर हमले–** इसमें अक्सर राजनीति से प्रेरित सूचना एकत्र करना शामिल होता है।
3. **साइबर** आतंकवाद का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों को कमजोर करके आतंक या भय पैदा करना है।

साइबर खतरों के प्रमुख प्रकार:–

1. **रैनसमवेयर–** यह एक मैलवेयर है जो कंप्यूटर डेटा को हाइजैक कर लेता है और फिर उसे पुनर्स्थापित करने के लिए भुगतान की मांग करता है।
2. **ट्रोजन हॉर्सेज–** ट्रोजन हॉर्स अटैक एक दुर्भावनापूर्ण प्रोग्राम का उपयोग करता है जो एक वैध प्रतीत होने वाले प्रोग्राम में छिपा होता है। ट्रोजन के अन्दर गुप्त रूप से शामिल मैलवेयर का उपयोग सिस्टम में बैकडोर को खोलने के लिए किया जा सकता है जिसके माध्यम से हैकर्स कंप्यूटर को हैक कर सकते हैं।
3. **क्लिक जैकिंग–** यह इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर वाले लिंक पर क्लिक करने या अनजाने में सोशल मीडिया साइटों पर निजी जानकारी साझा करने के लिए लुभाता है।
4. **डिनायल ऑफ सर्विस–** यह किसी सेवा को बाधित करने के उद्देश्य से कई कम्प्यूटरों और मार्गों से वेबसाईट जैसी किसी विशेष सेवा को ओवरलोड करने का जानबूझ कर किया जाने वाला कृत्य है।
5. **मैन इन मिडिल अटैक–** इस तरह के हमले में दो पक्षों के बीच संदेशों को पारगमन के दौरान इंटरसेप्ट किया जाता है।
6. **क्रिप्टो जैकिंग–** क्रिप्टो–जैकिंग शब्द क्रिप्टोकरेंसी की निकटता से सम्बद्ध है। क्रिप्टोजैकिंग वह स्थिति है जब हमलावर क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग के लिए किसी और के कंप्यूटर का उपयोग करते हैं।
7. **जीरो डे वल्नरेबिलिटी–** जीरो डे वल्नरेबिलिटी मशीन का उपयोग हैकर द्वारा किया जा सकता है जो इसके बारे में जानता है।

भारत में हाल में हुए साइबर हमले:–

वर्ष 2020 में लगभग 82% भारतीय कंपनियों को रैनसमवेयर हमलों का सामना करना पड़ा।

1. मई 2017 में भारत के 5 प्रमुख शहर (कोलकाता, दिल्ली, भुवनेश्वर, पुणे और मुंबई) Wanncry रैनसमवेयर हमले से प्रभावित हुए।

2. हाल में एम्स दिल्ली पर रैनसमवेयर हमला हुआ है। देश के इस शीर्ष चिकित्सा संस्थान के सर्वर पर रैनसमवेयर हमले के बाद लाखों मरीजों का डेटा खतरे में है।

3. वर्ष 2021 में एक हाई प्रोफाइल भारत आधारित भुगतान कंपनी श्रनेचंल को डेटा उल्लंघन का सामना करना पड़ा जिसमें 35 मिलियन ग्राहक प्रभावित हुए।

4. फरवरी 2022 में एयर इंडिया को एक बड़े साइबर हमले का सामना करना पड़ा जहाँ लगभग 4.5 मिलियन ग्राहक रिकॉर्ड के लिए खतरा उत्पन्न हुआ। यहां पासपोर्ट, टिकट और क्रेडिट कार्ड संबंधी सूचना लीक हुई।

भारत में साइबर अटैक से संबंधित चुनौतियां–

नागरिकों के डिजिटल एकीकरण के साथ भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था फूली–फली है। लेकिन इसने डेटा चोरी का खतरा भी पैदा किया है। विदेशी स्त्रो से प्राप्त हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर या भारत के बाहर सर्वरों पर भारी मात्रा में डेटा की पार्किंग हमारे राष्ट्रीय साइबर स्पेस के लिए खतरा पैदा करता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वचालित घातक हथियार प्रणाली के निर्माण में सक्षम है जो मानव संलग्नता के बिना ही जीवन को नष्ट कर सकता है।

नकली डिजिटल मुद्रा और नवीनतम साइबर प्रौद्योगिकों की सहायता से बौद्धिक संपदा की चोरी जैसी अवैध गतिविधियों की भेद्यता से भी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न हुआ है।

विदेशी हार्डवेयर विशेषकर चीनी हार्डवेयर पर भारत की निर्भरता एक अतिरिक्त भेद्यता का निर्माण करती है।

साइबर सुरक्षा युक्तियां/सतर्कता ही निदान– साइबर सुरक्षा को लेकर हर जगह पर सतर्कता जरुरी है। बदलते परिवेश में अपराधी ऑनलाइन धोखाधड़ी के नए–नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में सभी को इस प्रकार की आपराधिक गतिविधियों का शिकार होने से बचने के लिए सतर्क रहना होगा। ई–मेल आईडी हैकिंग, वेबसाईट हैकिंग, साइबर स्टाकिंग, साइबर डिफेमेशन, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड डेटा थेफ्ट, डेबिट क्रेडिट–कार्ड क्लोनिंग, मोबाइल से सम्बंधित क्राइम, ई–कॉमर्स धोखाधड़ी सहित कई अन्य तरह के साइबर क्राइम व इससे बचाव के बारे में सभी को आवश्यक जानकारी होनी चाहिए। ऑनलाइन फ्रॉड डेमो सरकार द्वारा जनहित में प्रदर्शित किए जाने चाहिए, जिससे जनता को यह पता चले कि किस प्रकार अपराधी झांसा देकर साइबर क्राइम को अंजाम देते हैं।

व्यवसाय और व्यक्ति साइबर खतरों से कैसे बचें इसकी कुछ साइबर युक्तियाँ इस प्रकार हैं:–

1. **अपने सॉफ्टवेयर और ऑपरेटिंग सिस्टम को अपडेट रखें:–** इसका मतलब है कि आपको नवीनतम सुरक्षा पिच का लाभ मिलेगा।

2. **एंटी वायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग करें:–** एंटी वायरस सॉफ्टवेयर सुरक्षा समाधान खतरों का पता लगाएंगे और उन्हें हटा देंगे। सुरक्षा के सर्वोत्तम स्तर के लिए अपने सॉफ्टवेयर को अपडेट रखें। कम्यूटर में सदैव एंटी वायरस का इस्तेमाल करना चाहिए।

3. **मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें:–** सुनिश्चित करें कि आपके पासवर्ड का आसानी से अनुमान न लगाया जा सके। पासवर्ड में हमेशा 2 फैक्टर या मल्टीफैक्टर वेरिफिकेशन रखना चाहिए।

4. **अज्ञात प्रेषकों से प्राप्त ई–मेल अटैचमेंट ना खोलें:–** ये मैलवेयर से संक्रमित हो सकते हैं।

5. **अज्ञात प्रेषकों या अपरिचित वेबसाइटों से प्राप्त ई–मेल में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें:–** यह मैलवेयर फैलाने का सामान्य तरीका है।

6. **सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षित वाई–फाई नेटवर्क का उपयोग करने से बचें:–** असुरक्षित नेटवर्क आपको मैन इन द मिडिल हमलों के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। व्यक्ति को फ्री वाई–फाई का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। इससे व्यक्ति का फोन हैक हो सकता है और उसका महत्वपूर्ण डेटा चोरी हो सकता है।

7. डेबिट कार्ड भी हमेशा चिप वाला ही इस्तेमाल करें।

भारत सरकार द्वारा की गयी पहल:–

1. **भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (Indian Cyber Crime Co ordination Centre-I4C):–** हाल ही में केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा साइबर क्राइम से निपटने के लिए I4C की स्थापना की गई। इस योजना को सम्पूर्ण भारत में लागू किया गया है। इस योजना के प्रमुख घटकों में हैं– नैशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग यूनिट, नैशनल साइबर थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट, संयुक्त साइबर अपराध के लिए जांच दल नैशनल साइबर क्राइम रिपोर्ट पोर्टल इत्यादि। फिलहाल 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने क्षेत्रीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र स्थापित करने के लिए अपनी सहमति व्यक्त की है। इसका अत्याधुनिक केंद्र दिल्ली में स्थित है।

2. **भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (CERT-In)**– इसका गठन सन् 2004 में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया था। इसका संचालन भी इसी के द्वारा किया जाता है। इनके मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:–

- ✓ कंप्यूटर की सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं के सन्दर्भ में कार्यवाही करना।
- ✓ देश भर में आई–टी की सुरक्षा के सम्बन्ध में प्रभावी कार्यों को बढ़ावा देना।

3. **सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता परियोजना और साइबर स्वच्छता केंद्र की स्थापना** – भारत सरकार इस परियोजना के तहत जन साधारण में सूचना प्रौद्योगिकी से बढ़ते अपराध के बारे में जागरूकता फैलाने का प्रयास कर रही है। देश में साइबर अपराधों से समन्वित तरीके से निपटने के लिए साइबर स्वच्छता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं।

4. साइबर सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकार की ओर से प्रयास जारी हैं। कैशलेस अर्थव्यवस्था को अपनाने की दिशा में बढ़ने के लिए भारत में साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। डिजिटल भारत की सफलता काफी हद तक साइबर सुरक्षा पर निर्भर करेगी अतः भारत को इस दिशा में तीव्र गति से कार्य करना होगा।

आंसुओं की झड़ी

बाबा की आंखों में
आंसुओं की झड़ी थी ।
बात बड़ी छोटी
मगर पीड़ा बहुत बड़ी थी ।

बेटा! पचास साल कमाया है
खून–पसीना बहाया है
छोड़ गए मेरी कमाई पर पलने वाले
बाबा, बुढ़ापे का सहारा
अब तुम्हारे पास, यह छड़ी है ।

बाबा के नैनों से बरस रही थी
सावन–भादो की झड़ी ।
घुटने से लाचार हूं
दो वक्त के खाने को बेजार हूं ।
छोड़ गई वह भी मुझे
जिससे सात जन्मों की
जोड़ी लड़ी थी।

बाबा ने खुद को तसल्ली के
बाम से सहलाया था ।
दो मंजिलें मकान की यह दीवारें
अब मुझे सहलाती हैं ।

बाबा! कितने जतन से
तुमने हमें मकान की
मजबूत नींव में ढलवाया था
अब आँखों की तरह टपक जाता है
छत का कोई कोना ।

मगर ईंट–गारा–मिट्टी
बड़ी वफा से साथ निभाते हैं
इधर–उधर से छितरकर
उस दरार को भर जाते हैं ।

बाबा ने छत को गौर से निहारा था
इस पर मैंने धन–दौलत,
जवानी सब वारा था
यह वक्त की घड़ी है
इसी छत को मेरी पड़ी है ।

बाबा ने ठंडी सांस को छोड़ा था
जब एक–एक करके
सबने मुख मोड़ा था
इसके जर्रे–जर्रे ने
दिल से नाता जोड़ा था ।

बाबा तुम्हारे टूटने–बिखरने से
हमारा अस्तित्व भी
टूट–बिखर जाएगा
परदेसी बाबू तो
यहां लौटकर नहीं आएगा।

सहारे की एकमात्र छड़ी
छत और बाबा के नैनन की
अविरल झड़ी के त्रिवेणी संगम से
मिल रही अंतिम सुरों की कड़ी थी।

अर्चना कोचर
प्रबंधक (सेवानिवृत्त)
एलडीएम ऑफिस, रोहतक

बैंक और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन

डॉ सविता, विपणन अधिकारी, सीएसी लुधियाना

धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन बैंकिंग क्षेत्र के भीतर समग्र जोखिम प्रबंधन का मूलभूत पहलू है। भारत में सभी बैंक धोखाधड़ी गतिविधियों को रोकने, इनका पता लगाने और इनकी तत्काल सूचना देने के लिए आरबीआई द्वारा निर्धारित प्रक्रिया एवं दिशानिर्देशों का पालन करते हैं। धोखाधड़ी की अग्रसक्रिय रोकथाम करने, इसका शीघ्र पता लगाने और त्वरित रिपोर्टिंग करने पर जोर देने वाले इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य वित्तीय संस्थानों की अखंडता बनाए रखना और बैंकों एवं उनके समस्त हितधारकों के हितों की रक्षा करना है। आरबीआई द्वारा स्थापित नीतिगत ढांचा कई प्रमुख सिद्धांतों पर केंद्रित है और संभावित धोखाधड़ी के आरंभिक चेतावनी संकेतों की पहचान करने के महत्व को प्रमुखता से रेखांकित करता है। इस अग्रसक्रिय दृष्टिकोण को अपनाकर बैंक सुधारात्मक उपायों को तेजी से लागू कर पाते हैं, जिससे धोखाधड़ी के जोखिम को कम किया जा सकता है।

धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन– परिभाषा

बैंकिंग में धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन का तात्पर्य वित्तीय संस्थानों द्वारा धोखाधड़ी गतिविधियों से जुड़े जोखिमों की पहचान, आकलन, शमन एवं निगरानी के लिए अपनाए जाने वाले व्यवस्थित दृष्टिकोण से है जिसमें विभिन्न तरह की ऐसी नीतियाँ, रणनीतियाँ, प्रक्रियाएं और प्रौद्योगिकियां शामिल होती हैं जिनका उद्देश्य ऐसी धोखाधड़ी का पता लगाना और उसे रोकना है, जिससे बैंक को वित्तीय या प्रतिष्ठात्मक हानि अथवा कानूनी देनदारियों का सामना करना पड़ सकता है। धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन का लक्ष्य बैंक एवं ग्राहकों की संपत्तियों और हितों की सुरक्षा करना, विनियामक दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना और वित्तीय प्रणाली की अखंडता बनाए रखना होता है।

धोखाधड़ी – वर्गीकरण

बैंकिंग क्षेत्र में धोखाधड़ी को सामान्य रूप से आंतरिक या बाहरी रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

1. आंतरिकः

आंतरिक धोखाधड़ी में बैंककर्मियों की संलिप्तता होती है जिनकी कार्यप्रणाली निम्नवत रहती हैः

(i) **पद एवं परिसंपत्तियों का दुरुपयोगः** आधिकारिक पद एवं बैंक की संपत्तियों का दुरुपयोग निजी लाभ के लिए किया जाता है।

(ii) **जालसाजीः** अनधिकृत लेनदेन को अधिकृत बनाने के लिए जाली दस्तावेजों और हस्ताक्षरों का प्रयोग किया जाता है।

(iii) **उपेक्षाः** अवैध गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए स्थापित प्रक्रियाओं, प्रणालियों एवं आंतरिक नियंत्रणों को दरकिनार किया जाता है।

2. बाह्यः

बाहरी धोखाधड़ी में अक्सर ग्राहक, थर्ड पार्टी, अन्य बाहरी लोग या पेशेवर समूह शामिल होते हैं जिनकी कार्यप्रणाली निम्नवत रहती हैः

(i) **पहचान की चोरीः** अनधिकृत रूप से चुराई गई व्यक्तिगत जानकारी का उपयोग वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किया जाता है।

(ii) **कार्ड धोखाधड़ीः** नकली डेबिट/क्रेडिट कार्ड बनाकर अनाधिकृत धन–निकासी अथवा खरीद आदि का कार्य किया जाता है।

(iii) **फिशिंग एवं साइबर हमलेः** धोखाधड़ीयुक्त संचार के माध्यम से संवेदनशील बैंकिंग जानकारी तक पहुंच प्राप्त की जाती है।

साथ ही, भारतीय दंड संहिता (तत्कालीन) के प्रावधानों के अनुसार, वित्तीय धोखाधड़ी को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता हैः

- दुर्विनियोजन एवं आपराधिक न्यासभंग।
- जाली दस्तावेजों, खाता बहियों में हेराफेरी, अवास्तविक खातों और संपत्ति रूपांतरण द्वारा धोखाधड़ी।
- अवैध प्रतिफल या परितोषण के लिए दी गई अनाधिकृत ऋण सुविधाएं।

- लापरवाही और नकदी कम हो जाना।
- धोखाधड़ी और जालसाजी।
- विदेशी मुद्रा लेनदेन में अनियमितताएं।
- किसी अन्य प्रकार की धोखाधड़ी जो उपरोक्त विशिष्ट शीर्षकों के अंतर्गत नहीं आती है।

धोखाधड़ी के स्रोतों का पता लगाना

विभिन्न संकेतों द्वारा धोखाधड़ी गतिविधियों का पता लगाया जा सकता है। इनमें शामिल हैं:

- ग्राहक शिकायतें
- जांच एजेंसियों से प्राप्त अलर्ट
- मीडिया रिपोर्ट
- व्हिसल ब्लोअर शिकायतें
- सत्यापन योग्य तथ्यों युक्त गुमनाम/छद्मनाम शिकायतें
- लेखापरीक्षा एवं निरीक्षण (आंतरिक तथा बाह्य)
- ग्राहक सूचनाओं का आवधिक सत्यापन
- कार्यालय खातों का मिलान
- नियंत्रक/नियामक प्राधिकारियों के दौरों के दौरान अवलोकन
- प्रभार में समय–समय पर परिवर्तन
- रेड–फ्लैग्ड खाते

धोखाधड़ी की पहचान करना एवं धोखाधड़ी घोषित करना

सभी राशियों के सभी मामलों को, धोखाधड़ी की राशि पर ध्यान दिए बिना, गहन जांच के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए जिससे यह निर्धारित किया जा सके कि वे धोखाधड़ी है या नहीं। इनमें वे सभी मामले शामिल हैं जिनमें धोखाधड़ी संदिग्ध है या स्थापित है, केंद्र/राज्य की एजेंसियों द्वारा जांच आरंभ कर दी गई है, अन्य बैंकों/कंसोर्टियम/ग्राहकों द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है, या फिर भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा तदनुसार निर्देशित किया गया है। लेखापरीक्षा के दौरान संज्ञान में आए संदिग्ध मामलों को लेखापरीक्षा रिपोर्ट में 'संदिग्ध धोखाधड़ी' के रूप में दर्ज किया जाता है।

धोखाधड़ी की सूचना देना

- बैंकों को ₹1.00 लाख एवं अधिक राशि की धोखाधड़ी का पता लगते ही तुरंत इसकी सूचना निदेशक मंडल को देनी होती है।
- धोखाधड़ी संबंधी सूचना आमतौर पर निदेशक मंडल की लेखापरीक्षा समिति के समक्ष तिमाही आधार पर प्रस्तुत की जाती है।
- बैंकों को धोखाधड़ी मामलों की वार्षिक समीक्षा कर इसका सारांश सूचनात्मक उद्देश्यों से निदेशक मंडल को उपलब्ध कराना चाहिए।

धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन के मुख्य स्तंभ:

बैंक धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन के लिए बहुस्तरीय दृष्टिकोण अपनाते हैं, जिसमें से प्रत्येक स्तंभ ग्राहकों की जमा पूंजी की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन आवश्यक घटकों में से कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं:

1) जोखिम मूल्यांकन एवं प्रोफाइलिंग

बैंक के संचालन में संभावित कमजोरियों की पहचान करने और उन्हें समझने के लिए व्यापक जोखिम मूल्यांकन अत्यधिक आवश्यक है। ऐतिहासिक डेटा, नई प्रवृत्तियों और विनियामक आवश्यकताओं का विश्लेषण करके बैंक जोखिम प्रोफ़ाइलिंग कर सकते हैं जिसमें धोखाधड़ी गतिविधियों के अतिसंवेदनशील क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जा सकती है। ऐसा करने से चिह्नित जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए अग्रसक्रिय उपायों को समय से लागू करना संभव हो जाता है।

2) कर्मचारी एवं कार्य संस्कृति

- **कर्मचारी प्रशिक्षण:** नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों को रेड फ्लैग्स तथा संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने का ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। इनमें डेटा सुरक्षा के सर्वोत्तम तरीकों को अपनाना, धोखाधड़ी के सामान्य दांव पेंचों को पहचानना तथा रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं को समझना शामिल हैं। बैंक के अंदर विभिन्न स्तरों एवं भूमिकाओं के अनुसार अलग–अलग प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाया जाना चाहिए जिससे बैंक की सुदृढ़ धोखाधड़ी प्रबंधन प्रणाली में सभी कर्मचारियों का सक्रिय योगदान सुनिश्चित किया जा सके।
- **रिपोर्टिंग को प्रोत्साहन:** रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं को स्पष्ट बनाकर, आधिकारिक संपर्क चैनलों को निर्बाध बनाकर और ससमय सटीक रिपोर्टिंग के लिए यथासंभव प्रोत्साहन देकर किसी भी संदिग्ध गतिविधि की शीघ्र सूचना देने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- **जागरुकता कार्यक्रम:** धोखाधड़ी के प्रति जागरुकता

की संस्कृति को समग्र स्तरों पर व्यापक रूप से बढ़ावा देने की दिशा में बैंक सामान्य धोखाधड़ी कार्यविधियों के बारे में अपने ग्राहकों को शिक्षित करने के लिए भी सूचनात्मक ब्रोशर, ऑनलाइन संसाधन और सोशल मीडिया अभियान जैसे जागरुकता कार्यक्रम चला सकते हैं। ग्राहकों को सतर्कता की दृष्टि से सशक्त बनाना धोखाधड़ी प्रयासों के विरुद्ध सुरक्षा कवच को अभेद्य बना देता है।

3) नीतियां एवं कार्यविधियां

- **खाता खोलना:** खाता खोलने की सुव्यवस्थित, स्पष्ट और सख्त प्रक्रिया धोखाधड़ी के खिलाफ पहला सुरक्षा कवच है जिसमें उचित दस्तावेज़ों के जरिए ग्राहक की पहचान सत्यापित करना, केवाईसी दिशानिर्देश लागू करना, सीडीडी एवं सीआईपी प्रक्रियाओं का अनुपालन करना तथा आवश्यकतानुसार ग्राहक पृष्ठभूमि की जांच करना शामिल हैं।
- **लेनदेन निगरानी:** बैंक लेनदेन की निगरानी के लिए स्पष्ट नियम और सीमाएँ निर्धारित करते हैं जो व्यय सीमा से अधिक लेनदेन, असामान्य स्थानों से उत्पन्न होने वाले लेनदेन या उच्च जोखिम ग्राहकों से जुड़े लेनदेन के लिए अलर्ट ट्रिगर कर सकते हैं। सुपरिभाषित निगरानी प्रक्रिया से अलर्ट उत्पन्न होने पर अविलंब समीक्षा एवं उचित कार्रवाई सुनिश्चित होती है।
- **धोखाधड़ी जांच:** संदिग्ध धोखाधड़ी का मामला सामने आने पर स्पष्ट जांच प्रक्रिया आवश्यक होती है। इसमें साक्ष्य एकत्र करना, लेनदेन के आंकड़ों का विश्लेषण करना और यथावश्यक रूप से विधि प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करना शामिल है। धोखाधड़ीयुक्त लेनदेन का निपटान करने और पीड़ितों को तुरंत मुआवजा देने के लिए बैंक में सुस्पष्ट प्रक्रियाएं होनी चाहिए।

4) प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषिकी

- **डेटा सुरक्षा:** एन्क्रिप्शन और एक्सेस कंट्रोल जैसे मजबूत डेटा सुरक्षा उपायों को लागू करने से संवेदनशील ग्राहक जानकारी सुरक्षित रहती है। नियमित सुरक्षा लेखापरीक्षा और जोखिम मूल्यांकन बैंक के तकनीकी बुनियादी ढांचे में संभावित कमजोरियों की पहचान कर उन्हें दूर करने में मदद करते हैं।
- **धोखाधड़ी पहचान प्रणालियाँ:** मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से धोखाधड़ी का पता लगाने वाली उन्नत प्रणालियाँ लेनदेन के अत्यधिक विशाल डेटा समूह का वास्तविक समय में विश्लेषण करती हैं और उन पैटर्न एवं विसंगतियों की पहचान कर लेती हैं जो धोखाधड़ी गतिविधि का संकेत हो सकती हैं।

5) विनियामक अनुपालन

धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में विनियामक आवश्यकताओं का अनुपालन अपरिहार्य है। विनियामक संस्थाएं डेटा सुरक्षा, ग्राहक प्रमाणीकरण और धोखाधड़ी पहचान के निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश और आदेश लागू करती हैं। बैंकों को ऐसी परिवर्तनशील विनियामक रूपरेखाओं से अवगत रहना चाहिए और अपनी धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन रणनीतियों को अग्रसक्रिय रूप से इनके अनुसार बदलते रहना चाहिए।

इन स्तंभों को प्रभावी ढंग से एकीकृत करके, बैंक एक व्यापक और गतिशील धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन ढांचा बना सकते हैं जो ग्राहकों और संस्थान दोनों की सुरक्षा करता है।

धोखाधड़ी रोकथाम की अग्रसक्रिय रणनीतियाँ

प्रभावी धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रतिक्रियात्मक न होकर अग्रसक्रिय होता है जिसकी कुछ प्रमुख रणनीतियाँ इस प्रकार हैं:

- **ग्राहक प्रमाणीकरण:** बहुकारक प्रमाणीकरण (एमएफए) जैसी मजबूत प्रमाणीकरण विधियों को लागू करने से अनाधिकृत पहुंच का जोखिम काफी कम हो जाता है।
- **लेनदेन की निगरानी:** बैंक स्थापित व्यय पैटर्न से विचलन की दृष्टि से खातों की गतिविधि की निरंतर निगरानी करते हैं। व्यय सीमा से अधिक लेनदेन होने, असामान्य स्थान से लेनदेन होने, या लेनदेन आवृत्ति में अचानक परिवर्तन होने पर अलर्ट ट्रिगर होते हैं।
- **डेटा सुरक्षा:** मजबूत डेटा एन्क्रिप्शन प्रथाएं ग्राहक की जानकारी को अनधिकृत पहुंच या उल्लंघन से सुरक्षित रखती हैं।
- **ग्राहक शिक्षा एवं जागरुकता:** ग्राहकों को सामान्य धोखाधड़ी की रणनीति के बारे में शिक्षित करने से वे संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पहचान कर उसकी सूचना दे पाते हैं।

अपने कर्मचारियों के बीच अनुपालन की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बैंक निवारक सतर्कता समितियों, व्हिसल ब्लोअर हॉटलाइन, वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और नैतिकता संहिता एवं नीति जैसे उपायों को लागू करते हैं। बैंक का परिचालन जोखिम प्रबंधन (ओआरएम) विभाग धोखाधड़ी के प्रशिक्षण, निगरानी एवं

रिपोर्टिंग की रूपरेखा बनाने, पारदर्शिता को प्रोत्साहित करने, और आंतरिक एवं बाह्य रूप से धोखाधड़ीयुक्त व्यवहार पर अंकुश लगाने वाली संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में अन्य कार्यालयों/विभागों के साथ समन्वय करता है।

धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन का भविष्य

बैंकों में धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन का भविष्य प्रौद्योगिकीय प्रगति, विनियामक सुधारों और धोखाधड़ी की उभरती हुई रणनीतियों द्वारा निर्धारित होगा। धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन से जुड़ी प्रमुख प्रवृत्तियों एवं नवाचारों में शामिल हैं:

- **एआई और मशीन लर्निंग:** एआई और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम भीमकाय डेटा का वास्तविक समय में विश्लेषण करके और धोखाधड़ी गतिविधियों के संकेत देने वाले जटिल पैटर्न की पहचान करके धोखाधड़ी का पता लगाने और उसे रोकने की क्षमताओं को बढ़ाता है।
- **ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी:** ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी अपरिवर्तनीय एवं पारदर्शी लेनदेन रिकॉर्ड उपलब्ध कराके धोखाधड़ी जोखिम को कम करती है जिससे धोखाधड़ी या हेरफेर की संभावना कम हो जाती है।
- **बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण:** फिंगरप्रिंट/रेटिना स्कैनिंग, चेहरे/आवाज की पहचान आदि जैसी बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण विधियां उपयोगकर्ता के सत्यापन के लिए विशिष्ट संकेत प्रदान कर उन्नत सुरक्षा उपाय उपलब्ध कराती हैं।
- **विनियामक अनुपालन स्वचालन:** तकनीकी समाधानों के उपयोग के माध्यम से विनियामक अनुपालन प्रक्रियाओं का स्वचालन अनुपालन को सुव्यवस्थित करता है, परिचालन लागत को कम करता है और बदलती विनियामक आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करता है।

निष्कर्ष

संक्षेप में, धोखाधड़ी गतिविधियों के बढ़ते खतरे का मुकाबला करने की दिशा में बैंकों के लिए धोखाधड़ी जोखिम का सतत एवं प्रभावी प्रबंधन महत्वपूर्ण है। धोखाधड़ी का पता लगाने और इसकी रोकथाम करने के अग्रसक्रिय उपायों को अपनाकर बैंक जोखिमों को कम कर सकते हैं, हितधारकों के हितों की रक्षा कर सकते हैं और अपनी प्रतिष्ठा एवं वित्तीय अखंडता को बनाए रख सकते हैं। धोखाधड़ी के उभरते खतरों से लड़ने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी को अपनाना, आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और नियामक आवश्यकताओं का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। इस प्रकार, धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एक सतत प्रक्रिया है जिसके लिए निरंतर सतर्कता, अनुकूलन और अनुपालन की आवश्यकता होती है। समग्र रूपरेखा और ग्राहक सतर्कता के साथ धोखाधड़ी का प्रभावी ढंग से सामना, संपत्तियों की सुरक्षा और सुरक्षित वित्तीय वातावरण की स्थापना अवश्यम्भावी है।

मेरी माँ जादू जानती है

पुराने स्वेटर उधेड़ नये स्वेटर बना देती है।
पुराने शिकवे भुला के नई कहानियां बना देती है।

सबसे पहले तो वो स्वेटर के दोनों ओर पड़ी सख्त
पुरानी गांठों को काट फेंकती है।

पुराने दर्द, पुराने ज़ख्मों के निशां को मिटा फेंकती है।
फिर उस खुले ऊन के रेशों को घुटनों के चारों
ओर गोल– गोल लपेट स्वेटर उधेड़ती चली जाती है।

बीती बातों के संग मन की गलियों में गोल–गोल चक्कर लगाती है।
ये बीती बातें भी ऊन पर पड़ी बनावट जैसी जिद्दी होती हैं।

पर मेरी माँ तो जादू जानती है।
उबलते पानी पर छलनी रख उस उधड़ी
पुरानी ऊन को सेंक देती है।

जैसे जिन्दगी की जद्दोजहद पुरानी उलझनों को भुला देती है।
फिर उस सिकी, सीधी ऊन को नई सिलाइयों
में पिरो देती है।

कभी आगे, कभी पीछे कर,
कभी गिरा कर तो कभी उठा कर नया रूप दे देती है।

मेरी माँ जादू जानती है।
पुराने स्वेटर उधेड़ नये स्वेटर बना देती है।

पुराने शिकवे भुला के नई कहानियां बना देती है।

परमिंदर कौर
वरिष्ठ प्रबंधक (सू. प्रौ.)
केंद्रीय सहायता डेस्क, डेटा सेंटर
दिल्ली

प्रधान कार्यालय में राजभाषा समारोह का भव्य आयोजन

पंजाब नैशनल बैंक के समस्त अंचल, मंडल और शाखाओं में सितंबर माह को हिंदी माह के रूप में मनाया जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बैंक द्वारा प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली में हिंदी माह के उपलक्ष्य में राजभाषा समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल ने की। इस अवसर पर बैंक के कार्यपालक निदेशकगण, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री राघवेन्द्र कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधकगण, महाप्रबंधकगण एवं विभिन्न अंचलों से पधारे पुरस्कार विजेता अंचल प्रबंधक भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ दीप प्रज्ज्वलित कर राजभाषा समारोह का शुभारंभ करते हुए। दृष्टव्य हैं कार्यपालक निदेशकगण, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र तथा सीवीओ, श्री राघवेन्द्र कुमार।

समारोह का उद्घाटन सत्रः–

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ तथा शीर्ष कार्यपालकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। तदोपरान्त स्टाफ सदस्यों द्वारा सरस्वती वंदना तथा नृत्य प्रस्तुति दी गई। इसके बाद राजभाषा विभाग की विभागीय प्रमुख, श्रीमती मनीषा शर्मा ने ऑडियो एवं वीडियो के माध्यम से समस्त राजभाषा गतिविधियों की एक रिपोर्ट सभी स्टाफ सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय ने सर्वप्रथम चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में वर्ष 2023–24 हेतु पंजाब नैशनल बैंक को प्राप्त 02 'राजभाषा कीर्ति' पुरस्कार, बैंक की पत्रिका पीएनबी प्रतिभा को 'राजभाषा कीर्ति' प्रथम पुरस्कार और बैंक को 'राजभाषा कीर्ति' द्वितीय पुरस्कार प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए समस्त स्टाफ सदस्यों को हार्दिक बधाई दी उन्होंने कहा कि पीएनबी राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है तथा बैंक द्वारा ग्राहकों को डिजिटल सुविधाएं हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं में दी जा रही हैं। बैंक के कार्यपालक निदेशक महोदय श्री बिनोद कुमार ने सभी स्टाफ सदस्यों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलवाई।

नृत्य प्रस्तुति देते हुए स्टाफ सदस्याएं।

पीएनबी आरंभ ऐप के राजभाषा माड्यूल का शुभारंभ करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ। दृष्टव्य हैं कार्यपालक निदेशकगण, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र तथा सीवीओ, श्री राघवेन्द्र कुमार एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

"पीएनबी प्रतिभा" के नए अंक का विमोचन तथा "पीएनबी आरंभ ऐप" का शुभारंभः–

बैंक के डिजिटलीकरण के अभियान के अंतर्गत राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय द्वारा 'पीएनबी आरंभ' ऐप के राजभाषा माड्यूल का शुभारंभ किया गया। इस पहल के अंतर्गत राजभाषा हिंदी के अनुपालन हेतु राजभाषा गतिविधियों की जानकारी को प्रभावी रूप से डिजिटल, अद्यतित और पारदर्शी बनाने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा प्रधान कार्यालय की गृह पत्रिका 'पीएनबी प्रतिभा' के नवीन अंक "सतर्कता एवं राजभाषा विशेषांक" का विमोचन माननीय एमडी एवं सीईओ, कार्यपालक निदेशकगणों, सीवीओ महोदय के करकमलों द्वारा किया गया।

कवि सम्मेलन में अतिथि कवियों द्वारा प्रस्तुतिः–

राजभाषा समारोह के अगले चरण में सुप्रसिद्ध कवि श्री दीपक गुप्ता, श्री चिराग जैन एवं कवयित्री सुश्री मनीषा शुक्ला ने अपनी कविताओं द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रख्यात गायक श्री अदनान अहमद ने अपने गीतों और ऊर्जावान प्रस्तुति से राजभाषा समारोह की गीत संध्या को गरिमामय बनाते हुए चार–चाँद लगा दिए तथा दर्शकों को अपने गीतों पर थिरकने पर मजबूर कर दिया।

लाला लाजपत राय राजभाषा शील्ड का वितरणः–

वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधान कार्यालय के विभिन्न प्रभागों/विभागों, अंचल कार्यालयों तथा प्रशिक्षण केन्द्रों को विभिन्न विधाओं में लाला लाजपत राय शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र एमडी एवं सीईओ, कार्यपालक निदेशकगण द्वारा प्रदान किये गए।

पीएनबी प्रतिभा के नवीन अंक का विमोचन करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ, कार्यपालक निदेशकगण, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र तथा सीवीओ, श्री राघवेन्द्र कुमार, श्री एस.के. राणा, मुख्य महाप्रबंधक, श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा)।

प्रधान कार्यालय के राजभाषा विभाग की विभागीय प्रमुख, श्रीमती मनीषा शर्मा द्वारा राजभाषा समारोह में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

राजभाषा समारोह के दौरान प्रस्तुति देते हुए सुप्रसिद्ध कवि श्री दीपक गुप्ता, श्री चिराग जैन, कवयित्री सुश्री मनीषा शुक्ला तथा प्रख्यात गायक, श्री अदनान अहमद।

राजभाषा समारोह के दौरान विजेताओं को लाला लाजपत राय शील्ड तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं कार्यपालक निदेशकगण, श्री बिनोद कुमार व श्री बी.पी. महापात्र।

राजभाषा समारोह के दौरान श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं कार्यपालक निदेशकगण, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी.पी. महापात्र तथा श्री एस.के. राणा, मुख्य महाप्रबंधक के साथ टीम राजभाषा।

पेरिस ओलम्पिक 2024 में उत्कृष्ट योगदान देने वाले हॉकी खिलाड़ियों का सम्मान

बैंक द्वारा प्रधान कार्यालय द्वारका में पेरिस ओलम्पिक 2024 में भारतीय राष्ट्रीय हॉकी टीम के दो खिलाड़ियों श्री अभिषेक और श्री सुखजीत सिंह जोकि पीएनबी के स्टाफ सदस्य भी हैं को माननीय एमडी एवं सीईओ महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। दोनों खिलाड़ियों श्री अभिषेक (राष्ट्रमंडल खेल 2022 रजत पदक विजेता, एशियाई खेल 2022 स्वर्ण पदक विजेता, एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी 2024 स्वर्ण पदक विजेता) और श्री सुखजीत सिंह (राष्ट्रमंडल खेल 2022 रजत पदक विजेता, एशियाई खेल 2022 स्वर्ण पदक विजेता, एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी 2023 और 2024 स्वर्ण पदक विजेता) को उनकी उपलब्धियों के लिए सराहना के प्रतीक स्वरुप प्रत्येक को 25 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि, दो अतिरिक्त वेतन वृद्धि और एक आउट ऑफ टर्न पदोन्नति प्रदान की गई। खेलों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए श्री संजय वार्ष्णेय, मुख्य महाप्रबंधक ने पीएनबी हॉकी अकादमी हेतु जूनियर हॉकी टीम के लिए 25 खिलाड़ियों तथा पूरे भारत में सीनियर हॉकी टीम के लिए 9 खिलाड़ियों की भर्ती की घोषणा की।

राजभाषा समारोह के दौरान हॉकी खिलाड़ियों श्री अभिषेक और श्री सुखजीत को पेरिस ओलंपिक 2024 में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं कार्यपालक निदेशकगण, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी.पी. महापात्र तथा श्री संजय वार्ष्णेय, मुख्य महाप्रबंधक।

अंचल कार्यालयों में राजभाषा समारोह की झलकियाँ

अंचल कार्यालय, गुवाहाटी

अंचल कार्यालय, जयपुर

अंचल कार्यालय, मुंबई

अंचल कार्यालय, रायपुर

अंचल कार्यालय, लुधियाना

अंचल कार्यालय, शिमला

अंचल कार्यालय, हैदराबाद

अंचल कार्यालय, दुर्गापुर

अंचल कार्यालयों में राजभाषा समारोह की झलकियाँ

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़

अंचल कार्यालय, भोपाल

अंचल कार्यालय, अमृतसर

अंचल कार्यालय, लखनऊ

अंचल कार्यालय, आगरा

अंचल कार्यालय, मेरठ

अंचल कार्यालय, दिल्ली

अंचल कार्यालय, कोलकाता

कठिनाइयां और सफलता

गजेन्द्र चौधरी, उप मण्डल प्रमुख (सहायक महाप्रबंधक), मण्डल कार्यालय–गाजियाबाद

आज के युग में प्रत्येक कार्य कठिनाइयां लिए होता है। हमसे आशा की जाती है कि कठिनाइयों से संघर्ष करके उन पर विजय प्राप्त करें। कठिनाई से प्राप्त वस्तु हमें अधिक आनंद देती है, उसका हमारे मन पर स्थायी प्रभाव पड़ता है। दुर्लभ वस्तु आनंद और सुख प्रदान करने वाली होती है लेकिन उसकी प्राप्ति कठिनाइयों का सामना करने के बाद ही होती है, जो इस बात का प्रमाण है कि हममें ऐसा कार्य करने की क्षमता है। कठिनाइयां संसार को गतिशील बनाए हुए है। इन्हीं के कारण मनुष्य को समय–समय पर अपनी कार्यकुशलता का परिचय देने का अवसर प्राप्त होता है। हमारे जीवन में कार्य करने की जागरुकता तथा उससे प्राप्त आनंद तभी स्थायी रहता है जब कार्यों में कष्टों का समावेश हो। इतिहास में प्रसिद्ध व्यक्तियों ने जो कष्ट सहे, वो कष्ट ही उन्हें अमर कर गए, वरना वे सामान्य व्यक्ति ही रह जाते। जैसेः महात्मा गांधी, छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप, लाल बहादुर शास्त्री आदि कष्ट सहने के कारण महान बने, अर्थात वे इन कठिनाइयों के बिना सामान्य व्यक्ति ही रहते। 'आग में तपकर ही सोना कुन्दन बनता है' अर्थात जिस तरह आग में तपकर ही सोने में निखार आता है, उसी तरह विपरीत परिस्थितियों में किसी इंसान की प्रतिभा निखरती है। कहने का अर्थ यह है कि जब मनुष्य किसी मुश्किल का सामना करता है तो वह मजबूत बन जाता है।

सफलता की पूर्ति निरंतर कार्य करने में है परंतु इस बीच हमें कठिनाइयों और कष्टों से बार–बार गुजरना पड़ता है। आकस्मिक कठिनाई उपस्थित होने पर हम उसे रोक नहीं सकते, लेकिन इसके रूप को समझ तो सकते हैं। तेज धूप घास को जला डालती है, लेकिन हमेशा के लिए घास समाप्त नहीं होती, वर्षा होने पर वह फिर से हरी–भरी हो जाती है। परमपिता परमात्मा ने जिसे जीवन दिया है वह तो जिएगा ही, उसे कोई मार नहीं सकता। प्रकृति का रहस्य बड़ा विचित्र है। वह विपत्ति का समाधान भी अपने आप प्रदान करती है। किसी भी कठिन– से–कठिन कार्य को सरल बना लेने का सबसे अच्छा उपाय यह है कि उसे शीघ्र ही करना आरंभ कर दिया जाए। कठिनाइयों की परवाह न करने वाले जो लोग इस निश्चय से कार्य में जुटे रहते हैं कि निर्धारित लक्ष्य को पूरा करना ही है, उन्हें कितना ही परिश्रम क्यों न करना पड़े, वे निर्धारित लक्ष्य को अवश्य पूरा कर लेते हैं। जो लोग कठिनाई के समक्ष हार नहीं मानते बल्कि निरंतर प्रयास करते रहते हैं, उन्हें सफलता अवश्य मिलती है। लक्ष्य की प्राप्ति ही हमारा ध्येय होना चाहिए। स्वामी विवेकानंद जी के शब्दों में:–

"उठो, जागो और तब तक मत रुको,
जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए"

जिसने काम करने का दृढ़ संकल्प कर लिया हो, उसके मार्ग में बाधाएं नहीं ठहर पाती। हमें कठिनाइयों से न घबराकर अपनी शक्ति में अटूट विश्वास रखना चाहिए। साहस एवं संकल्प से ही बाधा दूर होती है।

अडिग विश्वास, अदम्य साहस और सुनियोजित कार्यक्रम के साथ काम करने से लक्ष्य प्राप्त होता है। वास्तविकता यह है कि कठिनाइयां हमारे जीवन में वरदान की तरह हैं यह हमारे अंदर छिपी अद्भुत कार्यक्षमता को उजागर करने का अवसर प्रदान करती हैं। कठिनाइयों को कठिनाई के रूप में लेने वालों के लिए वह भयावह ही है। जीवन में हमें कभी भी कठिनाइयों से डरना नहीं चाहिए, बल्कि उनका डटकर सामना करना चाहिए।

रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित कविता 'काँटों में राह बनाते हैं' हमें यह प्रेरणा देती है कि कठिनाइयों में हमें भयभीत नहीं होना चाहिए, बल्कि धैर्यपूर्वक उनका सामना करना चाहिए।

सच है, विपत्ति जब आती है,
कायर को ही दहलाती है,

सूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।
है कौन विघ्न ऐसा जग में,
टिक सके आदमी के मग में?
खम ठोक ठेलता है जब नर
पर्वत के जाते पांव उखड़
मानव जब जोर लगाता है,
पत्थर पानी बन जाता है।

बिल्कुल सही बात है मानव के लिए कोई भी काम मुश्किल नहीं होता, बस मन में उस कार्य को पूरा करने का दृढ़ निश्चय और संकल्प होना चाहिए।

कठिनाइयों को दूर करने में किए जाने वाले श्रम एवं संघर्ष में एक अनोखा आनंद है। यदि उसमें कष्ट की अनुभूति होती है, तो यह हमारी मानसिक दुर्बलता है। अतः कठिनाई के भय से किसी काम को स्थगित कर देने का स्वभाव कार्यक्षमता को नष्ट कर देता है, हममें उत्साहहीनता और निराशा का भाव उत्पन्न कर देता है, अतः हमें धैर्य, साहस और दृढ़ता से परिस्थितियों के अनुसार अपने–आप को ढालने का प्रयत्न करना चाहिए। हमें उत्साह के साथ एकजुट होकर कठिनाइयों का सामना करने के लिए कटिबद्ध रहना चाहिए ताकि बैंक के उत्तरोत्तर विकास में हम अहम भूमिका निभा सकें।

अनुरोध

पीएनबी स्टाफ जर्नल/प्रतिभा के सुधि पाठकों से अनुरोध है कि इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों एवं रचनाओं के बारे में यदि आप अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराएंगे तो हम इसके लिए आपके आभारी होंगे। निःसंदेह इससे पत्रिका के आगामी अंकों को और सुन्दर तथा सुरुचिपूर्ण बनाने में हमें सहायता मिलेगी। आपके बहुमूल्य सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

पत्रिका में सभी स्टाफ सदस्यों, उनके परिवारजनों तथा सेवानिवृत स्टाफ सदस्यों की रचनाएं भी स्वीकार्य हैं। आप सभी के सहयोग से हम इस पत्रिका को एक पारिवारिक पत्रिका बनाने की ओर अग्रसर रहेंगे।

अंचल कार्यालयों में नियुक्त पीएनबी स्टाफ जर्नल के प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित मंडल कार्यालयों में नियुक्त अधिकारियों से पत्रिका में प्रकाशन योग्य सामग्री एकत्रित करके ई–मेल pnbstaffjournal@pnb.co.in पर या सहायक महाप्रबंधक, राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय, द्वारका, नई दिल्ली को भिजवाना सुनिश्चित करें।

पीएनबी प्रतिभा का आगामी अंक **"वित्तीय समावेशन एवं सरकारी कारोबार"** (जनवरी–मार्च 2025) के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

"ऐसा व्यक्तित्व बनाओ... उपस्थिति का पता न चले...! परन्तु अनुपस्थिति का एहसास अवश्य हो...!!"

जोखिम प्रबंधन

संदीप त्रिपाठी, वरिष्ठ प्रबन्धक, एफ.आर.एम.डी., प्रधान कार्यालय

सर्वप्रथम यह समझते हैं कि जोखिम प्रबंधन का शाब्दिक अर्थ क्या हैं?

प्रत्येक कार्य का अपना एक प्रभाव होता है सकारात्मक एवं नकारात्मक। विशिष्टतः प्रत्येक वित्तीय क्षेत्र में जोखिम की कई संभावनाए होती हैं। अतः जोखिम की ऐसी समस्त संभावनाओं एवं उसके प्रभाव को परखना और उसको नियंत्रित करना ही जोखिम प्रबंधन कहलाता है। उसी प्रकार हम यह कह सकते हैं कि जोखिम प्रबंधन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से किसी भी व्यवसाय तथा उद्योग में होने वाले नुकसान या क्षति की संभावना को कम किया जा सकता है।

बैंकिंग जोखिम प्रबंधन क्या है?

बैंकिंग क्षेत्र में कई प्रकार के जोखिम होते हैं, जिसे कुछ महत्वपूर्ण बिन्दुओं से समझा जा सकता हैः–

1. "ऋण जोखिम" (Credit risk)– ग्राहक द्वारा समय पर लोन को न चुका पाने पर उत्पन्न स्थिति जोखिम है।
2. "बाजार जोखिम" (Market risk)– जो कि बाजार में असंतुलन के परिणामस्वरूप उत्पन्न होता है।
3. "परिचालनात्मक जोखिम" (Operational risk)– किसी आंतरिक प्रक्रियाओं की विफलता मशीनरी की खराबी आदि के कारण उत्पन्न हुआ जोखिम तथा
4. अंतिम चरण में "प्रक्रियात्मक जोखिम" आता है, जिसमें उस क्षेत्र की सेवा या व्यक्ति की पहचान करनी होती है, जिनसे जोखिम की संभावना है।

अतः इन समस्त प्रकार के जोखिमों से होने वाली हानि की मात्रा को ज्ञात करना एवं उसके तहत जोखिम के प्रभाव से बैंक को बचाना, जोखिम के प्रभाव को कम करना और इससे निपटने के उपाय करना ही "बैंक जोखिम प्रबंधन" है।

इसके अतिरिक्त बैंक जोखिम प्रबंधन का एक प्रमुख कारक जोखिम के स्रोतों की पहचान करना है और इसका प्रतिकार करने के लिए कुशल योजनाओं को लागू करना है।

बैंकों में जोखिम प्रबंधन संबंधी नीतियाँ–

'ऋण जोखिम' (Credit Risk)

बैंकों ने समय के साथ–साथ ऋण जोखिम को वहन करने के संदर्भ में विभिन्न क्षमताएं विकसित की हैं, जिसका उपयोग तेजी से ऋण विस्तार के लिए किया जा सकता है।

छोटे आकार के ऋण आधुनिक संगणक एप्लीकेशन चालित हो सकते हैं, जबकि मध्यम और बड़े आकार के ऋणों के मामले में क्रेडिट मूल्यांकन के लिए विभिन्न कौशल सेटों की आवश्यकता होती है। बड़ी संख्या में छोटे आकार के ऋणों सहित उधारकर्ताओं की विशाल संख्या उधार की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है और इस सेगमेंट में खराब ऋणों को समुचित रूप से संभालने की जरूरत है।

वर्तमान में बैंकिंग क्षेत्र में बढ़ रहे विलय के चलते धीरे–धीरे एक त्रि–स्तरीय बैंकिंग संरचना विकसित हो रही है। अतंरराष्ट्रीय स्तर पर फैले और 100 खरब रुपये से अधिक की परिसंपत्ति वाले बड़े बैंक सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र दोनों में काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर के वाणिज्यिक बैंक जैसे मध्यम परिसंपत्ति वाले कुछ बैंक और बैंकों का एक तीसरा चरण– जिसमें क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, लघुवित्त बैंक, भुगतान बैंक, सहकारी बैंक और सहकारी ऋण समितियां शामिल हैं, इनकी ग्रामीण इलाकों में मजबूत उपस्थिति है। बैंकों की ये श्रेणियां नरसिंहन समिति–I (1991) की सिफारिशों के अनुरूप है।

अतः इस बात का मूल्यांकन जरूर किया जाना चाहिए कि क्या बड़े वाणिज्यिक बैंकों को केवल 'दस लाख' रुपये से अधिक के ऋण पर ही ध्यान केन्द्रित करना चाहिए, क्योंकि बैंकों का दूसरा समूह शेष खुदरा समुदाय को ऋण मुहैया कराता है। इसका उद्देश्य ऋण वृद्धि की गुणवत्ता में सुधार करना और ऋण जोखिम प्रबंधन कौशल और जोखिम उठाने की क्षमता का न्यायसंगत उपयोग सुनिश्चित करना है। परिवर्तन की राह पर चली इस बैंकिंग प्रणाली के तहत बड़े बैंकों द्वारा अपने अन्य साथी बैंकों को कम–आकार के ऋण देने हेतु सहायता करने

की कल्पना के बारे में भी सोचा जा सकता हैं, और इसमें बचाए गए समय और प्रयास का उपयोग मजबूत एवं बड़े आकार के क्रेडिट पोर्टफोलियो को बेहतर ढंग से विकसित करने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए किया जा सकता है।

विश्लेषकों के अनुसार, बैंक ऋण में वृद्धि आर्थिक विकास का एक प्रमुख संकेतक है और 100% का क्रेडिट तो जीडीपी अनुपात के लिए एक आदर्श अनुपात है जो इसमें किसी व्यवधान के डर के बिना ऋण की मजबूत मांग को दर्शाता है। उच्चतम क्रेडिट टू जीडीपी अनुपात का होना वास्तविक अर्थव्यवस्था में बैंकिंग क्षेत्र की आक्रामक और सक्रिय भागीदारी का संकेत है, जबकि इसकी कम संख्या अधिक औपचारिक ऋण की आवश्यकता को इंगित करती है।

यदि भारतीय बैंकिंग प्रणाली को क्रेडिट टू जीडीपी अनुपात के संदर्भ में एशिया में अपने समकक्षों के करीब पहुंचना है, तो एक नई सोच की आवश्यकता होगी। बैंकों का अपनी सहज विशिष्ट ऋण–जोखिम प्रबंधन क्षमता के अनुसार ऋण देने संबंधी गतिविधियों के सही आकार का चयन करना एवं अपनी क्षमताओं का दोहन करना, सुस्त ऋण प्रवाह का एक संभावित समाधान हो सकता है।

'बाजार जोखिम प्रबंधन' (Market Risk Management)

1. बैंक अपने ट्रेडिंग पोर्टफोलियो के मूल्यों में परिवर्तन के कारण बाजार की विनिमय दरों, ब्याज दरों, इक्विटी मूल्य, आदि में परिवर्तन के कारण पीड़ित हो सकते हैं। ऐसे बाजार जोखिमों की पहचान– जोखिम माप की कुशलता, नियंत्रण के उपाय, निगरानी और रिपोर्टिंग प्रणाली के माध्यम से की जा सकती है।
2. बैंक के पास विदेशी मुद्रा, डेरिवेटिव्स, फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटी, इक्विटी और म्यूचुअल फंड में ट्रेडिंग के लिए जोखिमों से संबन्धित बोर्ड अनुमोदित नीतियाँ होंगी। बाजार जोखिम विभिन्न जोखिम सीमाओं जैसे कि नेट ओवरनाइट ओपेन पोजीशन और विदेशी मुद्रा की दिन की स्थिति, संशोधित अवधि, स्टॉप लॉस, एकाग्रता और एक्सपोजर लिमिट आदि के माध्यम से नियंत्रित किए जा सकते हैं।
3. वर्तमान में, अधिकांश बैंक मानकीकृत माप पद्धति के तहत बाजार जोखिम पूँजी की गणना करते हैं। बाजार जोखिम के लिए बैंकों को बेसल–II के तहत उन्नत दृष्टिकोण की ओर पलायन करना होगा। आंतरिक मॉडल दृष्टिकोण– यह बैंक के व्यापार पोर्टफोलियो की निगरानी के लिए जोखिम आधारित उपकरण का एक मूल्य है।
4. बाजार जोखिम प्रबंधन समिति और बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा बाजार जोखिम की निगरानी और समीक्षा की जाएगी।

परिचालनात्मक जोखिम प्रबंधन (Operational Risk Management)

1. परिचालन जोखिम अपर्याप्त या विफल आंतरिक प्रक्रियाओं, लोगों और प्रणालियों या बाहरी घटनाओं से होने वाले नुकसान का जोखिम है।
2. परिचालनात्मक जोखिम प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य सिस्टम की लगातार समीक्षा और नियंत्रण करना, पूरे बैंक में परिचालन जोखिम के बारे में जागरूकता पैदा करना, जोखिम स्वामित्व प्रदान करना, व्यापार रणनीति के साथ जोखिम प्रबंधन गतिविधियों को संरेखित करना एवं नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करना आदि है।
3. परिचालन जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क और जोखिम मापन प्रणाली पर आर. बी. आई. के दिशानिर्देशों के अनुरूप महत्वपूर्ण नीतियां, नियमावली और फ्रेमवर्क दस्तावेज जगह पर होने चाहिए।
4. बोर्ड स्तर की संचालन जोखिम प्रबंधन समिति, तिमाही अंतराल पर बैंक के परिचालन जोखिम प्रोफाइल की समीक्षा करेगी और बैंक में परिचालन जोखिम के प्रबंधन के लिए उपयुक्त नियंत्रण/शमन उपायों की सिफारिश करेगी।
5. समय–समय पर उच्च मूल्य धोखाधड़ी की निगरानी और नियंत्रण करने के लिए एक समिति होनी चाहिए।

प्रक्रियात्मक जोखिम प्रबंधन (Procedural Risk Management)

जोखिम प्रक्रिया में जोखिम की पहचान, उसका मापन और नियंत्रण करना शामिल होता है। जोखिम की पहचान मतलब उस क्षेत्र, सेवा या व्यक्ति की पहचान करना जिससे जोखिम होने की संभावना हो। जोखिम के मापन से तात्पर्य है कि, होने वाली हानि की मात्रा को ज्ञात करना आदि। जोखिम प्रक्रिया का अंतिम चरण जोखिम नियंत्रण करना होता है।

निष्कर्ष:–

बैंकिंग जोखिम प्रबंधन एक आवर्तनशील प्रक्रिया है जिसमें, बैंक जोखिम प्रबंधन के लिए पेशेवरों की पूरी टीम को नियुक्त कर जोखिम की पहचान एवं उसके समाधान के लिए रणनीतियाँ तैयार करता है।

नराकास दिल्ली (बैंक) का वार्षिक समारोह

दिल्ली बैंक नराकास के वार्षिक समारोह एवं 61वीं बैठक का आयोजन पीएनबी के प्रधान कार्यालय, द्वारका में किया गया। इस अवसर पर माननीय सचिव, राजभाषा, गृह मंत्रालय सुश्री अंशुली आर्या, तथा पीएनबी के एमडी एवं सीईओ, कार्यपालक निदेशक, व मुख्य महाप्रबंधकगण तथा दिल्ली स्थित सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख उपस्थित थे।

दिल्ली बैंक नराकास की गृह पत्रिका का लोकार्पण करते हुए सुश्री अंशुली आर्या, आई.ए.एस., माननीय सचिव, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री बिनोद कुमार, कार्यपालक निदेशक, श्री बी. पी. महापात्र, कार्यपालक निदेशक, श्री प्रवीन गोयल, मुख्य महाप्रबन्धक तथा अध्यक्ष–दिल्ली बैंक नराकास, श्री देवार्चन साहू, महाप्रबंधक (राजभाषा), श्रीमती मनीषा शर्मा, सदस्य–सचिव, दिल्ली बैंक नराकास एवं सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा)

कला दीर्घा

श्री अंकुर मल्होत्रा
पुत्र श्री विद्या भूषण मल्होत्रा (सेवानिवृत्त)
अधिकारी, शाखा जयपुर मंडल

प्रीति वर्मा
शाखा पचरुखी,
भागलपुर बिहार

श्री सत्यम जोशी
सुपुत्र श्री पंकज जोशी
प्रबन्धक, मण्डल कार्यालय,
सहारनपुर

संसदीय समिति के दौरे

जयपुर में मंडल कार्यालय, जयपुर का आवासन और शहरी कार्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति (2024–25) द्वारा निरीक्षण किया। इस अवसर पर संसदीय समिति के सांसदों के साथ आयोजित बैठक में बैंक की ओर से सहभागिता करते हुए श्री बिनोद कुमार, कार्यपालक निदेशक, श्री श्याम सुन्दर सिंह, उप अंचल प्रबंधक, जयपुर तथा श्री धर्मेंद्र कुमार, मंडल प्रमुख, जयपुर।

अंचल कार्यालय, हैदराबाद का संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा राजभाषाई निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर श्री भर्तृहरि महताब, उपाध्यक्ष से रिपोर्ट ग्रहण करते हुए श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रबंधक, हैदराबाद। दृष्टव्य हैं माननीय सांसदगण, श्री श्रीरंग अप्पा बारणे (संयोजक), श्री सतीश कुमार गौतम, श्री ईरण्ण कड़ाड़ी, श्री नीरज डाँगी, श्रीमती संगीता यादव, डॉ धर्मशीला गुप्ता पीएनबी से, श्री देवार्चन साहू, महाप्रबंधक (राजभाषा), श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. साकेत सहाय, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) एवं वित्त मंत्रालय तथा समिति के उच्चाधिकारीगण।

राजभाषा गतिविधियां

प्रधान कार्यालय में आयोजित दिसंबर तिमाही की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, श्री बी. पी. महापात्र, मुख्य महाप्रबंधकगण, श्री संजय वार्ष्णेय, श्री संजय गुप्ता, महाप्रबंधक गण, श्री अनुपम, श्री देवार्चन साहू, सुश्री एकता पसरीचा, श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक – राजभाषा तथा अन्य उच्चाधिकारीगण।

अंचल कार्यालय, वाराणसी में आयोजित राजभाषा निरीक्षण एवं हिंदी कार्यशाला के दौरान उपस्थित श्री अजय कुमार सिंह, अंचल प्रबंधक, वाराणसी, श्रीमती सरिता सिंह, उप अंचल प्रबंधक, वाराणसी तथा श्री आशीष शर्मा, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), प्रधान कार्यालय एवं मंडलों के राजभाषा अधिकारीगण।

नराकास (बैंक), आगरा के तत्वावधान में आयोजित हिंदी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता श्री आकाश सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक को द्वितीय पुरस्कार प्रदान करते हुए नराकास अध्यक्ष। साथ में दृष्टव्य हैं डॉ. छबील कुमार मेहेर, उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, उत्तर क्षेत्र–2, राजभाषा विभाग, भारत सरकार।

पंजाब नैशनल बैंक के अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ और पंजाब विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय संवाद संगोष्ठी का आयोजन करवाया गया। बैंक की ओर से हिंदी विभाग के छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

नराकास बैंक लुधियाना वार्षिक राजभाषा शील्ड एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मंडल कार्यालय, लुधियाना को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। श्री नरेंद्र मेहरा, सहायक निदेशक कार्यान्वयन, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, एवं अध्यक्ष नराकास, श्री परमेश कुमार, अंचल प्रबंधक, लुधियाना से पुरस्कार ग्रहण करते हुए मंडल, प्रमुख लुधियाना, श्री आदित्य नाथ दास एवं अन्य।

अंचल कार्यालय, हैदराबाद में ''साइबर अपराधः विविध पहलू'' विषय पर आयोजित एक कार्यशाला में स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रबंधक, हैदराबाद। दृष्टव्य हैं श्री संजय गोविंद राव माने, उप अंचल प्रबंधक, हैदराबाद एवं अन्य स्टाफ सदस्यगण।

अंचल कार्यालय, दुर्गापुर को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। डॉ विचित्रसेन गुप्त, उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्व), कोलकाता एवं नराकास अध्यक्ष व निदेशक प्रभारी श्री बृजेंद्र प्रताप सिंह के कर–कमलों से अंचल प्रमुख श्री सुमंत कुमार, महाप्रबंधक महोदय ने ग्रहण किया। अंचल कार्यालय, दुर्गापुर को क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार प्राप्त करने पर नराकास, दुर्गापुर परिवार की तरफ से विशिष्ट पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया

बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मुंबई द्वारा आयोजित राजभाषा शील्ड 2023–24 में पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय, मुंबई को "तृतीय पुरस्कार" प्राप्त हुआ। डॉ सुष्मिता भट्टाचार्य, उप निदेशक (कार्यान्वयन) एवं श्री मनोज करे, अध्यक्ष नराकास से पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री अर्जुन मूलचंदानी, उप महाप्रबंधक तथा श्रीमती वसुधा गोखले, मुख्य प्रबंधक(राजभाषा)।

ब्रह्मपुर नराकास के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु नराकास अध्यक्ष, श्री संदीप कुमार चौबे एवं श्री निर्मल कुमार दुबे, सहायक निदेश, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, कोलकाता मंडल कार्यालय के स्टाफ सदस्यों को पुरस्कार प्रदान करते हुए।

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए श्री रमेश कुमार सामल, मंडल प्रमुख, दक्षिण 24 परगना। दृष्टव्य हैं श्री राज कुमार लाहिड़ी, एल.डी.एम, दक्षिण 24 परगना एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

नराकास, बर्द्धमान (संयोजक–पंजाब नैशनल बैंक, बर्द्धमान मंडल) द्वारा 16 वीं बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वदेशी भाषा प्रेम विषय पर हिंदी नाट्य प्रस्तुति करते हुए सदस्य कार्यालयों के स्टाफ सदस्य। इस अवसर पर नराकास, अध्यक्ष एवं उप महाप्रबंधक, श्री बुद्धदेव साहा तथा सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख भी उपस्थित रहे।

यात्रा वृत्तांतः हिमाचल प्रदेश

अभय कदम, ग्राहक सेवा सहयोगी, शाखा – एल.सी.सी., मुंबई

हिमाचल प्रदेश, भारत के उत्तरी हिस्से में स्थित एक मनमोहक राज्य है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की यात्रा करने का निर्णय मैंने पिछले साल ही निश्चित किया था। हवाई जहाज टिकट, होटल बुकिंग सुनिश्चित कर, मेरी हिमाचल प्रदेश की यात्रा इसी साल के मई माह में पूरी हुई। मैं अपने परिवार के साथ यात्रा पर गया था। इस यात्रा वृत्तांत में, मैं अपनी यात्रा के अनुभवों को साझा करूंगा, जिसने मुझे इस राज्य की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक समृद्धि का अनुभव कराया।

मुंबई से हवाई जहाज के हिमाचल प्रदेश के एअरपोर्ट पर पहुंचना एक शानदार अनुभव था। जैसे ही विमान ने हिमाचल की हरी–भरी घाटियों और बर्फ से ढकी पहाड़ियों के दृश्य को सामने दर्शाया, मन की दुविधाएं और थकान पल भर में गायब हो गईं। एअरपोर्ट पर उतरते ही ठंडी ताजगी ने स्वागत किया, जो मुंबई की उमस भरी गर्मी से एकदम विपरीत था।

शिमला, हिमाचल की राजधानी, हमारी यात्रा का पहला पड़ाव था। शिमला, जो ब्रिटिश राज के दौरान भारत की ग्रीष्मकालीन राजधानी रहा था, आज भी अपनी ब्रिटिश शैली की वास्तुकला और सुरमई वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। एअरपोर्ट से निकलते ही हमने कैब ली और शिमला के लिए रवाना हो गए। शहर में प्रवेश करते ही, जो ठंडी हवा का झोंका महसूस हुआ, वह अनमोल था। होटल में चेक–इन करने के बाद, हमने मॉल रोड पर घूमने का निर्णय लिया। यहां के मॉल रोड पर चलना एक शानदार अनुभव था। सड़क के दोनों ओर आकर्षक दुकानें और कैफे थे। रिज मैदान पर खड़े होकर मैंने दूर–दूर तक फैले हिमालय की बर्फीली चोटियों का दृश्य देखा, जो किसी चित्र से कम नहीं था। मॉल रोड की दुकानों और कैफे में घूमना, हिमाचली संस्कृति का आनंद लेना, और स्थानीय खाने का स्वाद लेना, यात्रा का आदर्श प्रारंभ था।

शिमला यात्रा के दौरान जाखू मंदिर और लक्ष्मीनारायण मंदिर, इन दो स्थलों पर हम दर्शन करने पहुंचे। जाखू मंदिर शिमला के जाखू हिल पर स्थित है, जो शहर के सबसे ऊंचे बिंदु पर है। जाखू मंदिर हनुमान जी को समर्पित है और यहां एक विशाल हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित है। यहाँ से शिमला शहर और आसपास के पहाड़ों का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है। मंदिर की शांति और सुंदरता ने मन को बहुत सुकून दिया।

लक्ष्मीनारायण मंदिर, जो शिमला के प्रमुख मंदिरों में से एक है, लक्ष्मी और नारायण को समर्पित है। वास्तुकला और धार्मिक महत्व, इस मंदिर की विशेषता है। यहाँ के पवित्र वातावरण में मैंने अद्भुत शांति का अनुभव प्राप्त किया।

अगले दिन, हम कुफरी और चायल की ओर रवाना हुए। कुफरी की चढ़ाई, जो कि घने देवदार के जंगलों से गुजरती है, एक रोमांचक अनुभव था। यहां पर पैराग्लाइडिंग और घोड़े की सवारी का मजा लिया। कुफरी से निकलने के बाद, चायल का सफर शुरू हुआ। चायल, जो कि अपनी सुंदरता और शाही महलों के लिए प्रसिद्ध है, वहां पहुंचकर हमें वास्तव में शाही एहसास हुआ। चायल का किला, जो कि एक बेहतरीन दृश्य प्रस्तुत करता है, ने यात्रा को और भी सुंदर बना दिया।

हमने कुल्लू की ओर भी यात्रा की, जहां के हरे–भरे बाग और नदी के किनारे की ठंडी हवा ने मन को शांति दी। कुल्लू की हस्तशिल्प वस्तुएं और यहां की लोक कला का अनुभव भी बेहद रोचक था। यहां के रिवर राफ्टिंग और ट्रैकिंग के अनुभव ने मेरे साहसिक पक्ष को भी उभारा।

अगले दिन, हमने मनाली की ओर रुख किया। मनाली तक का रास्ता, जो कि ऊबड़–खाबड़ और सुरमई था, ने हमें पहाड़ी जीवन की कठोरता का एहसास कराया। मनाली की यात्रा ने मेरी अपेक्षाओं को पार कर दिया। मनाली पहुंचने पर, वहां की खूबसूरत वादियों और बर्फ से ढकी पहाड़ियों ने हमें मंत्रमुग्ध कर दिया। यहां की हरी–भरी घाटियां, ठंडी हवाएं और सुंदरता ने मन को मोह लिया। हमने रोहतांग पास की ओर एक छोटी सी यात्रा की, जहां बर्फ में खेलना और ठंडी हवा का आनंद लेना एक अविस्मरणीय अनुभव था। रोहतांग पास समुद्र तल से लगभग 3978 मीटर ऊंचा होने के कारण यहां से बर्फीले शिखरों का दृश्य अत्यंत अद्वितीय था। बर्फ से ढके पर्वत, स्कीइंग के

लिए उपयुक्त स्थल, और स्थानीय बाजार की चहल–पहल ने मनाली को एक पूर्ण पर्यटन स्थल बना दिया।

मनाली से आगे बढ़कर, हमने सोलंग घाटी का दौरा किया, जो कि अपने अद्भुत स्कीइंग और पैराग्लाइडिंग के लिए मशहूर है। घाटी की ऊँचाइयों से शानदार दृश्य देखने को मिले। यहाँ का परिवेश एक स्वप्निल अनुभव था। सोलांग घाटी के आसपास के पहाड़ और धुंधले मौसम ने मुझे प्रकृति के नजदीक जाने का एक नया दृष्टिकोण दिया। यहां के पारंपरिक थार और लोक संगीत ने यात्रा को सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध किया। हिडिम्बा देवी मंदिर की यात्रा ने धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का एहसास दिलाया। मंदिर के आसपास का क्षेत्र, जहां देवदार के घने वन और खूबसूरत पेड़ हैं, यह मन को शांति देने वाला अनुभव था।

धर्मशाला की यात्रा एक सांस्कृतिक अनुभव था। तिब्बती संस्कृति और बौद्ध धर्म के प्रभाव ने इस जगह को विशिष्ट बनाया है। यहाँ पहुंचते ही हमें तिब्बती संस्कृति की झलक मिली। हमने धर्मशाला मठ की यात्रा की, जहां की शांति और तपस्वियों की उपस्थिति दिल को छू लेने वाली थी। इसके बाद, हमने भागसूनाग जलप्रपात की ओर रुख किया, वहां की ठंडी और निर्मल जलधारा का आनंद लिया। शाम को, स्थानीय बाजार में घूमते हुए तिब्बती बाजार में खरीदारी, स्थानीय भोजन, तिब्बती चाय और हस्तशिल्प का आनंद लिया।

मैक्लोडगंज की ओर प्रस्थान करने पर हमने यहां के ऊंचे पहाड़ी रास्तों पर यात्रा की। मैक्लोडगंज पहुंचकर, डलास गेस्ट हाउस और मैक्लोडगंज के तिब्बती मठ का भ्रमण किया। मैक्लोडगंज, जो कि तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा का घर है, वहां के मंदिर और आश्रम ने हमें एक नई ऊर्जा प्रदान की। दलाई लामा का निवास स्थल देखना एक अविस्मरणीय अनुभव था।

बाद में हम डलहौजी क्षेत्र में स्थित खज्जियार की ओर रवाना हुए। खज्जियार को "हिमाचल का स्विट्जरलैंड" कहा जाता है, और यह नाम पूरी तरह से सही है। खज्जियार का घास का मैदान देखकर हमें प्राकृतिक सुंदरता का नया अनुभव मिला। वहाँ की डल झील एक छोटी सी लेकिन बेहद खूबसूरत झील है। यह झील घास के मैदान के बीच में स्थित है और चारों ओर से हरे–भरे जंगलों से घिरी हुई है। यहाँ पर हमने बोटिंग का आनंद लिया। झील के किनारे पर बैठकर प्राकृतिक दृश्य का आनंद लेना बहुत सुखद था।

हिमाचल प्रदेश की नदियां भी यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी। सतलुज, ब्यास, रावी आदि नदियों के प्राकृतिक सौंदर्य ने यात्रा को और भी विशेष बना दिया। हिमाचल प्रदेश की यात्रा ने मुझे यहाँ की स्थानीय संस्कृति और भोजन से भी परिचित कराया। यहाँ के पारंपरिक व्यंजन जैसे कि सिद्धू, चटनी और मदरा ने मेरे स्वाद को एक नया अनुभव दिया। स्थानीय भोजन की विविधता और स्वाद ने यात्रा को और भी रोमांचक बना दिया।

हिमाचल प्रदेश की यात्रा का समापन करीब आ गया था। हमने अपने यात्रा के अनुभवों को संजोया और एअरपोर्ट के लिए रवाना हुए। मुंबई लौटते समय, हिमाचल की यादें और उसके सौंदर्य का एक खास एहसास साथ में था।

हिमाचल प्रदेश की इस यात्रा ने मुझे यह समझने का अवसर दिया कि भारत के पहाड़ी क्षेत्रों की विविधता और सुंदरता कितनी अद्भुत हो सकती है। यहां की हर जगह ने अपनी अनोखी खूबसूरती से मन को छू लिया। यह यात्रा न केवल एक भौगोलिक अन्वेषण थी, बल्कि एक आत्मिक यात्रा भी थी, जिसने मुझे प्रकृति और संस्कृति को नजदीक से जानने का मौका दिया।

हिमाचल प्रदेश की इस यात्रा की सुनहरी यादों को मैं हमेशा संजो कर रखूँगा।

पीएनबी प्रतिभा का वेब संस्करण

सभी स्टाफ सदस्यों एवं प्रिय पाठकों की सुविधा हेतु पीएनबी प्रतिभा का ऑन–लाइन संस्करण नॉलेज सेंटर पर उपलब्ध है। पीएनबी प्रतिभा तक निम्न नेविगेशन से पहुँच सकते हैं–

पीएनबी नॉलेज सेंटर → **ई-सर्कुलर** → **मैगजीन** → **पीएनबी प्रतिभा**

इस पत्रिका को और अधिक बेहतर तथा उपयोगी बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत है।

सीएसआर गतिविधियाँ

श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद स्वर्ग आश्रम ट्रस्ट, लुधियाना को रेफ्रिजरेटर और बैड प्रदान करने के अवसर पर संबोधित करते हुए। दृष्टव्य हैं श्री सुनील कुमार चुघ, मुख्य महाप्रबंधक, श्री परमेश कुमार, अंचल प्रबंधक, लुधियाना एवं अन्य उच्चाधिकारी।

पुणे मंडल की शाखा उरूली कांचल के उद्घाटन के अवसर पर श्री प्रयागधाम ट्रस्ट अस्पताल, उरुली कंचन को व्हील चेयर तथा सहायता राशि प्रदान करते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। साथ में हैं श्री प्रयागधाम ट्रस्ट से पधारे मान्यवर, श्री मनोज गजभीये उप मंडल प्रमुख, पुणे मंडल, श्री फिरोज हसनैन, अंचल प्रबंधक, मुंबई अंचल, श्री देवेन्द्र सिंह, मंडल प्रमुख, पुणे मंडल, श्री विट्ठल माने, शाखा प्रबंधक, शाखा उरूली कांचन, एवं अन्य।

श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत गुरु आसरा ट्रस्ट अनाथालय, मोहाली को खाद्य एवं लेखन सामग्री प्रदान करते हुए। दृष्टव्य हैं श्री परमेश कुमार, अंचल प्रबंधक, लुधियाना एवं श्री पंकज आनंद, मंडल प्रमुख, मोहाली एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

चंडीगढ़ अंचल दौरे के अवसर पर कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत गुरु का लंगर नेत्र अस्पताल को बेंच प्रदान करने के अवसर पर श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक तथा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, अंचल प्रबंधक, चंडीगढ़।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2024 के दौरान आयोजित विविध सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल, सुल्तानपुरा, फाजिल्का को स्कूल बैग्स एवं अन्य लेखन सामग्री प्रदान करते हुए श्री परमेश कुमार, अंचल प्रबंधक लुधियाना एवं श्री कुमार शैलेन्द्र,मंडल प्रमुख, फाजिल्का।

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत अनाथालय हेतु कंबल व अन्य आवश्यक सामग्री भेंट करते श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रबंधक, शिमला, श्री राजेन्द्र पॉल, उप अंचल प्रबंधक, शिमला। दृष्टव्य हैं अन्य उच्चाधिकारीगण, अनाथालय के बच्चे व स्टाफ सदस्य।

सीएसआर गतिविधियाँ

अमृतसर में श्री अमृताभ आनंद, अंचल प्रबंधक, अमृतसर 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में जहांगीर गांव के सरकारी विद्यालय को सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत स्कूल के विद्यार्थियों को स्पोर्ट्स किट प्रदान करते हुए। दृष्टव्य हैं अन्य उच्चाधिकारीगण एवं विद्यालय के स्टाफ सदस्यगण।

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत एमआईआरसी, अहमदनगर को एम्बुलेंस दी गई। कमांडेंट ब्रिगेडियर रसेल डिसूजा, एमआईआरसी, अहमदनगर को चाबी प्रदान करते हुए श्री राकेश कुमार, मंडल प्रमुख, अहमदाबाद एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

श्री सुजीत कुमार नेगी, मंडल प्रमुख, खड़गपुर, आंध्रा प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय, खड़गपुर को सीएसआर गतिविधि के तहत पंखे प्रदान करते हुए। दृष्टव्य हैं अन्य उच्चाधिकारीगण एवं विद्यालय के स्टाफ सदस्यगण।

जिंदगी क्या है?

जिंदगी क्या है?
खुद से पूछा एक सवाल,
बस एक सवाल और एक ख्याल।

किसी का पैशन है,
किसी का फैशन है,
किसी के लिये आस भर है जिंदगी।

किसी की पुकार है,
किसी की ललकार है,
किसी के लिए इम्तिहान है जिंदगी।

कहीं एक झरोखा है,
कहीं एक खिलौना है,
किसी के लिए मालिक का सौपा अधिकार है जिंदगी।

कहीं एक पल है,
कहीं आने वाला कल है,
किसी के लिए रिश्तों की दीवार है जिंदगी।

कहीं रौशनी है,
कहीं रागनी है,
किसी के लिए बस अंधकार है जिंदगी।

किसी के लिए रोटी है,
किसी के लिए धोती है,
किसी के लिए अपने आप से पूछा एक सवाल है जिंदगी।

किसी का सपना है,
बस एक वही अपना है,
किसी के लिए अतीत की किताब है जिंदगी।

किसी की कहानी है,
किसी की जुबानी है,
किसी के लिए इंतजार सी बेहिसाब है जिंदगी।

जिंदगी क्या है?
खुद से पूछा एक सवाल।
बस एक सवाल और एक ख्याल
जिंदगी क्या है?

विशाल निवारे
मुख्य प्रबंधक
लेन–देन निगरानी प्रभाग
प्रधान कार्यालय

ऑटोमोटिव हैकिंग

ज़ेबा शाहीन, प्रबंधक, लेन–देन निगरानी प्रभाग, प्रधान कार्यालय

आज के समय में वाहन केवल यांत्रिक मशीनें नहीं रह गए हैं। वे अब ''कंप्यूटर्स ऑन व्हील्स'' बन गए हैं। एक आधुनिक कार में 100 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल यूनिट्स (ECUs) और लाखों लाइन्स का कोड होता है, जो एक यात्री विमान से भी अधिक है। इस डिजिटल क्रांति ने जहां वाहनों को अधिक कुशल और सुविधाजनक बनाया है, वहीं यह साइबर हमलों के लिए नए रास्ते भी खोलती है। कनेक्टिविटी एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करती है, लेकिन यह हैकर्स को हमले का मैदान भी प्रदान करती है। वाहन उद्योगों के सबसे विशिष्ट उत्पादनों में से एक है। सुरक्षा किसी भी कार की एक महत्वपूर्ण और आवश्यक विशेषता है। पिछले कुछ वर्षों में, कार डिजाइनर इस समस्या के बारे में कभी सोच भी नहीं सकते थे कि किसी कार पर हैकर्स द्वारा हमला और नियंत्रण किया जा सकता है। लेकिन हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण विकास के साथ, आईटी अपराध से निपटना एक गंभीर मुद्दा बन गया है। आज सड़कों पर लाखों कारें हैं और भविष्य में इनकी संख्या और भी अधिक होगी, जो यात्रियों, चालकों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

हैकर्स इंटरनेट, ब्लूटूथ आदि के माध्यम से कार प्रणाली तक पहुंच प्राप्त कर लेते हैं। चूंकि कार स्वचालित है, इसलिए यह साइबर हमले के लिए अधिक संवेदनशील है। जब कोई ऑटोमोबाइल इंटरनेट से जुड़ा होता है, तो यह वाहन के नाजुक CAN (कंट्रोलर एरिया नेटवर्क) बस तक पहुंच प्रदान करता है। हैकर्स कुछ कमांड भेजकर स्टीयरिंग, एक्सीलेटर, ब्रेक और क्लच जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को हाईजैक कर सकते हैं। ऑटोमोबाइल हैकिंग आमतौर पर सिग्नल को स्पूफिंग या क्लोन करके की जाती है, जिसका उपयोग कार और चाबी एक–दूसरे के साथ संचार करने के लिए करते हैं, जिसे की–फोब क्लोनिंग भी कहा जाता है। जालसाज CAN पोर्ट में एक दुर्भावनापूर्ण कोड डालकर CAN के माध्यम से कार को भी नियंत्रित कर सकते हैं, जिससे हमलावर के लिए कंप्यूटर से दूर से वायरलेस कमांड भेजना संभव हो जाता है। कार्रवाई में आने और फिर चले जाने में कुछ मिनट या उससे भी कम समय लग सकता है। एक बार जब हैकर्स के पास इस नेटवर्क का नियंत्रण आ जाता है, तो वे ताले, रोशनी, स्टीयरिंग और यहां तक कि ब्रेक को भी नियंत्रित कर सकते हैं। सर्वर हैकिंग अगली तकनीक है आम तौर पर जिसका उपयोग हैकर्स द्वारा किया जाता है, जो कई मायनों में विनाशकारी हो सकती है, क्योंकि केंद्रीय सर्वर में सेंध लगाने से हैकर्स को हर चीज तक पहुंच मिल जाती हैः बिक्री डेटा, मोबाइल ऐप और यहां तक कि इससे जुड़े हर वाहन का नियंत्रण भी। इसके अलावा, ऑटोमोटिव मोबाइल ऐप्स उपभोक्ताओं के लिए उपयोगी साबित हुए हैं, लेकिन उनके उपयोग में वृद्धि ने हैकर्स को ऑटोमोबाइल तक पहुंचने के नए तरीके भी दे दिए हैं और जब हैकर्स ऑटोमोटिव ऐप्स में उपलब्ध जानकारी और नियंत्रण तक पहुंच प्राप्त कर लेते हैं, तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। उदाहरण के लिए शोधकर्ताओं ने बताया कि प्रभावित कार मॉडलों में टोयोटा कैमरी, कोरोला और आरएवी4, किआ ऑप्टिमा, सोल और रियो तथा हुंडई आई10, आई20 और आई40 शामिल हैं। निष्कर्ष के तौर पर कहें तो, साइबर सुरक्षा अब समय की मांग है। स्मार्ट कारें जो कल का भविष्य हैं, सबसे अधिक असुरक्षित हैं तथा किसी भी प्रकार के शोषण के प्रति खुली हुई हैं। ऑटोमोबाइल की इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रणाली की कमी पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। गाड़ी चलाते समय हैकिंग की स्थिति की कल्पना की जा सकती है। संगठनों को यह सुनिश्चित करने के लिए उत्पाद के बाद की देखभाल और घटना की प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है कि सिस्टम उनके जीवनकाल में सुरक्षित रहे, निर्माताओं को CAN बस प्रणाली को अधिक हार्डवेयर–सुरक्षित बनाकर और गुप्त कोड का उपयोग करके और इसके अलावा, हैकर द्वारा कार पर किए जा सकने वाले संभावित हमले के तरीकों का पता लगाना भी शामिल है।

बैंक धोखाधड़ी: उद्योग के लिए एक खतरा

रश्मि कुमारी, वरिष्ठ प्रबंधक, लेन–देन निगरानी प्रभाग, प्रधान कार्यालय

बैंक धोखाधड़ी में वृद्धि हो रही है। यह दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिससे बैंकों, ग्राहकों, अन्य हितधारकों और अर्थव्यवस्था को वित्तीय और गैर–वित्तीय नुकसान हो रहा है।

बैंकिंग उद्योग की प्रगति के साथ, डिजिटल चैनलों के बढ़ते उपयोग ने ग्राहकों के लिए लेनदेन बहुत आसान कर दिया है साथ ही लेनदेन की गति को बढ़ाने में भी योगदान दिया है, हालांकि, इन नवाचारों ने संभवतः नई कमजोरियां और जटिलताएं भी पेश की हैं इसलिए इससे निपटने के लिए बैंकों को अनिवार्य रूप से एक मजबूत धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रणाली की जरूरत है।

धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन गतिशील है। जैसे–जैसे व्यवसाय बदलता है और बढ़ता है, वैसे–वैसे उनमें धोखाधड़ी का जोखिम भी बढ़ता है। चाहे वह ऑनलाइन टिकट बुकिंग हो, छुट्टियों की योजना बनाना हो, नौकरी के लिए आवेदन करना हो, भोजन का ऑर्डर देना हो, आयकर का रिफंड आदि हो, इस आधुनिक युग में सब कुछ बस एक क्लिक दूर है। डेटा और जानकारी साझा करने से उपभोक्ताओं को आसानी तो हुई है लेकिन इसने धोखाधड़ी के जोखिमों के संभावित खतरे के लिए भी जगह बनाई है इसलिए लेन–देन की इस सुविधा को बनाए रखते हुए धोखाधड़ी का पता लगाने और धोखाधड़ी की प्रभावी रोकथाम करने की आवश्यकता है।

धोखाधड़ी को रोकने के लिए बैंकों द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। चिप–आधारित कार्ड जारी करना, सुरक्षा सुविधाओं वाले चेक, ईडब्ल्यूएस ढांचे का कार्यान्वयन, निगरानी के लिए सेंट्रल फ्रॉड रजिस्ट्री (सीएफआर) का उपयोग, गलत डेटा प्रस्तुत करने की संभावना को कम करने के लिए खाता एग्रीगेटर अवधारणा आदि। साइबर अपराध को रोकने के लिए आम–जन के बीच जागरूकता फैलाना आवश्यक है। जिसके लिए बैंक, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और आजकल सोशल मीडिया का भी उपयोग किया जा सकता हैं। साइबर अपराध से निपटने के लिए सरकार ने एनसीसीआरपी (24x7) के गठन की अवधारणा बनाई और उसे लागू किया है, जहां नागरिक राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 के माध्यम से वित्तीय साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्ट कर सकते हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021–22 में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में धोखाधड़ी के मामलों की संख्या 2020–21 में 205 से घटकर 118 हो गई, हालांकि, धोखाधड़ी में शामिल राशि चिंता का विषय है। ऐसे धोखाधड़ी के मामलों की कोई कमी नहीं है जहां हजारों लोगों से पैसा ठगा जा रहा है।

इस तरह की धोखाधड़ी का खुलासा पेशेवर अपराधियों, हताश ग्राहकों या गलत बैंकर या उनकी आपसी मिलीभगत से होता है। हालांकि धोखाधड़ी को पूरी तरह से खत्म करना संभव नहीं है, प्रत्येक हितधारक द्वारा सतर्कता दृष्टिकोण के माध्यम से अपनाई गई सही रोकथाम और पता लगाने के उपाय धोखाधड़ी के जोखिमों को काफी कम कर सकते हैं।

हमें गर्व है

सुधीर सक्सेना ने रचा इतिहास: 2024 एशियाई किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

भारतीय किकबॉक्सर तथा पंजाब नैशनल बैंक में अधिकारी पद पर कार्यरत श्री सुधीर सक्सेना ने प्रतिष्ठित एशियाई किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में 94 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारतीय खेल इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। 5 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2024 तक कंबोडिया के ओलंपिक स्टेडियम में हुए इस टूर्नामेंट में सभी महाद्वीपों के प्रतिष्ठित किकबॉक्सरों की भागीदारी देखी गई। इस आयोजन में श्री सुधीर सक्सेना का प्रभावशाली प्रदर्शन न केवल उनके लिए व्यक्तिगत रूप से बल्कि पूरे भारतीय किकबॉक्सिंग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

बोकिया चैलेंजर (बीसी) सीरीज में पूजा ने जीता रजत व कांस्य पदक

बहरीन के मनामा में 14 से 21 नवंबर तक आयोजित विश्व बोकिया चैलेंजर सीरीज में पंजाब नैशनल बैंक के रेवाड़ी में स्थित कासा बेक ऑफिस में मुख्य प्रबंधक के रूप में पदस्थापित सुश्री पूजा गुप्ता ने बीसी 4 महिला व्यक्तिगत श्रेणी में कांस्य पदक जीतने के बाद मिश्रित जोड़ी बीसी 4 श्रेणी में सिल्वर पदक जीता। पूजा बीसी 4 श्रेणी में मिश्रित जोड़ी इवेंट में अपने साथी खिलाड़ी जतिन कुमार कुशवाह के साथ पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। इस तरह पूजा ने इतिहास रचते हुए भारतीय बोकिया को विश्वस्तर पर एक नया मुकाम दिया है।

एवरेस्ट बेस कैंप ट्रेक पूरा कर रचा इतिहास

उम्र को मात देते हुए पंजाब नैशनल बैंक से सेवानिवृत्त हुए श्री गोपीनाथन ए. ने एवरेस्ट बेस कैंप ट्रेक के साथ काला पत्थर शिखर समिट में सहभागिता करते हुए एवरेस्ट बेस कैंप (5364 मीटर) और कालापत्थर (5550 मीटर) पर चढ़ाई की। उन्होंने 68 वर्ष की आयु में एवरेस्ट बेस कैंप ट्रेक की लगभग 125 किलोमीटर दूरी तय की।

पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप में दो पदक

पंजाब नैशनल बैंक के प्रधान कार्यालय में वरिष्ठ प्रबंधक के पद पर कार्यरत श्री संदीप सिंह नेगी ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित दूसरी दिल्ली राज्य पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप 2024–2025 मीट में दो कांस्य पदक (शॉटपुट और डिस्कस) में जीते हैं।

पीएनबी प्रतिभा का संपादक मंडल आप सभी को सलाम करता है और आप सभी की इस उपलब्धि पर आपको बधाई देता है तथा आपके सुखद भविष्य की कामना करता है।

पुस्तक समीक्षा - ''माई जर्नी कार्ट टू एरोप्लेन-लाइफ एज ए प्रोफेशनल बैंकर- लेखक-श्री बिकर सिंह मान''

ए.के. रॉय चौधरी, उप महाप्रबन्धक (सेवानिवृत्त)

(Book Review- My Journey- Cart to Aeroplane; Life as a Professional Banker)

जीवन में तमाम अभावों और संघर्षों के बावजूद प्राप्त की गई सफलता व्यक्ति को न केवल जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है बल्कि उसे जीवन में सही दिशा में चलने के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करती हैं। व्यक्ति जो कुछ भी अपने अनुभवों, असफलताओं, सफलताओं तथा कार्यों से सीखता है वह उसके लिए किसी अनमोल खजाने और धरोहर से कम नहीं होते जिसे वह अपनी आने वाली पीढ़ियों को प्रदान करके उनके लिए सच्चे मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है।

कुछ ऐसी ही सोच और विचार ने श्री बिकर सिंह मान को उनकी पुस्तक "माई जर्नी कार्ट टू एरोप्लेन" लिखने की प्रेरणा दी। श्री मान पंजाब नैशनल बैंक के प्रधान कार्यालय से मुख्य महाप्रबंधक पद से सेवानिवृत्त हैं। अपने बैंक के 39 वर्ष के सेवाकाल के दौरान उन्होंने जो भी अनुभव और उपलब्धियां प्राप्त की हैं वह उन्होंने अपनी किताब के माध्यम से साझा करने का प्रयास किया है। श्री बिकर सिंह मान एक ऐसे बैंकर हैं, जो प्रारंभिक स्तर पर बैंक में शामिल होने के बाद अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और प्रतिबद्धता के कारण अपने बैंक में मुख्य महाप्रबंधक के पद तक पहुंचे।

यह एक गांव के लड़के के जीवन पर आधारित कहानी है, जिसने अत्यधिक वित्तीय अभाव के बावजूद अपनी बुनियादी शिक्षा प्राप्त की और फिर बैंक में प्रवेश स्तर पर शामिल होकर अपनी दृढ़ता, कड़ी मेहनत और निष्ठा से मुख्य महाप्रबंधक के उच्चतम पद तक पहुंचा। पाठकों को वह अध्याय प्रेरणादायी लगेगा, जिसमें उन्होंने बताया है कि किस प्रकार उन्होंने कॉलेज के दिनों में अकाउंटेंसी की मूल बातें सीखने के लिए कड़ी मेहनत की, कक्षा में उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा और किस प्रकार उन्होंने रणनीतियां अपनाकर उन चुनौतियों पर विजय प्राप्त की तथा कक्षा में अव्वल भी आए। पुस्तक में वर्णित जीवन यात्रा से दो मुख्य बातें सीखी जा सकती हैं। एक यह कि प्रतिकूल पारिवारिक वित्तीय परिस्थितियों और गाँव में बिजली कनेक्शन जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के बावजूद, कोई भी व्यक्ति धैर्य, साहस और समाज में कुछ दयालु फरिश्तों के सहयोग से जो कुछ भी हासिल करना चाहता है उसे हासिल कर सकता है। दूसरा सबक भी उतना ही महत्वपूर्ण है, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए, ताकि वह समझ सके कि उत्कृष्टता दिखाकर, अनुकरणीय नेतृत्व गुणों को अपनाकर तथा सेवा के प्रति अद्वितीय जुनून के साथ किसी भी संगठन में उच्च पदों पर पहुंचा जा सकता है, इसके लिए किसी गॉडफादर की आवश्यकता नहीं होती।

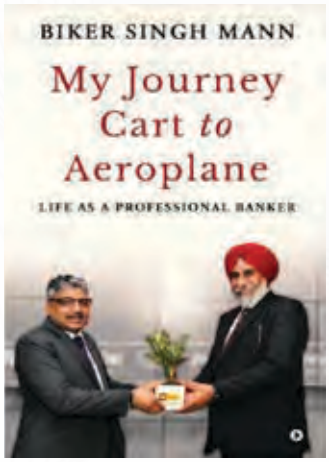

श्री सुनील मेहता, सीईओ, आईबीए और पूर्व एमडी एवं सीईओ, पंजाब नैशनल बैंक द्वारा पुस्तक की प्रस्तावना में उचित ही लिखा है, जिसे मैं नीचे उद्धृत कर रहा हूँ:

''यह पुस्तक ऐसे समय में लिखी गई है जब वर्तमान और भावी पीढ़ी को सफल लीडर और सभी बाधाओं का सामना करके उत्कृष्ट बैंकर बनने के बारे में मार्गदर्शन की आवश्यकता महसूस की जा रही है।''

सरल अंग्रेजी में लिखी गई इस पुस्तक में कुल 12 अध्याय हैं। इन अध्यायों में उन्होंने अपने सामने आई कुछ प्रमुख चुनौतियों को साझा किया है और बताया है कि कैसे खुले दिमाग से उनका समाधान करने के दृढ़ संकल्प ने उन्हें हमेशा सकारात्मक परिणाम दिए और संगठन को लाभ पहुंचाया।

उनकी इस पुस्तक को प्रेरणादायक और प्रभावशाली पुस्तक कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी क्योंकि यह सभी उम्र के लोगों, महत्वकांशी युवा, छात्र, बैंकर और अन्य कोई भी जो नेतृत्व की भूमिका में हैं, के जीवन और करियर को बदल सकती है।

अंत में यह पुस्तक पाठक को यह समझने में मदद करेगी कि कैसे एक लीडर कठोर और सख्त हुए बिना और केवल दृढ़ निश्चय और टीम भावना से कार्य करके अपनी टीम को लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

कहानी-स्वाभिमान

विद्याभूषण मल्होत्रा, अधिकारी (सेवानिवृत्त), शाखा ढेर के बालाजी, जयपुर

सुशीला और रामेश्वर एक बड़े शहर में झोपड़ पट्टी इलाके में छोटे से घर में किराए पर रहते थे। दोनों अनपढ़ थे व मजदूरी करके अपना परिवार चलाते थे। उनके दो छोटे बच्चे थे। बड़ा बच्चा 6 वर्ष का था, जिसका नाम रमेश था और छोटा 6 माह। छोटे बच्चे को दोनों प्यार से बाबू कहकर बुलाते थे। घर में उनकी देखभाल करने के लिए कोई और नहीं था इसलिए वे अपने बच्चों को साथ लेकर शहर से 4–5 किलोमीटर दूर एक निर्माणाधीन टाउनशिप में मजदूरी करने के लिए निकल जाते थे। वहां पहुंचकर दोनों पहले बाबू को एक पेड़ के नीचे छाया में लिटा देते थे। जिसकी देखभाल रमेश करता था और दोनों शाम तक मजदूरी करते थे। जब बाबू पेड़ के नीचे सो रहा होता था तो अक्सर उसे कीड़े–मकोड़े काट लेते थे, जिससे वह रोने लगता था। जिस वजह से सुशीला को काम छोड़कर आना पड़ता था। बाबू की मुलायम त्वचा पर लाल निशान देखकर सुशीला बहुत दुःखी होती थी और कई बार वह रो भी पड़ती थी।

सुबह व शाम घर से मजदूरी के लिए जाते या आते समय उन्हें कालोनी के कई संभ्रांत लोग अपने बच्चे को साथ प्रैम (बग्गी) में टहलाते हुए भी दिखाई देते थे। रामेश्वर व सुशीला अक्सर सोचते थे कि यदि हमारे पास भी ऐसी बग्गी होती तो कितना अच्छा होता। एक दिन रामेश्वर ने अपने एक दोस्त से पूछा कि ऐसी बग्गी कितने रुपये में आती हैं, तो उसके दोस्त ने बताया कि 2000 रुपये से 3000 रुपये के आस–पास मिल जायेगी। रामेश्वर ने कहा कि इतनी महंगी बग्गी खरीदना मेरे बस की बात नहीं है। उसके दोस्त ने कहा कि मेरी पत्नी एक कोठी में काम करती है। उनके घर में एक पुरानी बग्गी है यदि वह उनसे मांग ले तो वह उसे दे देंगे। रामेश्वर व सुशीला बड़े स्वाभिमानी थे। उन्हें न किसी से कुछ मांगना पसंद था और न ही उधार लेना। अतः रामेश्वर ने अपने दोस्त को मना कर दिया।

प्रतिदिन की भांति एक दिन रामेश्वर व सुशीला मजदूरी कर रहे थे। रमेश अपने छोटे भाई बाबू की देखभाल कर रहा था, तभी कबाड़ वाले का एक ठेला पेड़ की छांव में आकर रुका। अचानक रमेश की नजर उस ठेले पर पड़ी तो उसने देखा कि कबाड़ में एक बग्गी भी है। उसने खुशी से चिल्लाते हुए अपनी माँ सुशीला को बुलाया। सुशीला व रामेश्वर घबराकर दौड़ते हुए आये और रमेश से कारण पूछा। उसने ठेले की तरफ इशारा करते हुए अपनी माँ को बताया कि बाबू के लिए यह बग्गी ले लें तो। रामेश्वर ने कबाड़ वाले से कहा कि बग्गी उतार कर दिखाओ। कबाड़ वाले ने बग्गी दिखाई। वह सही हालत में थी, बस थोड़ी पुरानी थी। कबाड़ वाले ने उसकी कीमत 400 रुपये बताई। यह सुनकर रामेश्वर खुश हो गया। उसने अपनी जेब देखी तो उसमें 300 रुपये निकले। सुशीला ने भी अपनी साड़ी के पल्लू से बंधी गाँठ खोली तो उसे भी 50 रुपये मिल गए। उन्होंने कबाड़ वाले से कहा कि हम 350 रुपये ही दे सकते हैं। थोड़ी बहुत जद्दो – जेहद के बाद कबाड़ वाले ने 350 रुपये में बग्गी दे दी।

रामेश्वर ने बग्गी में तुरंत अपना अंगोछा बिछाया और बाबू को प्यार से सुला दिया। रमेश बहुत खुश था। वह बग्गी को आगे पीछे चलाने लगा। उस दिन बाबू बड़े आराम से पेड़ की छांव में सोया। शाम को सुशीला व रामेश्वर बग्गी को चलाते हुए बच्चों के साथ घर पहुंचे। वे खुशी से फूले नहीं समां रहे थे। उनकी आंखों में स्वाभिमान की चमक साफ दिखाई दे रही थी।

हर-तस्वीर कुछ कहती है- उत्कृष्ट प्रविष्टियाँ

व्यापार

हर बार देखते हो क्यों इस तरह,
कभी तीखी नजरों से,
कभी तरस खाकर, कभी घृणा से,
मगर मैं हर चीज बेचता हूँ,

जो मेरी जरूरत पूरी कर सके,
क्योंकि, हर रोज लगती है आग पेट में,
हो सकता है, तुम्हारा ये त्यौहार हो,
पर यही मेरा व्यापार है,

जिस भगवान ने इंसान सी मूरत बनायी,
मैं उसी की मूरत बना कर बेचता हूँ,
जो रंग उड़ाए जाते हैं खुशियाँ मनाने होली में,
मैं वही खुशियों के रंग बेचता हूँ,

गणपति, राम, कृष्ण, दुर्गा, यीशु, गुरु नानक, बुद्ध,
क्या–क्या रूप नहीं दिखता उस निराकार का
जिससे जिसका जितना सरोकार हो,
उसका वही ढंग बेचता हूँ,

सब एक छत्र हैं मेरे भारत में,
हर भारतवासी का अभिमान है तिरंगा
आज फिर कुछ नया त्यौहार सा है
गर्व होता है तिरंगे पर मुझे भी,

चाहता हूँ दौड़ना मैं भी दूर तक तिरंगा लहराते हुए
मगर, आग लगती है रोज पेट में हर बार,
तो हर बार मैं, अपना अभिमान बेचता हूँ,
माफ करना ! क्या करूँ !!

तुम्हारा ये त्यौहार होगा, पर यही मेरा व्यापार है....

लव आजाद
सहायक महाप्रबंधक
एलसीबी, मुंबई

"तिरंगा झंडा"

मुझे अभी भी याद है कि मैं, मेरी बहन और मेरा एक दोस्त 15 अगस्त की सुबह तिरंगे झंडे बेच रहे थे। चौराहे पर लाल बत्ती के पास एक कार आकर रुकी। हमने उसमें बैठे अंकल से झंडा खरीदने की प्रार्थना की। उन्होंने गाड़ी किनारे लगाई और हमसे पूछा की तुम लोगों ने कितने झंडे बेच लिए। मैंने कहा कि हम 100 झंडे लाए थे। अभी 30 झंडे बेच चुके हैं। हम तीनों आश्चर्यचकित थे कि उन्होंने बचे हुए 70 झंडे खरीद लिए। उस समय उन्होंने हमें अपनी कार में बैठाया और हमारे माता–पिता से मिलने चल दिए।

उन्होंने हमारे माता–पिता से कहा कि इनकी उम्र पढ़ने की है इन्हें आप अवश्य पढ़ाईये। इनकी फीस मैं देता रहूंगा। अगले ही दिन उन्होंने हम तीनों का एडमिशन एक अच्छे सरकारी स्कूल में करा दिया। हम लोगों की फीस भी वह प्रति माह देने लगे और हम लोग मन लगाकर पढ़ने लगे। उन्होंने मेरे व मेरे दोस्त के पापा की गुटका व शराब की लत भी छुड़वाई। उन्होंने हमारे पूरे परिवार को स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और देश भक्ति के बारे में भी बताया।

मैं सोचती हूं कि यदि समाज से कुछ ऐसे लोग निकल कर आगे आयें तो हम जैसे गरीब लोग भी पढ़ लिखकर एक अच्छे नागरिक बन सकते हैं और भविष्य में किसी भी क्षेत्र में देश की सेवा कर सकते हैं।

श्रीमती नीति मल्होत्रा
धर्मपत्नी श्री विद्या भूषण मल्होत्रा
अधिकारी (सेवानिवृत्ति)
शाखाः ढेर के बालाजी, जयपुर।

स्वाभिमान और गर्व की भाषा है हिंदी

अनुश्मिता रॉय, ग्राहक सेवा सहायक, राजपुर, शाखा

हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति और गर्व का प्रतीक है। यह हमें आपस में जोड़ती है और हमारी भावनाओं को सरलता से व्यक्त करने का माध्यम है। हिंदी के जरिए हम अपने इतिहास, परम्पराओं और संस्कृति को सहेजते हैं। भारत में हिंदी का महत्व बहुत बड़ा है क्योंकि यह देश के बहुत से हिस्सों में बोली और समझी जाती है। यह भाषा हमारी एकता और अखंडता का प्रतीक है और हमें गर्व महसूस कराती है।

हिंदी का इतिहास बहुत पुराना है। यह भाषा संस्कृत से विकसित हुई है, जो हमारी प्राचीन भाषा है। धीरे–धीरे हिंदी का रूप बदला है और यह लोगों के बीच संवाद का मुख्य साधन बन गई है। 14 सितंबर 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा का दर्जा दिया गया और हर साल हम इस दिन को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाते हैं। यह दिन हमें हमारी भाषा के महत्व को याद दिलाता है और इसे सहेजने की प्रेरणा देता है।

स्वतंत्रता संग्राम के समय भी हिंदी का बहुत बड़ा योगदान रहा। महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस जैसे नेताओं ने हिंदी का उपयोग जनता से जुड़ने और आजादी का संदेश फैलाने के लिए किया। हिंदी ने अलग–अलग भाषाओं के लोगों को एकजुट किया और उन्हें स्वतंत्रता की लड़ाई में एक साथ लायी। यह भाषा लोगों के दिलों तक पहुंची और उन्हें आजादी के लिए प्रेरित किया।

हिंदी साहित्य का भी समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा है। कबीर, तुलसीदास और प्रेमचंद जैसे महान लेखकों ने अपने लेखन के माध्यम से समाज को दिशा दी। कबीर ने समाज की कुरीतियों और अंधविश्वासों के खिलाफ आवाज उठाई, जबकि तुलसीदास ने रामचरितमानस के जरिए लोगों को धर्म और नैतिकता का पाठ पढ़ाया। प्रेमचंद ने अपने उपन्यासों में गरीबों और किसानों की समस्याओं को उजागर किया। हिंदी साहित्य ने हमेशा समाज को सुधारने और नई सोच को बढ़ावा देने का काम किया है।

आज के डिजिटल युग में जब तकनीक तेजी से बदल रही है, हिंदी ने भी खुद को नए समय के साथ ढाल लिया है। सोशल मीडिया और इन्टरनेट के जरिए हिंदी का प्रसार और बढ़ गया है। लोग हिंदी में ब्लॉग लिखते हैं, वीडियो बनाते हैं और सोशल मीडिया पर हिंदी में अपनी राय रखते हैं। इससे साबित होता है कि हिंदी अब भी लोगों की पसंदीदा भाषा बनी हुई है और इसका महत्व आगे भी बढ़ता रहेगा।

अब अगर पश्चिम बंगाल की बात करें, तो यहाँ भी हिंदी का प्रचार–प्रसार बढ़ रहा है। बंगाल की मुख्य भाषा भले ही बांग्ला हो, लेकिन हिंदी ने यहाँ भी अपनी जगह बना ली है। खासकर कोलकाता जैसे बड़े शहरों में, जहाँ अलग–अलग राज्यों के लोग रहते हैं, हिंदी एक सम्पर्क भाषा के रूप में उभरी है। यहाँ के स्कूलों में हिंदी पढ़ाई जाती है और हिंदी फिल्मों और साहित्य को भी लोग पसंद करते हैं।

पश्चिम बंगाल में हिंदी का प्रसार खासकर उत्तर भारतीय लोगों की उपस्थिति के कारण भी बढ़ा है। यहां हिंदी भाषी लोगों की बड़ी संख्या है, जिससे हिंदी का उपयोग और प्रचार बढ़ा है।

राज्य सरकार भी हिंदी के प्रसार के लिए कई कार्यक्रम आयोजित करती है ताकि लोग हिंदी को और अच्छे से समझ सकें और इसे अपना सकें। हिंदी भाषा मेले, साहित्य उत्सव और अन्य कार्यक्रमों के जरिए हिंदी को बढ़ावा दिया जा रहा है।

पंजाब नैशनल बैंक जैसी प्रतिष्ठित संस्था भी हिंदी के प्रचार–प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। पीएनबी में हिंदी का उपयोग बढ़ाने और इसे कार्यालयों में कामकाज की भाषा बनाने के लिए विभिन्न प्रयास किये जाते हैं, जिसमें बैंक के कर्मचारी हिंदी में निबंध, भाषण और काव्य पाठ जैसी गतिविधियों में भाग लेते हैं। इससे न केवल हिंदी का प्रचार होता है, बल्कि कर्मचारियों के बीच हिंदी के प्रति प्रेम और सम्मान भी बढ़ता है। बैंक अपने स्टाफ सदस्यों को ग्राहकों से भी हिंदी में संवाद करने के लिए प्रेरित करता है, ताकि ग्राहक अपनी मातृभाषा में बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकें।

हिंदी का महत्व केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी बढ़ता जा रहा है। विदेशों में बसे भारतीय समुदाय हिंदी का इस्तेमाल गर्व से करते हैं और इसे जीवित रखते हैं। हिंदी फिल्मों, गीतों और टीवी शो ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी

पहचान बनाई है। कई विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है, जिससे साफ जाहिर होता है कि हिंदी एक वैश्विक भाषा के रूप में उभर रही है।

हिंदी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह भाषा हमें हमारी जड़ों से जोड़ती है और हमें गर्व का अनुभव कराती है। हिंदी बोलना और लिखना हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा है और इसे सहेजना हमारा कर्तव्य है। हमें हिंदी पर गर्व होना चाहिए और इसे बढ़ावा देना चाहिए ताकि हमारी अगली पीढ़ी भी हमारी संस्कृति और भाषा से जुड़ी रहे।

हिंदी हमारी एकता का प्रतीक है। यह भाषा हमें अलग–अलग प्रान्तों और भाषाओं के बावजूद एकजुट करती है। चाहे आप किसी भी राज्य से हों, हिंदी आपको एक–दूसरे से जोड़ने का काम करती है। यह भाषा हमारी राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है और हमें एक राष्ट्र के रूप में गर्व का अनुभव कराती है।

अंत में, हमें हिंदी को सिर्फ एक भाषा के रूप में नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति और गर्व के प्रतीक के रूप में देखना चाहिए। हिंदी हमें एकजुट करती है, हमें हमारी संस्कृति से जोड़ती है और हमें हमारे इतिहास की याद दिलाती है। हमें हिंदी का सम्मान करना चाहिए और इसे गर्व से अपनाना चाहिए, क्योंकि यही हमारी असली पहचान है।

मेरा बैंकिंग सफर

चला था मैं इक छोटे से गांव से,
सपनों की राह पर, दुआओं की छांव में।
बैंक की दुनिया में कदम रखा मैंने,
कितनी नई सोचें, कितनी बातें सीखी मैंने।

नौकरी में हर दिन चुनौतियों का सैलाब आया,
पर हर मुश्किल को मैंने हंसते–हंसते अपनाया।
हर दिन एक नई सीख, हर दिन एक नया सवाल,
बैंक में काम करना, कभी–कभी लगा बवाल।

पैसे के लेन–देन का ज्ञान बढ़ा मेरा,
सिस्टम की दुनिया में उतरा मैं गहरा।
मशीनों से लेकर इंसानों तक,
सभी को मैं समझता रहा,
कभी रुक न सका, बस चलता रहा।

कभी ग्राहक की मुस्कान देखी,
कभी उसकी चिंता को दूर किया।
हर दिन की मेहनत ने मुझे सिखाया,
काम में मैंने भी संतुलन बनाया।

वित्तीय दुनिया की गहराई में मैं समाया,
कभी समस्या आई तो कभी समाधान पाया।
हर दिन अनुभवों में एक नई कड़ी जुड़ती गई,
और मेरी यह यात्रा नई दिशाओं में मुड़ती गई।

बैंक के इस सफर में मैंने जाना,
काम–दाम से ज्यादा सेवा में सुकून मिलता है।
जब भी याद करता हूँ अपने इस सफर को,
खुशी होती है, चलते रहने का जुनून मिलता है।

अंकुश वोहरा
वरिष्ठ प्रबंधक
अंचल कार्यालय, लुधियाना

साइबर धोखाधड़ी के नए तरीके

वसुधा गोखले, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), अंचल कार्यालय, मुम्बई

एक दिन सुबह ऑफिस में काम करते समय एक व्हाट्सऐप कॉल आया, सामने स्क्रीन पर पुलिस का फोटो और इस्पेक्टर विजय कुमार नाम दिखाई दिया इसलिए फोन लिया।

''मैं इंस्पेक्टर विजय कुमार बोल रहा हूँ, आपके बेटे को अरेस्ट किया है, ओवरस्पीडिंग और एक्सीडेंट के लिए, उनके साथ उनके 2 दोस्त भी है। उनका बेल करना है।''

एक्सीडेंट, अरेस्ट ये सब सुनकर थोड़ा डर लगा लेकिन फिर भी मैने साहस करके पूछा...

''आप कहां से बोल रहे हैं, किससे बात करनी है, आप किसके बारे में बता रहे हो?''

उन्होंने जबाब दिया

''आप समझ नहीं रही हो, आपके बेटे को अरेस्ट किया है, उन्होंने जिनका एक्सीडेंट किया वो मर चुका है। अब अगर बेल करना है तो आपके बेटे ने आपका नंबर दिया है, बात करने के लिए''

मै डर गयी थी, मैं उनको बोली ''आप कहां से बात कर रहे हो, मेरा बेटा तो यहां नहीं है''

इंस्पेक्टर ने बताया

''मैं BRC डिपार्टमैंट से बोल रहा हूं, फॉरेन में जो इंसीडेंट होते हैं, उन पर हमारे माध्यम से ही कार्रवाई होती है''

मैंने कहा ''मुझे मेरे बेटे से बात करनी है, मैं अभी फोन करती हूँ''

सामने से इंस्पेक्टर ने बताया ''सबके फोन निकाल लिये गये है, आप उनको फोन नहीं कर सकती''

मैंने कहा, ''नहीं, मुझे पहले उससे बात करनी है, मुझे उससे बात करनी ही है''

जब मैंने मेरे बेटे से बात करनी ही है यह जिद की तब उन्होंने बताया ''रूकिये, मैं बात करवाता हूँ'' और उन्होंने किसी को फोन दिया...

सामने से एक लड़के की आवाज आई ''मम्मी,मम्मी, मुझे छुड़ाओ, मुझे ये लोग बहुत मार रहे हैं''

सुनकर ही मुझे पता चला यहां कुछ गड़बड़ है, एक तो मेरा बेटा मुझसे हिंदी में बात नहीं करता और वो कभी मुझे मम्मी भी नहीं कहता।

मैंने जोर से पूछा, ''कौन हो तुम मेरे बेटे हो, अभी बताती हूँ, पुलिस को भेजती हूँ ,रुक'' फोन कट हुआ।

साइबर विभाग से संपर्क किया तब उन्होंने पैसों का कोई नुकसान नहीं हुआ इसलिए फोन नंबर एवं जो हुआ उसकी जानकारी ''चक्षु'' Chakshu में लिखने के लिए कहा।

अगर इसमें फंस जाते तो व्हाट्सऐप अथवा एसएमएस द्वारा लिंक भेजा जाता है उसके जरिये पैसे ट्रान्सफर करने को कहते हैं और आपके खाते से सारी रकम निकाली जा सकती हैं। ये लिंक बिलकुल आधिकारिक लिंक की तरह ही लगता है।

इसी प्रकार एसएमएस आते हैं आपका कोर्ट में केस लगा हुआ हैं। केस के बारे में सभी जानकारी, दस्तावेज इस लिंक में हैं। लिंक में कोर्ट केस, ज्यूडिशरी ऐसे शब्द लिखे होते हैं। उत्सुकता वश कई लिंक खोल देते हैं और उनके जाल में फंस सकते हैं।

Accident, court case ऐसे सामान्य इंसान को डराने वाले तरीके अपनाकर अब लिंक भेजा जाता है। कुछ भी मैसेज आये हमेशा सावधान रहें। किसी भी पुलिस स्टेशन, अस्पताल से नजदीकी रिश्तेदार, करीबी दोस्त की एक्सीडेंट, अरेस्ट, अस्पताल में भर्ती किया ऐसी बात सुनकर डरे नहीं। पहले मामले की जांच–पड़ताल करें और सबसे महत्वपूर्ण ऐसा कोई भी लिंक कभी भी ना खोले।

धोखाधड़ी करने वाले, जाल बिछाने के नए–नए तरीके अपनाते हैं। कृपया खुद जागरूक रहें और अपने रिश्तेदारों को, दोस्तों को भी जागरूक बनाएं।

साइबर सुरक्षा के विविध आयाम

शम्मी पथरिया, मुख्य प्रबंधक, अंचल कार्यालय, अमृतसर

किसी दुर्भावना के तहत कम्प्यूटर, मोबाइल, सर्वर, नेटवर्क, इलेक्ट्रोनिक उपकरण और डेटा पर किए गए हमले से बचाने के लिए किए गए सुरक्षा उपायों एवं गतिविधियों को साइबर सुरक्षा कहते हैं। इसे सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा या इलेक्ट्रोनिक सूचना सुरक्षा भी कहा जाता है।

यह शब्द व्यवसाय से लेकर मोबाइल कम्प्यूटिंग तक विभिन्न संदर्भों में प्रयोग में आता है और इसे कुछ सामान्य श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है–

नेटवर्क सुरक्षा– एक कम्प्यूटर नेटवर्क को आपराधिक व घुसपैठियों से बचाने की प्रक्रिया है।

एप्लीकेशन सुरक्षा – यह सॉफ्टवेयर और डिवाइस को खतरों से बचाव पर केन्द्रित है।

सूचना सुरक्षा– यह किसी सूचना के भंडारण एवं पारगमन दोनों में डेटा की गोपनीयता बनाए रखने पर केन्द्रित है।

परिचालन सुरक्षा– इसमें डेटा परिसंपत्तियों को संभालने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रक्रियाएँ और निर्णय शामिल हैं।

आपदा रिकवरी– यह परिभाषित करती है कि कोई संगठन साइबर–सुरक्षा घटना या किसी अन्य घटना पर कैसे प्रतिक्रिया करता है जो संचालन या डेटा के नुकसान का कारण बनती है। आपदा रिकवरी नीतियां यह निर्धारित करती हैं कि संगठन अपने संचालन और सूचना को कैसे पुनर्स्थापित करता है ताकि घटना से पहले की समान परिचालन क्षमता पर वापस आ सकें।

अनधिकृत, संदिग्ध गतिविधियों से बचाव– कोई व्यक्ति अच्छी सुरक्षा प्रथाओं का पालन न करके गलती से किसी सुरक्षित सिस्टम में वायरस ला सकता है। उपयोगकर्ताओं को संदिग्ध ईमेल अटैचमेंट को हटाना, अज्ञात यूएसबी ड्राइव को प्लग इन न करना और कई अन्य महत्त्वपूर्ण सबक सिखाना किसी भी संगठन की सुरक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है।

साइबर खतरे का पैमाना–

वैश्विक साइबर खतरा तेजी से बढ़ रहा है, हर साल डेटा में सेंधमारी की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। लोगों का डेटा डार्कवेब पर बेचा जा रहा है जिससे उनकी निजी जानकारी आपराधिक तत्त्वों के पास पहुँच रही है और इस तरह की घटनाओं में दिन–प्रतिदिन इजाफा होता जा रहा है।

चिकित्सा सेवाओं, खुदरा विक्रेताओं और सार्वजनिक संस्थाओं में सबसे अधिक सेंधमारी हुई है। साइबर सुरक्षा समाधानों पर वैश्विक खर्च स्वाभाविक रूप से बढ़ रहा है। गार्टनर का अनुमान है कि 2026 में साइबर सुरक्षा खर्च 260 बिलियन डॉलर को पार कर जाएगा।

साइबर खतरों के प्रकार–

साइबर सुरक्षा द्वारा सामना किए जाने वाले खतरे तीन प्रकार के हैं:–

1. साइबर अपराध में किसी व्यक्ति या समूह द्वारा वित्तीय लाभ के लिए या व्यवधान उत्पन्न करने के लिए सिस्टम में सेंध लगाना शामिल है।
2. साइबर हमले में अक्सर राजनीति से प्रेरित सूचना एकत्र करना शामिल होता है।
3. साइबर आतंकवाद का उद्देश्य इलेक्ट्रोनिक प्रणालियों को कमजोर करके आतंक या भय पैदा करना है।

ऐसे अपराधी साइबर हमले करने के लिए निम्नलिखित तरीकों का इस्तेमाल करते हैं:–

मैलवेयर–

मैलवेयर का अर्थ है दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर। इसे हैकर किसी उपयोगकर्ता के कम्प्यूटर को नुकसान पहुँचाने के लिए बनाता है। इसमें किसी मेल अटैचमेंट या वैध दिखने वाले डाउनलोड के माध्यम से फैलने वाले मैलवेयर का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा अपराधियों द्वारा पैसे कमाने या राजनीतिक रूप से प्रेरित साइबर हमलों में किया जा सकता है।

मैलवेयर कई प्रकार के होते हैं:–

वायरस: यह किसी फाइल से खुद को जोड़कर पूरे कम्प्यूटर

सिस्टम में फैल जाता है तथा फाइलों को दुर्भावनापूर्ण कोड से संक्रमित कर देता है।

ट्रोजनः यह एक वैध दिखने वाला मैलवेयर है। साइबर अपराधी धोखे से उपयोगकर्ता के कम्प्यूटर में ट्रोजन अपलोड कर देते हैं, जहाँ वे नुकसान पहुँचाते हैं या डेटा एकत्र करते हैं।

स्पाईवेयरः यह उपयोगकर्ता के कम्प्यूटर में घुसकर उपयोगकर्ता द्वारा किए गए कार्यों को गुप्त रूप से रिकार्ड करता है, ताकि साइबर अपराधी इस जानकारी का उपयोग कर सकें।

रैनसमवेयरः ऐसा मैलवेयर है जो उपयोगकर्ता की फाइलों और डेटा को लॉक कर देता है और इसके बदले में फिरौती मांगता है, फिरौती न दिए जाने पर उपयोगकर्ता को डेटा मिटा देने की धमकी देता है।

एडवेयरः यह विज्ञापन के माध्यम से सिस्टम में घुसकर उपयोगकर्ता की जानकारी चुराने का काम करता है।

बॉटनेटः मैलवेयर से संक्रमित कम्प्यूटरों का नेटवर्क जिसका उपयोग साइबर अपराधी उपयोगकर्ता की अनुमति के बिना ऑनलाइन कार्य करने के लिए करते हैं।

फिशिंगः फिशिंग हमलों में साइबर अपराधी पीड़ितों को ईमेल के जरिए निशाना बनाते हैं। ऐसे हमलों का इस्तेमाल अक्सर लोगों को धोखा देकर क्रेडिट कार्ड डेटा और अन्य व्यक्तिगत जानकारी लेने के लिए किया जाता है।

मैन इन द मिडिल अटैकः यह एक प्रकार का साइबर खतरा है। इसमें साइबर अपराधियों द्वारा डेटा में सेंध लगाने के लिए दो व्यक्तियों के बीच संचार को बाधित किया जाता है। जैसे कि असुरक्षित वाई–फाई नेटवर्क पर, हमलावर पीड़ित के डिवाइस और नेटवर्क से भेजे जा रहे डेटा को बाधित कर सकता है।

डिनायल ऑफ सर्विसः इसमें साइबर अपराधियों द्वारा नेटवर्क और सर्वर पर ट्रैफिक का दबाव डालकर कम्प्यूटर सिस्टम को वैध अनुरोधों को पूरा करने से रोका जाता है। इससे सिस्टम अनुपयोगी हो जाता है, जिससे संगठन महत्त्वपूर्ण कार्य करने से वंचित हो जाता है।

ड्राईडेक्स मैलवेयर– ड्राईडेक्स एक वित्तीय ट्रोजन है। यह फिशिंग ईमेल या मौजूदा मैलवेयर के जरिए कम्प्यूटर को संक्रमित करता है। यह पासवर्ड, बैंकिंग विवरण और व्यक्तिगत डेटा चुरा लेता है जिसका इस्तेमाल साइबर अपराधियों द्वारा धोखाधड़ी वाले लेन–देन में किया जाता है। इसने दुनिया भर में जनता, सरकार, बुनियादी ढांचे और व्यापार को प्रभावित कर अब तक सैकड़ों मिलियन की भारी वित्तीय हानि पहुँचाई है।

साइबर हमलों से बचाव–

साइबर हमलों से बचने के लिए हमें जागरुकता के साथ निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिएः–

1. **मजबूत पासवर्ड का प्रयोग करें–** सुनिश्चित करें कि आपके पासवर्ड का कोई अनुमान न लगा सके। पासवर्ड में नाम, जन्मतिथि, अपने निकट संबंधियों के नाम से बचना चाहिए। पासवर्ड को अक्षर, अंक और विशेष कैरेक्टर के संयोजन से बनाना चाहिए और समय–समय पर बदलते रहना चाहिए।
2. **एंटी–वायरस सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें–** अपने सिस्टम को साइबर अपराधियों से बचाने के लिए एंटी–वायरस सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें। एंटी–वायरस सॉफ्टवेयर सिस्टम को खतरा पहुँचाने वाली फाइलों को पहचान कर उन्हें सिस्टम में प्रवेश करने से पहले ही रोक देते हैं।
3. **सिस्टम को अपडेट रखें–** कंपनी द्वारा समय–समय पर सुरक्षा संबंधी अपडेट दिए जाते हैं। इसलिए नई अपडेट आते ही अपने सिस्टम को अपडेट कर लीजिए। इससे आपको नवीनतम सुरक्षा पैच का लाभ मिलेगा।
4. **अनजान लोगों से प्राप्त ईमेल अटैचमेंट को न खोलें–** हमें अनजान लोगों से प्राप्त ईमेल अटैचमेंट को खोलने से बचना चाहिए। ये हमारे सिस्टम में वायरस डाल सकते हैं।
5. **अपरिचित वेबसाइटों से प्राप्त लिंक को न खोलें–** अपरिचित वेबसाइटों से प्राप्त ईमेल में दिए गए लिंक को कभी नहीं खोलना चाहिए। यह मैलवेयर फैलाने का आसान तरीका है।
6. **सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षित वाई–फाई नेटवर्क का उपयोग करने से बचें–** सार्वजनिक स्थानों पर लगे वाई–फाई के द्वारा सिस्टम में मैलवेयर डालना साइबर अपराधियों के लिए आसान होता है। इसलिए ऐसे स्थानों पर लगे वाई–फाई का प्रयोग करने से बचना चाहिए।

निष्कर्ष– आज का युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभाव से कोई भी इंसान अछूता नहीं है। कम्प्यूटर, मोबाइल आज के इंसान की दैनिक जरूरत बन चुके हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया हमारी दिनचर्या का अभिन्न अंग बन चुके हैं।

लेकिन इस सूचना प्रौद्योगिकी ने हमारी निजी सूचना को भी खतरे में डाल दिया है। हम आज इंटरनेट, कम्प्यूटर, मोबाइल इत्यादि से दूरी बनाकर नहीं रख सकते, इसलिए बेहतर यही है कि हम अपनी निजी जानकारी में किसी को सेंध न लगाने दें। इसके लिए सबसे जरूरी है कि हम साइबर सुरक्षा पर ध्यान दें।

हमें एंड यूजर सुरक्षा सॉफ्टवेयर का प्रयोग जरूर करना चाहिए। यह दुर्भावनापूर्ण कोड के टुकड़ों के लिए कम्प्यूटर को स्कैन करता है, इस कोड को संगरोध करता है और फिर इसे मशीन से हटा देता है। सुरक्षा प्रोग्राम प्राथमिक बूट रिकार्ड में छिपे दुर्भावनापूर्ण कोड का पता लगा सकते हैं और उसे हटा सकते हैं और कम्प्यूटर की हार्ड ड्राइव से डेटा को एन्क्रिप्ट या मिटाने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

सुरक्षा कार्यक्रम नए बचाव विकसित करना जारी रखते हैं क्योंकि साइबर–सुरक्षा पेशेवर नए खतरों और उनसे निपटने के नए तरीकों की पहचान करते हैं। एंड–यूजर सुरक्षा सॉफ्टवेयर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए, कर्मचारियों को इसका उपयोग करने के तरीके के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। महत्त्वपूर्ण रूप से, इसे चालू रखना और इसे बार–बार अपडेट करना सुनिश्चित करता है कि यह उपयोगकर्ताओं को नवीनतम साइबर खतरों से बचा सकता है।

अंगदान

मानव को है विशिष्ट बनाती सुपात्रों को दान।
सुपात्रों तक पहुंच जाए तो कहलाता महादान।

अन्न, वस्त्र और धन देना।
होता है थोड़ा आसान।

पर जब कोई अंगदान दे।
वो जग में होता है महान।

अन्न फिर उपजाया जाएगा, वस्त्र भी नए बुन जाएंगे।
धन फिर कमाया जा सकता है, महत्व बताया जा सकता है।

पर अंग न उपजाया जा सकता।
बाजारों में भी नहीं बिकता।

बस मानव ही अंगदान कर सकता।
मृत प्राय मानव में भी प्राण नया लौटा सकता।

स्वयं मृत्यु को वरण करता।
पर कितनों को जीवन देता।

अपने अंग औरों को देकर,
अमरत्व प्राप्ति वो कर जाता।

मानव अंग का कृत्रिम निर्माण, अब तक तो असंभव है।
पर मानव जब अंगदान करे, तभी उपलब्धता संभव है।

कई अंग मानव जाति के, आज भी मिलना दूभर है।
आज सारी मानव जाति, अंगदान पर निर्भर है।

अभाव में इनके कई लोग, काल कवलित हो जाते हैं।
समय रहते अंग मिल जाए तो।
वे नवजीवन को पाते हैं।
नेत्र देखता, हृदय धड़कता।

अन्य अंग भी योगदान है देता।
अन्य शरीर में रहकर भी उसे अपना बना लेता।

पर कुछ कुटिल लोगों ने,
इस पावन कार्य को भी ना बख्शा।

अंग तस्करी करके वो मानवता को डंसते।
भोले लोगों को धोखे से,

अपना शिकार बनाते हैं।
चन्द पैसे देकर, अंग व्यापार चलाते हैं।

हमको मिल इन लोगों का, प्रतिकार करना होगा।
चाहे जो भी करना हो पर, उचित दंड देना होगा।

कौन है जिसने अंगदान का, महत्व नहीं पहचाना है।
अपनों पर जब पड़े विपत्ति, हमें यही सदा अपनाना है।

आओ हम मिलकर संकल्प करें। अंगदान का विकल्प चुनें।
मानवता को देकर एक भेंट, मानव जीवन को सफल करें।

शंकर दास
मुख्य प्रबंधक
सर्किल सस्त्र सेंटर, मुंबई सिटी

प्रादेशिक भाषा की रचना

राजस्थान का प्रसिद्ध लोकगीत है– मूमल। मूमल लोकगीत तत्काल मारू देश (आज के जैसलमर) के पास में बसे लोदूरवा गाँव की निवासी मूमल पर आधारित है जोकि अपने समय की चतुर, सुंदर रानी मानी जाती थी और उसे आज के पाकिस्तान के सिंध प्रांत के साहसी, चतुर राजा महेंद्र से प्रेम हो गया था। कहा जाता है कि दोनों का प्रेम हजार वर्षों पहले का है। राजस्थान में यह गीत आज भी गया जाता है जो मूमल के सौंदर्य का नखशिख वर्णन करता है।

राजस्थानी भाषा

काली काली काजलियो री रेख जी
कोई भूरो रे बादल में चमके बिजली
ढोले री ए मूमल हालो नी रिझालु ढोले ने
म्हारी माढ़ेची ए मूमल, हाले नी अमराने देस

शीश तो मूमल रा ढोला बादलियो नारियल को
कोई चोटी तो मूमल की बसत नाग ज्यूँ
रायां री ए मूमल हांजी ए
जुग जिया यह मूमल हांजी ए
मूमल हालो नी रिझालु ढोले ने

लिलवट तो मूमल को ढोला अंगलके रे चार ज्यूँ
कोई भुवां तो मूमल की मृग लोचना
जग जीवो ए मूमल हालो नी रिझालु ढोले ने

नाक तो मूमल रो ढोला सुवा केरी चांच ज्यूँ
कोई आङ्ख्या तो मूमल री रतन नाक्या
जग जीवो ए मूमल हालो नी रिझालु ढोले ने

पेट तो मूमल रो ढोला पिपलिए रे पान ज्यूँ
कोई हीवड़ो तो मूमल रो सांचे ढालियों राया री मूमल
जग जीवो ए मूमल हालो नी रिझालु ढोले ने

बांह तो मूमल री ढोला चंपा केरी डाल ज्यूँ
कोई केसर झरनी मूमल री कलाइयां, राय री ए मूमल
जग जीवो ए मूमल हालो नी रिझालु ढोले ने

पाएँ तो मूमल रा ढोला चांदी के रे धाप ज्यूँ
कोई एड़ियां तो मूमल की हिंगलू ढालियो
जग जीवो ए मूमल हालो नी रिझालु ढोले ने

हिंदी अनुवाद

तेरी काली काली काजल की रेखा ऐसे है जैसे कोई भूरे बादलों में चमकती बिजली है। मेरी मांढ देश की मूमल, आओ और मेरे साथ अमरकोट देश चलो।

मूमल का शीश तो नारियल के समान है और उसकी चोटी तो बंसत में दिखाई देने वाले नाग के समान काली और लंबी है। मूमल तुम युगों तक जियो। तुम खूब जियो।

मूमल का ललाट अर्थात माथा चार अंगुल जितना उन्नत है। उसकी बाय/भोहें तो मृग की आंख के समान है। मूमल तुम युगों तक जियो।

मूमल की नाक शुक (तोते) की चोंच के समान है और मूमल की आंखे तो यूं है मानो मुखड़े पर रत्न जड़ें हो। है मूमल तुम जुग–जुग जियो।

मूमल का पेट पीपल के पत्ते के जैसा है अर्थात पीपल के पात के समान सुगठित है तो मूमल को वक्त जैसे शिल्पी ने सांचे में ढाला हो।

चंपा की लचीली डाल के सामान मूमल की भुजायें हैं। उसकी कलाइयां तो ऐसे है जैसे केसर के अति कोमल तंतु के सामान डाली हो। मूमल तुम जुग–जुग जियो।

मूमल के पांव चांदी के धाप के समान है तो उसकी एड़ियाँ इतनी कोमल है जैसे हिंगलू लाल रंग से डाली हो। (हिंगलू खनिज पत्थर से प्राप्त एक प्रकार का लाल रंग है जो लाल रंग में सबसे सुंदर माना जाता है।) मूमल तुम जुग–जुग जियो।

लक्ष्मी मीना
प्रबंधक (राजभाषा)
मंडल कार्यालय, अहमदाबाद

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024: भविष्य की वित्तीय दुनिया का मार्गदर्शक

धीरेंद्र मंडावत, वरिष्ठ प्रबंधक, आईटी, जीबीवी, गांधीनगर

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (GFF) एक प्रतिष्ठित वार्षिक सम्मेलन है, जो वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) के क्षेत्र में नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देता है। इसे पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI), और फिनटेक कन्वर्जेंस काउंसिल (FCC) द्वारा आयोजित किया जाता है। 2020 में अपनी यात्रा शुरू करने के बाद से, ग्लोबल फिनटेक फेस्ट अब अपने पांचवे संस्करण में पहुँच चुका है और इसे विश्व के सबसे बड़े फिनटेक सम्मेलनों में से एक माना जाता है।

अभी हाल मैं ही हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब नैशनल बैंक (PNB) द्वारा प्रायोजित वित्तीय प्रौद्योगिकी नवाचार के वैश्विक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, जिसमें 80,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में बैंक की डिजिटल क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया, जिसे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024 में प्रस्तुत किया गया। पीएनबी का प्रतिनिधित्व बैंक के कार्यपालक निदेशक, श्री कल्याण कुमार और बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने पीएनबी द्वारा विकसित सीबीडीसी (CBDC) उपयोग मामलों में गहरी रुचि दिखाई, विशेष रूप से पीएम विश्वकर्मा वितरण मॉडल के प्रति। पीएम ने पीएनबी की डिजिटल नवाचार की दिशा में की गई पहल की सराहना की। इसके अलावा, कार्यक्रम में कई उत्पादों का शुभारंभ किया गया, जिनमें पीएनबी द्वारा विकसित मर्चेंट क्रेडिट कार्ड, एनपीसीआई पवेलियन में यूपिलाइट टॉप–अप सेवा और UPI e.RUPI.P2P वाउचर शामिल थे।

इस सम्मेलन का उद्देश्य वित्तीय सेवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य करता है, जहाँ फिनटेक उद्योग के विभिन्न हितधारक–जैसे कि सरकारी प्रतिनिधि, निवेशक, स्टार्टअप्स और तकनीकी विशेषज्ञ–एकत्रित होते हैं। यहां, वे वित्तीय सेवाओं के भविष्य की आवश्यकताओं और चुनौतियों पर विचार–विमर्श करते हैं और नई तकनीकों तथा विचारों का आदान–प्रदान करते हैं।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (GFF) न केवल ज्ञान साझा करने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि यह नेटवर्किंग और सहयोग को बढ़ावा देने का भी काम करता है, जिससे नए अवसरों और समाधानों का विकास संभव हो सके। यदि आप फिनटेक क्षेत्र में रुचि रखते हैं, तो ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (GFF) एक अनूठा मंच है, जहां आप उद्योग की दिशा और नवाचार के भविष्य के बारे में जान सकते हैं।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (GFF) एक अंतरराष्ट्रीय मंच है, जहाँ फिनटेक उद्योग के विभिन्न हितधारकों (stakeholders) जैसे कि वित्तीय सेवाएं, सरकारी संस्थान, निवेशक, स्टार्टअप्स और अन्य महत्वपूर्ण खिलाड़ी एकत्र होते हैं। इसका उद्देश्य वित्तीय सेवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और तकनीक आधारित समाधान विकसित करना है। सम्मेलन का फोकस नवीनतम तकनीकों और विचारों के आदान–प्रदान पर है, जिससे भविष्य की वित्तीय चुनौतियों का सामना किया जा सके।

फिनटेक उद्योग तेजी से विकास कर रहा है, और इससे दुनिया भर में क्रांति ला रहा है। डिजिटल भुगतान, क्रिप्टोकरेंसी, ब्लॉकचेन, और एआई आधारित वित्तीय समाधान जैसे क्षेत्र इसमें प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट इस बदलाव का सबसे बड़ा वैश्विक मंच है, जहां उद्योग जगत के दिग्गज और नवप्रवर्तक अपने विचारों, चुनौतियों, और सफलता की कहानियों को साझा करते हैं।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट के जरिए उद्योग जगत को एक मंच मिलता है जहां वे नए वित्तीय मॉडल्स पर चर्चा कर सकते हैं, और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि फिनटेक इंडस्ट्री वैश्विक

वित्तीय सेवाओं को अधिक सुलभ, सुरक्षित और समावेशी बना रही है।

इस सम्मेलन में कई प्रमुख विशेषताएं हैं। सबसे पहले, ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में विभिन्न उद्योगों के 800 से अधिक प्रतिष्ठित वक्ता और विशेषज्ञ हिस्सा लेते हैं, जो वर्तमान और भविष्य की संभावनाओं पर विचार–विमर्श करते हैं। इसके अलावा, सम्मेलन में ब्लॉकचेन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, डिजिटल भुगतान और ओपन बैंकिंग जैसे नवीनतम रुझानों पर गहन चर्चा होती है।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में स्टार्टअप्स, कंपनियों और निवेशकों के बीच नेटवर्किंग के बेहतरीन अवसर भी होते हैं, जो नई साझेदारियों और व्यापारिक मॉडल्स के विकास की संभावनाएं प्रदान करते हैं। साथ ही, सम्मेलन में सरकार और नीति निर्माताओं की सक्रिय भागीदारी इसे और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है।

भारत में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का महत्व विशेष रूप से उजागर होता है, क्योंकि देश फिनटेक उद्योग में तेजी से उभर रहा है। डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में UPI की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, और ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का आयोजन भारत में होने से देश को एक महत्वपूर्ण वैश्विक मंच मिलता है, जहां वह अपनी क्षमताओं को दुनिया के सामने प्रदर्शित कर सकता है।

इसके अलावा, ग्लोबल फिनटेक फेस्ट के अंतर्गत ग्लोबल फिनटेक अवार्ड्स का आयोजन किया जाता है, जो वैश्विक फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र में असाधारण पहलों को मान्यता देने का एक मंच है।

2024 की थीम "वित्त के अगले दशक के लिए खाकाः जिम्मेदार एआई। समावेशी। लचीला।" है, जो वित्तीय क्षेत्र की चुनौतियों और अवसरों को समझने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

फिनटेक का विकास तेजी से हो रहा है, और ग्लोबल फिनटेक फेस्ट उद्योग के भविष्य को आकार देने का एक महत्वपूर्ण मंच है। हम एक जिम्मेदार, समावेशी और लचीले वित्तीय भविष्य की ओर अग्रसर हैं, जहां नवीनतम तकनीकें उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर अनुभव और सेवाएं प्रदान करेंगी।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (GFF) 2024 एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरेगा, जहां विचारों का समृद्ध आदान–प्रदान, प्रभावी नेटवर्किंग और सहयोग की अनगिनत संभावनाएं मौजूद होंगी। यह सम्मेलन फिनटेक क्षेत्र में रुचि रखने वाले सभी पेशेवरों और उद्यमियों के लिए एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है।

यहां नए नवाचारों को बढ़ावा मिलता है, कंपनियां और सरकारें डिजिटल वित्तीय सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए रणनीतियां साझा करती हैं, और उपभोक्ताओं को सुरक्षित, सुविधाजनक और सुलभ वित्तीय सेवाएं प्रदान की जाती हैं। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का योगदान भविष्य के वित्तीय उद्योग के विकास में अत्यधिक महत्वपूर्ण साबित होगा। इसलिए, इस अद्भुत अवसर का लाभ उठाना न भूलें, ताकि आप फिनटेक की नई संभावनाओं से खुद को जोड़ सकें और भविष्य की वित्तीय दुनिया का हिस्सा बन सकें।

"खुश रहने का सबसे अच्छा तरीका है जो आपके पास है, उसकी कद्र करें और जो नहीं है, उसके लिए मेहनत करें."

मानवता की मिसाल

सतीश कालरा, उप महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त), बेंगलुरु

यह एक सच्ची घटना है कोई कहानी नहीं इसलिए। सच्ची घटना होने के बावजूद पात्रों के नाम और घटनास्थल का जिक्र बदला नहीं गया। बल्कि घटना प्रकाशित ही इसलिए की जा रही है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस के बारे में जान सकें और विश्वास कर सकें कि दुनिया में निष्काम सेवाभाव और पुरुषार्थ जिंदा है।

यह घटना मेरी बहन श्रीमती रमेश गक्खड़ के साथ घटित हुई। रमेश जी लगभग 73 वर्ष की आयु की हैं और फिरोजपुर निवासी हैं और घटना हुई पंजाब के शहर लुधियाना में। घटना के हीरो हैं श्री गुरदेव सिंह जी जो लुधियाना में पंजाब नैशनल बैंक की LCB शाखा में कार्यरत हैं और तकरीबन 35 वर्ष की आयु के हैं। पंजाब नैशनल बैंक से हमारे परिवार का बड़ा पुराना नाता है। मेरे दादा जी और पिता जी से लेकर मेरे और मेरे भाई समेत परिवार की तीन पीढ़िओं के लिए पंजाब नैशनल बैंक कामधेनु की तरह हमें नौकरी प्रदान करता रहा है। परन्तु मैं और मेरे लुधियाना निवासी भाई दिनेश 2013 और 2017 में रिटायर हो गए थे और उस के बाद कोई ज्यादा संपर्क नहीं रहा। गुरदेव सिंह के साथ कोई हमारा परिचय नहीं।

जब से मेरी किडनी खराब हुई है तक से मुझे हर दूसरे दिन डायलिसिस के लिए जाना पड़ता है, मेरे सभी रिश्तेदार मुझसे मिलने आना चाहते हैं।

मेरी बहन रमेश और जीजा जी श्याम जी में मेरे अनुरोध पर कुछ दिनों के लिए हमारे साथ रहने के लिए ऋषिकेश आने का कार्यक्रम बनाया। उन्होंने लुधियाना से ऋषिकेश तक ट्रेन से यात्रा बुक की। ट्रेन लुधियाना स्टेशन से सुबह 5.15 बजे रवाना होने वाली थी और वह समय से पहले स्टेशन पहुंच गए। दुर्भाग्य से जब ट्रेन आई तो जिस डिब्बे में उनकी सीट आरक्षित थी, वह ट्रेन के आखिरी छोर पर था। वह ट्रेन के आखिरी छोर की तरफ दौड़े। इस प्रक्रिया में शाम जी ट्रेन में चढ़ गए, लेकिन रमेश नहीं चढ़ पाई और ट्रेन आगे बढ़ गई और स्टेशन से निकल गई।

कहानी यहीं से शुरू होती है। गुरदेव सिंह वहां अपनी पत्नी को स्टेशन छोड़ने आया था। उस ने यह देखा और रमेश से पूछा कि क्या उसकी ट्रेन छूट गई है। उसने उसकी मदद करने की पेशकश की और कहा कि वह उसे अपनी कार में अगले स्टेशन पर छोड़ देगा, जहां वह ट्रेन पकड़ सकती हैं। रमेश ने संकोचवश यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, जो रोजमर्रा के हिसाब से देखें तो एक और बुरा अनुभव हो सकता था। परन्तु जो हुआ वह आप के सामने है।

(गुरदेव सिंह)

जब वह 50 किलोमीटर का सफर तय कर खन्ना रेलवे स्टेशन पहुंचे, तब तक ट्रेन निकल चुकी थी। उसके बाद 25 किलोमीटर का सफर और तय कर सरहिंद में भी ऐसा ही हुआ। फिर रमेश ने शाम जी को फोन कर के बताया कि वह राजपुरा में उतर जाएं, क्योंकि वह ट्रेन का पीछा नहीं कर सकते। गुरदेव सिंह ने पुरुषार्थ दिखाते हुए 25 किलोमीटर का और सफर तय किया और मेरी बहन रमेश को राजपुरा पहुंचा दिया जहां उनका मिलन मेरे जीजा जी श्री शाम जी से हुआ। इस तरह से गुरदेव सिंह ने सुबह सवेरे 100 किलोमीटर का सफर तय कर एक वरिष्ठ परिवार का मिलाप करवा दिया। वह परिवार जो उस के लिए बिलकुल अनजान था। इतना ही नहीं फिर उस भले मानस ने सामान उठा कर उनको स्टेशन से बाहर तक पहुंचाया और उनको ऋषिकेश के लिए टैक्सी करवा दी। इस नेक काज के पीछे गुरदेव सिंह को कोई आर्थिक लाभ नहीं था। उस ने एक 73 वर्षीय महिला को परेशान देखा और उस की मदद कर दी।

तो कहानी का सार यह है कि समाज में ऐसे अच्छे लोग अभी भी हैं और अच्छाई अभी भी जिंदा है।

मैंने फोन पर बात कर गुरदेव सिंह को कहा कि इस नेक काम को करके उन्होंने खुद को एक अलग मुकाम पर पहुंचाया है, जिसके बारे में हम सिर्फ कहानियों में सुनते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने अपने परिवार और पंजाब नैशनल बैंक तथा पूरे देश का नाम रोशन किया है। समाज में ऐसे लोगों की संख्या बढ़े। यही शुभकामना है।

विमोचन

अंचल कार्यालय, हैदराबाद के संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति के द्वारा किए गए राजभाषायी निरीक्षण के दौरान अंचल कार्यालय, हैदराबाद द्वारा प्रकाशित पुस्तिका 'पीएनबी भाषा सारथी' का विमोचन करते हुए माननीय संसदीय राजभाषा समिति के सदस्यगण, श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रबंधक, हैदराबाद, श्री देवार्चन साहू, महाप्रबंधक (राजभाषा), श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

चंडीगढ़ बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 71 वीं बैठक में अध्यक्ष डॉ. राजेश प्रसाद और श्री विवेक श्रीवास्तव, क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई, मुख्य अतिथि, श्री कुमार पाल शर्मा, उपनिदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, उत्तर चंडीगढ़ अंचल की छमाही पत्रिका ''पीएनबी आलोक'' का विमोचन करते हुए।

नराकास, आगरा के मंच से पीएनबी आगरा अंचल की छमाही पत्रिका "ताज अंचल" का विमोचन करते हुए डॉ. छबील कुमार मेहेर, उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, उत्तर क्षेत्र–2, राजभाषा विभाग, भारत सरकार एवं सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख।

नराकास, बर्द्धमान (संयोजक–पंजाब नैशनल बैंक, बर्द्धमान मंडल) द्वारा 16 वीं बैठक में हिंदी नोटिंग पुस्तिका का विमोचन करते हुए नराकास, अध्यक्ष एवं उप महाप्रबंधक, श्री बुद्धदेव साहा तथा सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख।

हर तस्वीर कुछ कहती है

कहते हैं कि कैमरा और तस्वीर झूठ नहीं बोलते हैं और वाकई में हर तस्वीर कुछ कहती है जो हमारे दिलो–दिमाग और अंतरात्मा को छू जाती है और हमें सोचने और उस पर कुछ लिखने के लिए प्रेरित करती है। क्या यह तस्वीर आपको लिखने के लिए प्रेरित नहीं कर रही है? तो उठाइए कलम और इस तस्वीर पर अपने मौलिक विचार (गद्य/पद्य) केवल 10 से 15 पंक्तियों में हिंदी यूनिकोड में टाइप कर हमें 15 फरवरी 2025 तक ईमेल पते pnbstaffjournal@mail.co.in या राजभाषा विभाग की rajbhashavibhag@pnb.co.in पर भेज दीजिये। कृपया प्रविष्टि में फोटो सहित अपना पूर्ण विवरण अवश्य लिखें। हस्तलिखित/रोमन लिपि में टंकित प्रविष्टियाँ स्वीकार नहीं की जाएंगी। केवल पीएनबी बैंक के स्टाफ सदस्य ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। प्रत्येक स्टाफ सदस्य की केवल एक प्रविष्टि पर विचार किया जाएगा। चुनी गई सर्वश्रेष्ठ प्रतिक्रियाओं को पत्रिका के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

आपके पत्र

इंडिया एक्ज़िम बैंक
India Exim Bank

सबसे पहले तो इस सारगर्भित और पठनीय पत्रिका के लिए आपको साधुवाद। यह देखकर अच्छा लगा कि इसमें भाषा से संबंधित रोचक लेखों के साथ–साथ भावनात्मक लेखों को भी जगह दी गई है। 'नई सदी में हिंदी की भूमिका' में हमें हिंदी के महत्व से अवगत कराया गया है, साथ ही हिंदी के इतिहास पर भी प्रकाश डाला गया है। सोच का फर्क–लघुकथा, लेख और प्रकृति, माँ, बारिश जैसी संवेदनात्मक कविताएं पत्रिका को और भी रोचक बनाती हैं। इस अंक में निवारक और साइबर सतर्कता जैसे लेख पठनीय हैं। कुल मिलाकर इस पत्रिका में भाषा संबंधी जानकारी रुचिकर एवं ज्ञानवर्धक है।

शुभकामनाओं सहित,

सादर,

भवदीय,

(हरीश कुमार)
सहायक महाप्रबंधक
इंडिया एक्ज़िम बैंक

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
एक परिवार एक बैंक

आपके बैंक की तिमाही गृह पत्रिका 'पीएनबी प्रतिभा' (सतर्कता एवं राजभाषा विशेषांक) का जुलाई–सितंबर 2024 अंक प्राप्त हुआ। पत्रिका के सभी लेख पठनीय एवं संग्रहणीय है। रवि कुमार साहू द्वारा रचित कविता 'माँ की ममता' माँ के निःस्वार्थ प्रेम भाव को व्यक्त करती है जिसका कोई मोल नहीं है। आजकल के समय में साइबर धोखाधड़ी से किस प्रकार बचा जा सकता है। इस विषय पर रमण कुमार द्वारा लिखित 'सतर्कता के साथ साइबर धोखाधड़ी से बचाव' लेख में प्रकाश डाला गया है। एक बेहतरीन, ज्ञानवर्धक एवं शानदार अंक हेतु पूरी संपादकीय टीम को बधाई एवं आगामी अंक हेतु ढेर सारी शुभकामनाएं। हमें उम्मीद है कि आपका अगला अंक भी पाठकों में अभिरुचि पैदा करेगा।

प्रीति कुमारी गोंड
प्रबंधक
बैंक ऑफ महाराष्ट्र
अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर

पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank

'पीएनबी प्रतिभा' के इस विशेषांक का आवरण पृष्ठ विषयानुसार है जो पत्रिका की अंतर्वस्तु को स्वतः स्पष्ट करता है। पत्रिका में विषय केन्द्रित लेखों को शामिल किया गया है। विशेषांक की अंतर्वस्तु पर आधारित आलेख "बैंकिंग में सतर्कता का महत्व" बैंकिंग में सतर्कता के महत्व एवं इसकी आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डालता है। 'आचार संहिता और नैतिकता' आलेख संगठन के मूल्यों और मिशन को परिभाषित करते हुए संगठन की समृद्धि में आचार संहिता और नैतिकता से जुड़े विविध पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डालता है। आलेख 'सतर्कता के साथ साइबर धोखाधड़ी से बचाव', 'साइबर सतर्कता', 'बैंकों में अनुपालन का महत्व एवं आवश्यकता', 'यूपीआई सर्किल', 'नई सदी में हिंदी की भूमिका', 'कृत्रिम मेधा पर प्रकाशित आलेख–कृत्रिम मेधा के विविध पक्षों को रेखांकित करता है। आलेख–'शाखाओं में राजभाषा कार्यान्वयनः दशा और दिशा' राजभाषा कार्यान्वयन के विविध पहुलओं के व्यावहारिक पक्षों पर प्रकाश डालता है। आलेख के रूप में रिपोर्ट 'डिजिटल रूपांतरण पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ संवादत्मक सत्र', डिजिटल रूपांतरण के विविध पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डालती है। इसी के साथ साइबर सुरक्षा की अहम आवश्यकता पर भी यह आलेख प्रकाश डालता है। तेलुगु भाषा पर प्रकाशित आलेख भारतीय भाषाओं की मजबूती को दर्शाता है। पत्रिका में प्रकाशित अन्य सभी आलेख भी बैंकिंग के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर पाठकों के लिए वृहद सामग्री उपलब्ध कराती है जिससे सभी स्टाफ सदस्य लाभान्वित हो सकते हैं। निश्चित रूप से इन आलेखों के माध्यम से स्टाफ सदस्य अपने ज्ञान को बढ़ाकर बैंकिंग में नियमों–विनियमों के अनुपालन में किसी भी चूक की संभावना को न्यून कर सकते हैं। शेष इस अंक में प्रकाशित कविताएं एवं गतिविधियों के छायाचित्र भी पत्रिका को विविधापूर्ण एवं संग्रहणीय बनाते हैं।

इस अंक के प्रकाशन हेतु आपको एवं संपादकीय मंडल को बधाई !

भवदीय,

(दीपक कुमार श्रीवास्तव)
अंचल प्रबंधक, हैदराबाद
पंजाब नैशनल बैंक

पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank

राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय द्वारा प्रकाशित तिमाही गृह पत्रिका पीएनबी प्रतिभा का अंक 65–02 (सतर्कता एवं राजभाषा विशेषांक) प्राप्त हुआ।

सार्थक विषय चयन, रोचक सामग्री एवं आकर्षक साज–सज्जा से परिपूर्ण पत्रिका का यह अंक निश्चित ही सभी पीएनबीएंस के लिए संग्रहणीय है। संपादक मंडल के अभिनव प्रयास एवं अथक परिश्रम प्रशंसनीय हैं।

पत्रिका में हमारे अंचल के विभिन्न स्टाफ सदस्यों की रचनाओं को स्थान देने के लिए आपका विशेष आभार।

अगले अंक की शुभकामनाओं सहित!

भवदीय
परमेश कुमार
अंचल प्रबंधक, लुधियाना

श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ की सेवानिवृत्ति

माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अतुल कुमार गोयल जी को समस्त पीएनबी परिवार की ओर से सेवानिवृत्ति की हार्दिक शुभकामनायें और बधाई! समस्त पीएनबी परिवार सेवानिवृत्ति उपरांत आपके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना करता है।

भावभीनी विदाई

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल की सेवानिवृत्ति के अवसर पर उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री राघवेंद्र कुमार।

श्री वदिसेट्टी श्रीनिवास, महाप्रबंधक की सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावभीनी विदाई देते हुए श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा कार्यपालक निदेशकगण–श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार। साथ में हैं श्री वदिसेट्टी श्रीनिवास के परिजन।

श्री किरण कुमार तारणिआ, महाप्रबंधक की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई देते हुए श्री फिरोज हसनैन, अंचल प्रबंधक, मुंबई। दृष्टव्य हैं मो. मकसूद अली, महाप्रबंधक, श्री राजेश भौमिक, महाप्रबंधक एवं श्री मुकुल सहाय, महाप्रबंधक।

pnb one
just one app

pnb

Biz ONE
One App for Business Banking

स्मार्ट बैंकिंग करें और तेज़ी से आगे बढ़ें

पीएनबी वन बिज़ ऐप के साथ

कॉर्पोरेट बैंकिंग के लिए

मुख्य विशेषताएं और लाभः

- उद्यमियों के लिए स्वयं ऑन–बोर्डिंग
- कॉर्पोरेट यूज़र मैनेजमेंट व एडमिन कंट्रोल
- बिना रूकावट सरल लेन–देन
- थोक भुगतान की सुविधा
- MPIN या बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण
- पूरी तरह से सुरक्षित और विश्वसनीय

अभी डाउनलोड करें और अपनी कॉर्पोरेट बैंकिंग को आसान बनाएं!

टोल फ्रीः 1800 1800 | 1800 2021

हमें पर फॉलो करें

पंजाब नैशनल बैंक
...भरोसे का प्रतीक !

punjab national bank
...the name you can BANK upon !

Printed & Designed at Infinity Advertising Services Private Limited, Faridabad